राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

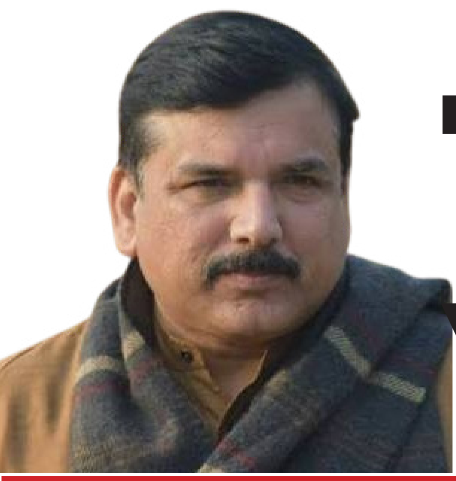

04 आप के स्कूल ठीक करो अभियान के दबाव....

बल्लेबाजी नही, अब गेंदबाजी मे भी वैभव.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 123 | नई दिल्ली, बुधवार, 26 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 42.0°C

न्यूनतम तापमान 32.3°C

राजधानी पटना व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	55%
नहीं	35%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना	1,52,600
चांदी	2,55,000
सेंसेक्स	78,154.25
निफ्टी	24,471.70

एडीबी से 2,500 करोड़ रुपये के ऋण से दिल्ली में जल आपूर्ति में सुधार किया जाएगा: रेखा गुप्ता

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार शहर में जल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने और पानी की बबार्दी रोकने के लिए बड़े स्तर पर सुधार कार्य शुरू करने जा रही है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि केंद्र सरकार के वित्त मंत्रालय के माध्यम से एशियाई विकास बैंक (एडीबी) से उपलब्ध कराए गए 2,500 करोड़ रुपये के ऋण की मदद से दिल्ली में जल आपूर्ति से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दिल्ली जल बोर्ड की बैठक में जल आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से दो भूमिगत जलाशयों (यूजीआर) के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इन जलाशयों के निर्माण से विभिन्न क्षेत्रों में पानी के भंडारण और वितरण की क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। सरकार का उद्देश्य लोगों को नियमित और पर्याप्त जल आपूर्ति उपलब्ध कराना है। गुप्ता ने कहा कि जल आपूर्ति के दौरान होने वाले पानी के नुकसान को कम करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसके लिए दिल्ली जल बोर्ड ने स्मार्ट मीटर परियोजना को भी मंजूरी दी है। स्मार्ट मीटर के माध्यम से पानी की खपत और आपूर्ति की वास्तविक समय में निगरानी की जा सकेगी। इससे पानी की बबार्दी, लीकेज और अनियमित आपूर्ति की पहचान करने में मदद मिलने की उम्मीद है। साथ ही, जल वितरण व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने दिल्ली में जलभराव की समस्या को भी अपनी सरकार के लिए बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा कि राजधानी में जलभराव से निपटने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया जा रहा है। सरकार का जोर जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करने, पुराने ढांचे में सुधार करने और बारिश के दौरान पानी की निकासी को तेज करने पर है। दिल्ली में मानसून के दौरान जलभराव लंबे समय से नागरिकों के लिए परेशानी का कारण रहा है। ऐसे में सरकार के सामने जल आपूर्ति के साथ-साथ ड्रेनेज व्यवस्था को बेहतर बनाने की भी बड़ी जिम्मेदारी है।

गृह मंत्री अमित शाह ने एआई-आधारित इंटेलिजेंस और घुसपैठ-रोधी कड़े उपाय अपनाने के निर्देश दिए

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने देश की आंतरिक सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित खुफिया विश्लेषण तथा घुसपैठ-रोधी प्रभावी उपायों को अपनाने का निर्देश दिया है। नई दिल्ली में आयोजित नौवें नेशनल सिक्योरिटी स्ट्रैटेजीज कॉन्फ्रेंस (एनएसएससी)-2026 के उद्घाटन अवसर पर उन्होंने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस महानिदेशकों तथा वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों को संबोधित किया। अमित शाह ने कहा कि कानून लागू करने वाली एजेंसियों को मल्टी एजेंसी सेंटर (एमएसी) प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध खुफिया सूचनाओं का प्रभावी ढंग से विश्लेषण करने के लिए एआई और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल करना चाहिए। उनका जोर इस बात पर रहा कि विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच सूचनाओं का बेहतर आदान-प्रदान और उनका समय पर विश्लेषण राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है। तकनीक के इस्तेमाल से संदिग्ध गतिविधियों की पहचान, संभावित खतरों का आकलन और सुरक्षा एजेंसियों की प्रतिक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। गृह मंत्री ने राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने तेजी से उभर रही नई चुनौतियों से निपटने के लिए आधुनिक स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (एसओपी) तैयार करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि बदलते सुरक्षा परिदृश्य के अनुरूप सुरक्षा एजेंसियों को अपनी रणनीति और कार्यप्रणाली में लगातार सुधार करना होगा। साइबर अपराध, तकनीकी रूप से सक्षम आतंकवाद और सीमा पार से होने वाली गतिविधियों जैसी चुनौतियों के लिए पारंपरिक सुरक्षा उपायों के साथ आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल जरूरी है। आतंकवाद और घुसपैठ पर सख्त रुख अमित शाह ने आतंकवाद, कट्टरपंथ और सीमा पर घुसपैठ के खिलाफ सभी सुरक्षा एजेंसियों को मिलकर संयुक्त कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने के लिए केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। सीमाओं पर अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए प्रभावी निगरानी और समन्वित कार्रवाई पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। उन्होंने आतंकवाद और कट्टरपंथ के खिलाफ लड़ाई को तेज करने के लिए गृह मंत्रालय की ह्यप्रहारह्ण योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। इसके साथ ही विदेशों में छिपे भगोड़ों को वापस लाने और गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के मामलों में मजबूत अभियोजन सुनिश्चित करने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता बताई। दो दिवसीय सम्मेलन में महत्वपूर्ण मुद्दों पर मंथन हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर से 850 से अधिक वरिष्ठ अधिकारी और सुरक्षा विशेषज्ञ हिस्सा ले रहे हैं। सम्मेलन के पहले दिन आतंकवाद-रोधी रणनीति, नशीले पदार्थों की तस्करी पर नियंत्रण, अवैध प्रवासियों की पहचान और साइबर अपराध जैसी गंभीर चुनौतियों पर व्यापक चर्चा की गई। सम्मेलन के दूसरे दिन बायो-सिक्योरिटी फ्रेमवर्क, इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर और ब्लू इकोनॉमी की सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। इन विषयों पर चर्चा का उद्देश्य बदलते वैश्विक सुरक्षा वातावरण में भारत की तैयारियों को मजबूत करना और संभावित खतरों से निपटने के लिए समन्वित रणनीति विकसित करना है। राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इस सम्मेलन में तकनीक, खुफिया सूचनाओं के बेहतर इस्तेमाल और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को प्रमुख प्राथमिकता के रूप में सामने रखा गया। सरकार का जोर ऐसी सुरक्षा व्यवस्था विकसित करने पर है, जो पारंपरिक खतरों के साथ-साथ तकनीकी और नए प्रकार की चुनौतियों का भी तेजी से मुकाबला कर सके।

भारत 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा आगे: पीयूष गोयल

प्रात: किरण, एजेंसी

टोक्यो। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को जापान के प्रमुख वित्तीय और निवेश संस्थानों के टॉप लीडर्स के साथ चर्चा के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का जिक्र करते हुए कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत ने पिछले साल 7.7 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर्ज की और 2047 तक 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में काम कर रहा है। इस दौरान चर्चा का मुख्य विषय दीर्घकालिक पूंजी प्रवाह को मजबूत करना, निवेश साझेदारी को गहरा करना और भारत की विकास यात्रा में जापान की भागीदारी को बढ़ाना रहा। बैठक में एमयूएफजी, डेवलपमेंट बैंक ऑफ जापान (डीबीजे), मिजुहो, मॉर्गन स्टेनली, नोमुरा और निप्पॉन लाइफ के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री ने भारत के बैंकिंग क्षेत्र की मजबूती, मजबूत कैपिटल एडिक्वेसी, एनपीए के निम्न स्तर, बढ़ते मध्यम वर्ग और बढ़ती खर्च योग्य आय को निरंतर आर्थिक विकास के प्रमुख कारकों के रूप में बताया।गोयल ने सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा, ग्रीन हाइड्रोजन, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में जापानी निवेशकों के लिए मौजूद महत्वपूर्ण अवसरों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता और राष्ट्रीय बिजली ग्रिड ऊर्जा के अधिक इस्तेमाल वाले डिजिटल उद्योगों के विस्तार के लिए मजबूत आधार प्रदान करते हैं। वहीं, इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन विनिर्माण और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है। भारत वैश्विक विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और निवेश केंद्र बनने की अपनी यात्रा में जापान को एक भरोसेमंद साझेदार मानता है।

संक्षिप्त खबरें

मिसाइल निर्माण में बड़ी छलांग, भारतीय उद्योग बनाएंगे डीआरडीओ की विकसित मिसाइलें

नई दिल्ली। भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केंद्र सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा विकसित सभी पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों की टेक्नोलॉजी भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित करने को मंजूरी दे दी है इसके बाद योग्य भारतीय कंपनियां देश के भीतर ही इन मिसाइल प्रणालियों का उत्पादन कर सकेंगी। इस कदम से भारतीय सेनाओं की युद्धक तैयारी को बल मिलेगा। सेनाओं को समय पर आवश्यक मिसाइलों की आपूर्ति हो सकेगी। रक्षा मंत्रालय के इस फैसले को भारत के मिसाइल निर्माण क्षेत्र में अनुसंधान से उत्पादन तक की यात्रा को तेज करने वाला महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। रक्षा क्षेत्र में इस आत्मनिर्भरता का मतलब केवल हथियारों का देश में इस्तेमाल व रिसर्च करना नहीं, बल्कि उनका उत्पादन और आपूर्ति श्रृंखला भी देश के भीतर विकसित करना है। मिसाइल तकनीक के हस्तांतरण से घरेलू उत्पादन क्षमता बढ़ाने, विदेशी निर्भरता कम करने और भारतीय रक्षा उद्योग को मजबूत बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। यानी डीआरडीओ द्वारा विकसित टेक्नोलॉजी से भारतीय उद्योग बड़े पैमाने पर मिसाइल का उत्पादन कर सकेंगे। दरअसल, अब तक उन्नत मिसाइल प्रणालियों के विकास में डीआरडीओ की प्रमुख भूमिका रही है। नई व्यवस्था के तहत डीआरडीओ द्वारा विकसित तकनीक को निर्धारित योग्यता, प्रमाणन और नियामकीय आवश्यकताओं को पूरा करने वाले भारतीय उद्योगों को हस्तांतरित किया जाएगा। इससे मिसाइल प्रणालियों के विकास और परीक्षण के बाद उन्हें औद्योगिक स्तर पर उत्पादन में बदलने की प्रक्रिया आसान होगी। यानी सरल शब्दों में कहें तो डीआरडीओ तकनीक विकसित करेगा और भारतीय उद्योग उस तकनीक को बड़े पैमाने पर उत्पादन में बदलने में अहम भूमिका निभाएगा।

मिशन शक्तिसैट से जुड़े अंतरराष्ट्रीय राजदूतों के प्रतिनिधिमंडल ने चिराग से की मुलाकात

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। मिशन शक्तिसैट से जुड़े अंतरराष्ट्रीय राजदूतों के एक प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान से मुलाकात की। बैठक के दौरान अंतरिक्ष शिक्षा, महिलाओं और लड़कियों के सशक्तीकरण तथा वैश्विक स्तर पर अवसर उपलब्ध कराने जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। चिराग पासवान से मिलकर सभी अलग अलग देशों के राजदूतों ने अपने-अपने देशों के बारे में जानकारी साझा करने के साथ ही मिशन शक्तिसैट के तहत किए जा रहे कार्यों और अपने अनुभवों को भी सामने रखा। मंत्री ने सभी प्रतिनिधियों की बातों को सुना और मिशन से जुड़े उनके प्रयासों के बारे में जानकारी ली। बैठक के दौरान मिशन शक्तिसैट की टीम ने पहल के उद्देश्यों, उसकी कार्यप्रणाली और वैश्विक प्रभाव को लेकर विस्तृत प्रस्तुति दी। प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि मिशन का मुख्य उद्देश्य व्यावहारिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी शिक्षा, मार्गदर्शन और अवसरों के माध्यम से दुनिया भर की लड़कियों और महिलाओं को सशक्त बनाना है। मिशन से 108 से अधिक देशों की भागीदारी जुड़ी हुई है। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने मिशन शक्तिसैट की पहल की सराहना करते हुए इसे महिलाओं और बालिकाओं को नए क्षेत्रों में आगे बढ़ाने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया। उन्होंने विशेष रूप से डॉ. श्रीमती केसन के प्रयासों और मिशन को वैश्विक स्तर पर आगे ले जाने की उनकी दूरदृष्टि की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि मिशन से जुड़ी महिलाओं ने अपनी क्षमता, दृढ़ता और संकल्प के माध्यम से एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया है। चर्चा के दौरान मंत्री ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय की भूमिका और उसके महत्व के बारे में भी जानकारी दी।

सूखे से निपटने की रणनीति बदले दुनिया, राहत से आगे बढ़कर लचीलेपन पर जोर : भूपेंद्र यादव

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम कन्वेंशन (यूएनसीसीडी) के कॉप 17 में वैश्विक स्तर पर सूखे से निपटने की रणनीति में बदलाव की अपील की है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि सूखे को बार-बार आने वाली आपदा मानकर केवल राहत देने के बजाय इसे एक पूवार्नुमानित और रोके जा सकने वाले जोखिम के रूप में देखा जाना चाहिए। मंगोलिया के उलानबातर में आयोजित सूखे से निपटने के लिए उपायों को तेज करने विषयक मंत्रिस्तरीय संवाद को संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि सूखा अब केवल एक मौसमी घटना नहीं रह गया है, बल्कि यह जल सुरक्षा, खाद्य व्यवस्था, जैव विविधता और आर्थिक स्थिरता के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि वैश्विक लक्ष्य प्रतिक्रिया से पहले तैयारी, संकट प्रबंधन से पहले रोकथाम और पुनर्बहाली से पहले लचीलापन होना चाहिए। मंत्री ने बताया कि भारत सूखे से निपटने के लिए वर्षा निगरानी, सैटेलाइट आधारित सूखा आकलन, शुरूआती चेतावनी और केंद्र-राज्य स्तर पर समन्वित तैयारी पर काम कर रहा है। इसका उद्देश्य सूखे की स्थिति को संकट में बदलने से पहले ही आवश्यक कदम उठाना है। उन्होंने जल और भूमि के बीच संबंध पर जोर देते हुए कहा कि वनों और जलग्रहण क्षेत्रों का संरक्षण पानी की उपलब्धता बढ़ाने, मिट्टी के कटाव को कम करने और भूजल पुनर्भरण में मदद करता है। भारत में नदी पुनर्जीवन, पारंपरिक जल निकायों के संरक्षण और जल संरक्षण की दिशा में भी काम किया जा रहा है। यादव ने बताया कि भारत के विभिन्न हिस्सों में समुदायों की भागीदारी से झरनों और जल पुनर्भरण क्षेत्रों का संरक्षण किया जा रहा है। वहीं, वर्षा आधारित और खराब हो चुकी कृषि भूमि के लिए देशभर में वाटरशेड कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। किसानों को सूखे समेत अन्य जोखिमों से सुरक्षा देने के लिए फसल बीमा को भी महत्वपूर्ण उपाय बताया गया। इसके अलावा पेयजल आपूर्ति, रोजगार, चारा और आपातकालीन जल व्यवस्था जैसे उपायों के जरिए संकट के दौरान कमजोर वर्गों को सहायता दी जाती है। भारत ने दुनिया से पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली, मजबूत प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों और समन्वित कार्रवाई में अधिक निवेश करने का आह्वान किया। यादव ने कहा कि दुनिया के सबसे कमजोर वर्गों के लिए सूखा लचीलापन तैयार करना केवल विकल्प नहीं, बल्कि जीवित रहने की आवश्यकता है। उन्होंने सूखे से निपटने के क्षेत्र में भारत के अनुभव और क्षमताओं, विशेषकर प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को वैश्विक समुदाय के साथ साझा करने की प्रतिबद्धता भी जताई।

यूजीसी और एआईसीटीई के संग उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने का प्रयास

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र की प्राथमिकताओं को व नई रणनीति को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की है। इस बैठक में उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने, शैक्षणिक संस्थानों को मजबूत करने और बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप आगे की प्राथमिकताएं तय करने पर चर्चा की गई। अधिकारियों के साथ उच्च शिक्षा के मौजूदा परिदृश्य और संस्थानों की क्षमता बढ़ाने के लिए जरूरी कदमों पर भी विचार-विमर्श हुआ। वहीं सरकार उच्च शिक्षा के संस्थानों में शिक्षा के साथ साथ खेल को भी समग्र विकास का हिस्सा बनाना चाहती है। इसके लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने दोनों संस्थानों के साथ उच्च स्तरीय संवाद किया है। बैठक में ह्यखेलो भारतह्ण अभियान पर भी विशेष चर्चा हुई। शैक्षणिक संस्थानों में खेलों को बढ़ावा देने, अधिक से अधिक विद्यार्थियों को खेल गतिविधियों से जोड़ने और युवाओं में खेल प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। चर्चा में इस बात पर बल दिया गया कि शिक्षा के साथ खेलों को भी विद्यार्थियों के समग्र विकास का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाए। इसके लिए शैक्षणिक संस्थानों में खेल गतिविधियों में विद्यार्थियों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने और उभरती खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जाने की जरूरत है। बैठक का उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों को मजबूत करने के साथ-साथ विद्यार्थियों के लिए शिक्षा और खेल दोनों क्षेत्रों में बेहतर अवसर और सुविधाएं विकसित करना रहा। गौरतलब है इससे पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की थी। बैठक में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।शिक्षा मंत्री के मुताबिक, बैठक का मुख्य उद्देश्य सीबीएसई से संबंधित विषयों की समीक्षा करना था।

मेट्रो के अस्तित्व में आने से पहले की दिल्ली को देखने के बाद इसके विस्तार.....

उपराज्यपाल ने शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन में डी वॉल के निर्माण कार्य का किया शुभारंभ

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने मंगलवार को दिल्ली मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (डीएमआरसी) के फेज 5 (ए) के तहत सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर पर शिवाजी मेट्रो स्टेडियम में नए भूमिगत मेट्रो स्टेशन की डी-वॉल (डायाफ्राम वॉल) के निर्माण कार्य शुभारंभ किया। उन्होंने इसे विकसित दिल्ली के लिए आधुनिक और निर्बाध कनेक्टिविटी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है। उपराज्यपाल ने कहा कि आज शिवाजी स्टेडियम साइट पर काम शुरू होना दिल्ली मेट्रो के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। मेट्रो के अस्तित्व में आने से पहले की दिल्ली को देखने के बाद इसके विस्तार ने वास्तव में शहर को बदल दिया है। हम इसके निरंतर प्रगति और विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सहयोग और समर्थन प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि आज सेंट्रल विस्टा कॉरिडोर के हिस्से के रूप में शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। शिवाजी स्टेडियम स्टेशन को फेज 5 (ए) के तहत मौजूदा मैजेंटा लाइन के जनकपुरी वेस्ट से आरके आश्रम मार्ग तक विस्तार के हिस्से के रूप में विकसित किया जा रहा है। विज्ञप्ति के मुताबिक शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन एक भूमिगत स्टेशन होगा और एक महत्वपूर्ण इंटरचेंज सुविधा के रूप में काम करेगा, जहां नए मैजेंटा लाइन स्टेशन को 230 मीटर लंबे भूमिगत सबवे के माध्यम से मौजूदा शिवाजी स्टेडियम एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन स्टेशन के साथ सहजता से एकीकृत किया जाएगा, जिससे दो मेट्रो कॉरिडोर के बीच सुविधाजनक इंटरचेंज संभव होगा। इसके अलावा शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन को राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से 800 मीटर लंबे भूमिगत सबवे के माध्यम से जोड़ा जाएगा, जिसमें ट्रैवेलेटर लगे होंगे, जो दोनों स्टेशनों के बीच यात्रियों के लिए सहज और सुविधाजनक पैदल कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। नए शिवाजी स्टेडियम स्टेशन पर डायाफ्राम वॉल लगभग 38 मीटर की गहराई पर होगी, जो 12 मंजिला इमारत की ऊंचाई के बराबर होगी। इतनी गहराई पर निर्माण इसलिए जरूरी हो गया है क्योंकि स्टेशन मौजूदा एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के नीचे होगा। इसलिए, आगामी शिवाजी स्टेडियम मेट्रो स्टेशन पर निर्माण गतिविधियों में काम आगे बढ़ने के साथ निर्माण वाहनों की काफी आवाजाही होने की उम्मीद है।

'सप्तधारा' विकसित भारत का रोडमैप, सात क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है देश: संबित पात्रा

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद और पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने कभी यूपीआई का मजाक उड़ाया था लेकिन आज उसके आंकड़े पूरी दुनिया के सामने हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी शायद इन उपलब्धियों को समझ नहीं पाएंगे। संबित पात्रा ने कहा, आज यूपीआई ने 10 वर्ष पूरे कर लिए हैं और यह दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 10 साल पहले जब यूपीआई की परिकल्पना रखी थी, तब कांग्रेस नेताओं ने उसका उपहास उड़ाया था लेकिन आज वही प्रणाली डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में भारत की सबसे बड़ी सफलता बन गई है। उन्होंने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री ने देश के सामने 'सप्तधारा' का विजन रखा था। यह विकसित भारत के निर्माण का रोडमैप है। किसी भी देश को आगे बढ़ाने के लिए स्पष्ट लक्ष्य की आवश्यकता होती है और सही समय पर सही नेतृत्व ही देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखता है। उन्होंने कहा कि 'सप्तधारा' के तहत मैन्युफैक्चरिंग पावर, कृषि एवं फूड प्रोसेसिंग, टेक्नोलॉजी और इनोवेशन, ग्रीन एवं ब्लू इकोनॉमी, सॉफ्ट पावर, गति शक्ति और रक्षा शक्ति जैसे सात प्रमुख क्षेत्रों पर विशेष फोकस किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग में मजबूत घरेलू वैल्यू चेन, जीरो-डिफेक्ट और विश्वस्तरीय उत्पादों के निर्माण पर जोर है। कृषि क्षेत्र में दलहन-तिलहन उत्पादन, जैविक खेती और किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने की दिशा में काम हो रहा है। पात्रा ने कहा कि भारत स्पेस, क्वांटम टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डेटा सेंटर जैसे क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने यूपीआई के 10 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम बन चुका है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 26 अगस्त, 2026

हिलजात्रा में लोगों को आशीर्वाद देने आया शिवगण लखिया भूत, जानें मुखौटों के पीछे की वीर गाथा

पिथौरागढ़, एजेंसी। देवभूमि उत्तराखंड में कई त्यौहार और पर्व अपनी ऐतिहासिक विरासत को संजोए हुए हैं. उन्हीं में से एक सीमांत जनपद पिथौरागढ़ का ऐतिहासिक हिलजात्रा महोत्सव भी है. जो हर साल भादो महीने में मनाया जाता है, जिसमें सीमांत की संस्कृति और विरासत देखने को मिलती है. आज भी ये पर्व लोगों को एक सूत्र में पिरोए हुए है. अतीत की इस विरासत को देखने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा. वहीं इस पर्व में इस्तेमाल होने वाले मुखौटे ने सोर घाटी की वीरता के इतिहास को फिर दोहराया. सीएम धामी ने लोगों को दी बधाईः वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पिथौरागढ़ में आयोजित ऐतिहासिक हिलजात्रा महोत्सव को वर्चुअल माध्यम से संबोधित किया. इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों, विशेषकर पिथौरागढ़ की जनता को हिलजात्रा पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं. उन्होंने ग्राम जाखनी, पिथौरागढ़ स्थित बाबा गंगनाथ मंदिर के सौंदर्यीकरण की घोषणा भी की. मुख्यमंत्री ने कहा कि हिलजात्रा उत्तराखंड की समृद्ध लोक परंपराओं, आस्था और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण पर्व है. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार घर-घर में मां गौरा और भगवान महेश्वर की पारंपरिक पूजा

के साथ सातू-आठू पर्व से हिलजात्रा की भक्ति धारा प्रवाहित होती है, उसी प्रकार सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और शांति की धारा निरंतर प्रवाहित होती रहे. समृद्ध संस्कृति और परंपरा पहचानः मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि 500 वर्षों से अधिक समय से मनाया जा रहा हिलजात्रा पर्व पिथौरागढ़ की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं की विशिष्ट पहचान बन चुका है. सोरघाटी की यह ऐतिहासिक हिलजात्रा हमारी आस्था, विश्वास और समृद्ध परंपराओं का प्रतीक होने के साथ ही पहाड़ी जीवन के संघर्ष, साधना और कृषि-पशुपालन पर आधारित ग्रामीण जीवन की विशिष्टताओं को भी दर्शाती है. उन्होंने कहा कि हिलजात्रा केवल धार्मिक अथवा पारंपरिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा है. यह पर्व हमें अपने पूर्वजों की महान परंपराओं, आदर्शों और वीरता का स्मरण कराने के साथ ही अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है. ऐतिहासिक मेले का महत्वः भगवान शिव के गण लखिया भूत का आगमन इस पर्व में सुख, समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है. सीमांत पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय में ऐतिहासिक कुमौड़ हिलजात्रा सोमवार को आस्था, उत्साह और लोक संस्कृति के रंगों के बीच संपन्न हुई. कुमौड़ के मैदान में हजारों लोग उस पल के गवाह बने, जब लखिया भूत को उसके मंदिर से जंजीरों में बांधकर मैदान तक लाया गया. लखिया भूत को जंजीरों में लाने की परंपरा ही हिलजात्रा की सबसे खास पहचान है. स्थानीय मान्यता में लखिया को भगवान शिव का गण और कुमौड़ का ग्राम देवता माना जाता है. लखिया भूत होता है खासः इस लोकपर्व की जड़ें नेपाल की प्रसिद्ध इंद्रजात्रा से जुड़ी मानी जाती हैं. हिलजात्रा की बड़ी खासियत यह है कि इसमें पहाड़ का पारंपरिक जीवन किसी मंच या पर्दे पर नहीं, बल्कि खुले मैदान में जीवंत किया जाता है. कलाकार अलग-अलग मुखौटे और पारंपरिक वेशभूषा पहनकर खेती, पशुपालन और ग्रामीण जीवन के प्रसंगों को प्रस्तुत करते हैं. कहीं बैलों के जरिए खेतों में होने वाले काम दिखाए जाते हैं तो कहीं धान की रोपाई और ग्रामीण महिलाओं के कामकाज का चित्रण होता है. हिरन-चीतल जैसे पात्र पहाड़ के जंगल और प्रकृति से इंसान के पुराने रिश्ते को सामने लाते हैं. जंजीरों से बांधकर लाया जाता है लखिया भूतः गलिया बैल, छोटी हौल, नेपाली हौल, बड़ी हौल, हिरन और चीतल जैसे पात्र आयोजन के प्रमुख आकर्षण रहते हैं. ढोल, नगाड़े, हुड़के और मंजीरे की धुन इन प्रस्तुतियों में जान डाल देती है. लखिया भूत हिलजात्रा का सबसे खास और रोमांचक पात्र है. उसे भगवान शिव के गण और वीरभद्र से जोड़कर देखा जाता है. कुमौड़ में उसे ग्राम देवता के रूप में भी श्रद्धा प्राप्त है.पारंपरिक रूप से लखिया भूत को उसके मंदिर से जंजीरों में बांधकर मैदान तक लाया जाता है. काले परिधान, गले में रुद्राक्ष, कमर में रस्सी और हाथ में काला चंवर लिए उसका मैदान में प्रवेश होता है. मुखौटों के पीछे छुपी है वीर गाथाः भक्त उसके आगे श्रद्धा से सिर झुकाते हैं और पुष्पवर्षा कर आशीर्वाद लेते हैं. हिलजात्रा की परंपरा के बारे में एक प्रमुख लोककथा नेपाल से जुड़ी है. स्थानीय मान्यता के अनुसार कुमौड़ के चार महर भाई नेपाल की प्रसिद्ध इंद्रजात्रा में शामिल होने गए थे.

वहां उनकी वीरता से प्रभावित होकर नेपाल नरेश ने उन्हें कुछ पारंपरिक मुखौटे भेंट किए. इन्हीं मुखौटों के साथ पिथौरागढ़ में इस परंपरा के शुरू होने की मान्यता है. जिला प्रशासन की संस्कृति एवं विरासत संबंधी जानकारी में भी हिलजात्रा की परंपरा के पश्चिमी नेपाल से पिथौरागढ़ घाटी तक पहुंचने का उल्लेख मिलता है.

हल्द्वानी गोरापड़ाव डकैती कांड, मुख्य आरोपी सहित चार गिरफ्तार, जिंदा कारतूस भी बरामद

हल्द्वानी, एजेंसी। गोरापड़ाव में हथियारों के बल पर हुई लाखों की डकैती के मामले में नैनीताल पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है. एसएसपी मंजूनाथ टीसी के निर्देश पर गठित पुलिस टीमों ने डकैती में शामिल चार और नकाबपोश आरोपियों को गिरफ्तार किया है. आरोपियों के कब्जे से चार अवैध तमंचे, सात जिंदा कारतूस, 18 हजार रुपये की लूटी रकम और वारदात में इस्तेमाल क्रेटा व स्कॉर्पियो बरामद की गई है. इससे पहले पुलिस दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है. हल्द्वानी के गोरापड़ाव में 19 अगस्त को हथियारबंद बदमाशों ने ऑफिस और गैराज में धावा बोलकर करीब आठ लाख रुपये की नकदी, 12 मोबाइल फोन और सोने की चेन-अंगूठी समेत लाखों का सामान लूट लिया था. घटना के बाद एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए करीब 50 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की विशेष टीम गठित की. पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, सर्विलांस, सुरागरसी और पतारसी के जरिए बदमाशों की पहचान शुरू की. जांच में सामने आए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग राज्यों में दबिश दी गई. इससे पहले 21 अगस्त को वंशप्रीत सिंह उर्फ पन्नू और रखवीर सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था. अब पुलिस टीम ने चार अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार कर लिया है. यश सिडाना को हल्द्वानी से, अमनदीप सिंह और शिवराज सिंह को नई दिल्ली के डीएनडी फ्लाईओवर-जैतपुर मोड़ से, जबकि अफजल मलिक को किच्छा से पकड़ा गया. पुलिस के मुताबिक यश सिडाना के कब्जे से क्रेटा कार और 315 बोर का तमंचा व दो कारतूस, अमनदीप से स्कॉर्पियो और तमंचा-कारतूस, शिवराज से तमंचा और कारतूस तथा अफजल मलिक से 18 हजार रुपये और 12 बोर का तमंचा व दो कारतूस बरामद किए गए हैं. आरोपियों के खिलाफ डकैती के मुकदमे में धारा 317(2) बीएनएस और आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई गई हैं. पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और लूट की बाकी रकम व सामान की बरामदगी के लिए पूछताछ कर रही है. पुलिस टीम के उत्साहवर्धन के लिए एसएसपी ने ढाई हजार रुपये के पुरस्कार की घोषणा की है.

किच्छा में नाबालिग छात्रा से रेप, आरोपी ने वीडियो भी बनाया, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

रुद्रपुर, एजेंसी। किच्छा में नाबालिग छात्रा से कथित दुष्कर्म और उसकी आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने का मामला सामने आया है. छात्रा की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है और विवेचना में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. आरोपी ने जन्मदिन बहाने पीड़िता को बुलाया थाः पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है. तहरीर के मुताबिक पीड़िता स्कूली छात्रा है. उसकी दोस्त एक युवक से हो गई थी. आरोप है कि 31 मार्च 2026 को युवक ने छात्रा को जन्मदिन समारोह के बहाने बुलाया. छात्रा की मां ने आरोप लगाया है कि वहां आरोपी ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसे पिला दिया. नशीला पदार्थ पिलाने के बाद किया दुष्कर्मः तहरीर में आगे आरोप लगाया गया है कि नशीला पदार्थ पिलाने के बाद आरोपी ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया और उसकी आपत्तिजनक वीडियो बना ली. आरोप के मुताबिक, कुछ समय बाद छात्रा ने युवक से बातचीत बंद कर दी. इसके बाद युवक ने कथित तौर पर छात्रा की आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दी. पीड़िता की मां ने पुलिस को दी तहरीरः मामले की जानकारी मिलने के बाद छात्रा की मां ने कोतवाली किच्छा पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की. पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है. पुलिस अब घटना से जुड़े डिजिटल साक्ष्यों, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और अन्य संबंधित तथ्यों की जांच कर रही है. सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल होने की जानकारी सामने आई है. पीड़िता की मां की तहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है. विवेचना के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी. नाबालिग से संबंधित मामला होने के कारण जांच को गंभीरता से लिया जा रहा है. पुलिस का कहना है कि पीड़िता के बयान, उपलब्ध साक्ष्य और डिजिटल सामग्री की जांच के आधार पर मामले की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाएगी. साथ ही सोशल मीडिया पर कथित आपत्तिजनक वीडियो के प्रसार से जुड़े पहलुओं को भी जांच में शामिल किया गया है. पुलिस ने लोगों से सोशल मीडिया पर किसी भी आपत्तिजनक वीडियो या सामग्री को आगे प्रसारित नहीं करने की अपील की है. पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

थार की छत और खिड़कियों पर सवार होकर हुड़दंग, आठ पर कार्रवाई

देहरादून, एजेंसी। सोशल मीडिया पर वायरल होने के चक्कर में सड़क पर जान जोखिम में डालकर हुड़दंग करना आठ युवकों को भारी पड़ गया। बल्लीवाला क्षेत्र के पास जीएमएस रोड पर थार रॉक्स और एक अन्य वाहन की खिड़कियों व छत पर सवार होकर रैली निकालने का वीडियो वायरल होने के बाद बसंत विहार पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की। पुलिस ने आठ युवकों को संबंधित वाहनों समेत थाने लाकर वैधानिक कार्रवाई की और एक वाहन को एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया। वायरल वीडियो में कुछ युवक यातायात नियमों की खुलेआम अनदेखी करते हुए चलती गाड़ियों की खिड़कियों और छत पर बैठे दिखाई दे रहे थे। इससे न केवल उनकी अपनी जान को खतरा था, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई थी। एसएसपी देहरादून के निर्देश पर बसंत विहार पुलिस ने वीडियो की जांच शुरू की। पुलिस ने वीडियो के आधार पर संबंधित वाहनों और युवकों की पहचान की। इसके बाद वाहनों में सवार आठ युवकों को पुलिस ने थाने बुलाकर उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की।

केंद्रीय राज्यमंत्री से की टीईटी की बाध्यता समाप्त करने की मांग

पिथौरागढ़, एजेंसी। अनुसूचित जाति-जनजाति शिक्षक एसोसिएशन ने केंद्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा को ज्ञापन सौंपकर वर्ष 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) की बाध्यता समाप्त करने की मांग की। जिला अध्यक्ष अनिल कुमार के नेतृत्व में संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने वन विभाग के विश्राम गृह में केंद्रीय राज्यमंत्री से मुलाकात कर शिक्षकों की समस्याएं रखीं। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि सभी शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य किए जाने से शिक्षकों में भारी असंतोष है। प्रचार सचिव गोविंद आर्या ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से वार्ता कर मामले का उचित समाधान कराने की मांग की। पदाधिकारियों ने कहा कि संगठन की 19 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन के बावजूद राज्य सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। इससे शिक्षकों में निराशा है। उन्होंने केंद्रीय राज्यमंत्री से मांगों के समाधान के लिए प्रभावी पहल करने का आग्रह किया।

12 दिन बाद मिला बीआरओ जवान पंकज सिंह का शव, नीती घाटी आपदा में हुए थे लापता

चमोली, एजेंसी। नीती घाटी के तमक क्षेत्र में 10 अगस्त 2026 को आई भीषण आपदा के दौरान लापता हुए सीमा सड़क संगठन के जवान पंकज सिंह का शव 12 दिन बाद बरामद कर लिया गया. लगातार चलाए जा रहे खोज एवं बचाव अभियान के दौरान शुक्रवार को धौलीगंगा नदी के किनारे भलागांव के समीप शव मिला. जवान का शव मिलने की सूचना से परिजनों और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई. जानकारी के अनुसार, 10 अगस्त 2026 को नीती घाटी के तमक क्षेत्र में अचानक आई प्रचंड आपदा से भारी तबाही हुई थी. आपदा के दौरान कई स्थानों पर मलबा और पानी आने से जनजीवन प्रभावित हुआ. इसी दौरान क्क्रह्र में तैनात जवान पंकज सिंह लापता हो गए थे. घटना के बाद से ही उनकी तलाश में सेना और बचाव दल लगातार अभियान चला रहे थे. पंकज सिंह की तलाश के लिए गढ़वाल स्काउट आर्मी की टीम, 20 एडी यूनिट के जवानों और प्रशिक्षित आर्मी डॉग की मदद ली जा रही थी. दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद जवानों ने धौलीगंगा नदी और उसके आसपास के क्षेत्रों में लगातार सर्च अभियान चलाया. करीब 12 दिन बाद शुक्रवार को भलागांव के पास नदी किनारे एक शव दिखाई दिया. सूचना मिलने पर बीआरओ के जवान और पुलिस टीम मौके पर पहुंची. शव की पहचान लापता जवान पंकज सिंह के रूप में की गई. इसके बाद आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए शव को कब्जे में लिया गया. 10 अगस्त की आपदा ने मचाई थी तबाहीः नीती घाटी के तमक क्षेत्र में 10 अगस्त को आई आपदा के बाद से ही लापता जवान की तलाश चुनौतीपूर्ण बनी हुई थी.

सिलक्यारा टनल में फिर हादसा, सुरंग के अंदर हुआ लैंडस्लाइड, निर्माण कंपनी ने जारी किया बयान

उत्तरकाशी, एजेंसी। चारधाम सड़क परियोजना के तहत यमुनोत्री हाईवे पर निर्माणाधीन सिलक्यारा-पोलगांव सुरंग में एक बार फिर लैंडस्लाइड होने का मामला सामने आया है. घटना 21 अगस्त की है, जबकि जानकारी अब सामने आई है. पोलगांव-बड़कोट छोर से करीब डेढ़ किलोमीटर अंदर सुरंग में भूस्खलन के मलबा फैल गया. सुरंग के अंदर मलबा गिरने की तस्वीरें और वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद निर्माणाधीन सुरंग की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं. बताया जा रहा है कि, सुरंग के पोलगांव-बड़कोट छोर से करीब 1300 से 1500 मीटर अंदर पहाड़ी से मलबा गिरा है. घटना के बाद सुरंग के अंदर निर्माण कार्य प्रभावित हुआ और मलबा हटाने का काम शुरू किया गया. हालांकि, निर्माण कंपनी ने इसे सामान्य प्रक्रिया बताते हुए किसी बड़े खतरे की आशंका से इनकार किया है. निर्माण कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक, मलबा हटाने का काम जारी है.

कंपनी के प्रोजेक्ट प्रबंधक श्रीराम ने बताया कि, निर्माणाधीन सुरंग में खुदाई के दौरान कहीं-कहीं मलबा गिरना सामान्य है. पोलगांव छोर से करीब 1300 मीटर अंदर कुछ मलबा गिरा है, जिसे हटाया जा रहा है. मौके पर किसी तरह की चिंताजनक स्थिति नहीं है और सुरंग में सुरक्षा मानकों का ध्यान रखा जा रहा है.झ्र 2023 के हादसे के बाद भी नहीं थमी घटनाएंः सिलक्यारा सुरंग में भूस्खलन का यह मामला इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि नवंबर 2023 में इसी सुरंग में बड़ा हादसा हुआ था. उस समय सिलक्यारा छोर से करीब 200 मीटर अंदर भारी भूस्खलन के कारण निर्माण कार्य में लगे 41 श्रमिक सुरंग के अंदर फंस गए थे. करीब 17 दिन तक चले अभियान के बाद सभी श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया था. इस घटना के बाद सुरंग की सुरक्षा और भूगर्भीय स्थिति को लेकर कई सवाल उठे थे. मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्यः करीब 4.5 किलोमीटर लंबी सिलक्यारा-पोलगांव सुरंग का निर्माण वर्ष 2018 में शुरू हुआ था. तकनीकी और भूगर्भीय चुनौतियों के कारण निर्धारित समय पर काम पूरा नहीं हो सका. वर्ष 2024 में सुरंग को आर-पार किया गया था. वर्तमान में करीब 90 प्रतिशत सिविल कार्य पूरा होने की बात कही जा रही है. निर्माण एजेंसी का लक्ष्य मार्च 2027 तक सुरंग का निर्माण पूरा करना है. हालांकि, सुरंग के भीतर लगातार सामने आ रहे मलबा गिरने के मामलों ने निर्माण कार्य के साथ सुरक्षा व्यवस्था पर भी निगरानी बढ़ाने की जरूरत को सामने ला दिया है.

सरकार के पास योजना संचालित करने का बजट नहीं है तो बंद कर देना चाहिए' नंदा गौरा स्कीम पर हाईकोर्ट की टिप्पणी

नैनीताल, एजेंसी। उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने राज्य की 12वीं पास मेधावी बालिकाओं को 'नंदा गौरा योजना' का वित्तीय लाभ न दिए जाने के मामले पर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की. मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ शाह की खंडपीठ ने राज्य सरकार और महिला सशक्तिकरण व बाल विकास विभाग से कड़े सवाल करते हुए पूछा कि, 'आखिर अब तक पात्र बालिकाओं को योजना का लाभ क्यों नहीं दिया गया'? सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने बेहद सख्त मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि, यदि सरकार के पास योजना संचालित करने का बजट नहीं है, तो ऐसी योजनाओं को बंद कर देना चाहिए. अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित विभागों को स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए हैं और अगली सुनवाई के लिए चार सप्ताह बाद की तिथि तय की है. अदालत की कार्रवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से पक्ष रखते हुए कहा गया कि, यह मामला वर्तमान में वित्त विभाग के पास विचाराधीन है और सरकार जल्द ही इसके लिए आवश्यक बजट जारी करने वाली है. इस दलील का विरोध करते हुए याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि, यदि समय पर बजट जारी नहीं किया गया तो गरीब परिवारों की बालिकाओं की आगे की उच्च शिक्षा प्रभावित होगी. उन्होंने अदालत से गुहार लगाई कि, इस कल्याणकारी योजना का समान लाभ सभी पात्र छात्राओं को बिना किसी देरी के मिलना चाहिए, ताकि उनके शैक्षणिक भविष्य से खिलवाड़ न हो. गौरतलब है कि यह मामला चमोली जिले की सामाजिक कार्यकर्ता ममता नेगी द्वारा दायर जनहित याचिका से जुड़ा है. याचिका में बताया गया है कि चमोली जिले में वर्ष 2022-23 में इंटरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली 439 बालिकाओं ने योजना के नियमानुसार वर्ष 2023 में ही अपने विद्यालय के माध्यम से सभी जरूरी दस्तावेज जमा करा दिए थे. योजना के तहत इन बालिकाओं को आगे की पढ़ाई के लिए 51-51 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जानी थी. संबंधित विभाग ने सरकार से 2 करोड़ 45 लाख रुपए के बजट की मांग भी की थी. लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद भी प्रशासन द्वारा बजट स्वीकृत नहीं किया गया, जिससे छात्राएं अपने अधिकार से वंचित हैं.

मसूरी में कार खाई में गिरकर पेड़ से अटकी, बाल-बाल बची जिंदगी, रातभर फंसे रहे कार सवार

मसूरी, एजेंसी। दूधली मार्ग पर देर रात एक कार हादसे का शिकार हो गई. दिल्ली नंबर की निजी कार रास्ता भटकने के बाद दूधली मार्ग पर पहुंची और बरसात में सड़क पर बनी फिसलन के कारण अनियंत्रित होकर सड़क से खाई में जा गिरी. कार खाई में गिर कर एक पेड़ से अटक गई. यही पेड़ दो युवकों के लिए जिंदगी और मौत के बीच दीवार बन गया. हादसे में दोनों युवकों को हल्की चोटें आई. घटना की सूचना पर मसूरी पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जांच पर जुट गई वहीं घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से जिला चिकित्सालय भेजा गया. जहां पर उनका उपचार किया जा रहा है. रास्ता भटके कार सवारः दूधली गांव निवासी रोशनी वर्मा के मुताबिक, रात में रास्ता भटकने के कारण दोनों युवक कार लेकर दूधली मार्ग पर पहुंच गए थे. ढलान वाले मार्ग पर फिसलन के कारण अचानक कार अनियंत्रित हुई और सड़क से बाहर चली गई. कार कुछ दूरी आगे जाकर पेड़ पर अटक गई. जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया. रातभर सड़क किनारे फंसे रहे युवकः हादसे के बाद दोनों युवक रातभर मौके पर ही पड़े रहे. सुबह स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी मिली तो उन्होंने मौके पर पहुंचकर स्थिति देखी. कार को पेड़ पर अटका देखकर ग्रामीणों ने राहत की सांस ली, क्योंकि वाहन जिस स्थिति में था, उससे हादसे की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता था. स्थानीय लोगों की मांगः ग्रामीणों ने दूधली मार्ग की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि सड़क कई स्थानों पर बेहद ढलानदार है. बरसात में फिसलन बढ़ जाती है, लेकिन कई संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा रेलिंग नहीं लगी है. ऐसे में वाहन अनियंत्रित होने पर सीधे खाई में जाने का खतरा बना रहता है. ग्रामीणों का कहना है कि हादसे में पेड़ ने भले ही दो जिंदगियां बचा ली, लेकिन हर बार सुरक्षा के लिए किस्मत या पेड़ के भरोसे नहीं रहा जा सकता.

पीजी कॉलेज में ज्ञापन के बाद ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन खुला, अन्य मांगों के लिए धरना जारी

लोहाघाट, एजेंसी। एबीवीपी और छात्र संघ ने विभिन्न मांगें पूरी न होने पर छठे दिन भी अनिश्चितकालीन धरना जारी रखा। इस दौरान प्राचार्य को ज्ञापन देने के बाद यूजी और पीजी में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन खुले। आंदोलनरत छात्रों ने कहा कि अन्य मांगें जब तक पूरी नहीं होंगी उनका धरना जारी रहेगा। शनिवार को एबीवीपी के प्रदेश छात्र संघ प्रमुख विवेक पुजारी के नेतृत्व में छात्र कॉलेज परिसर पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने एमए में इतिहास, समाजशास्त्र, शिक्षा शास्त्र, मनोविज्ञान की कक्षाएं संचालित करने, डबल एमए शुरू करने, वर्ष 2021 से 2025 तक की सभी मार्कशीट छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराने, लाइब्रेरियन की नियुक्ति, मॉडर्न फिजिक्स में सभी अनुत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को बॉन्ड के आधार पर प्रवेश देने की मांग उठाई। उन्होंने बताया कि अब तक उनकी मांगों में बीए में सभी छात्र-छात्राओं को प्रवेश, बस पास और ज्ञापन के बाद यूजी और पीजी का समर्थ पोर्टल खुल गया है। इसके साथ यूजी प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश प्रारंभ हो गए हैं।

उन्होंने कहा कि अन्य मांगों के लिए धरना जारी रहेगा। इस मौके पर छात्र संघ अध्यक्ष शिखर वर्मा,नीरज शक्टा, ऋतिक ढेक,राहुल सिंह बिष्ट,हिमांशु चंद,पंकज जोशी,मुकेश कुमार,करन सिंह देउपा,यश पाटनी,प्रियांशु ढेक, मोहित जोशी, आनंद रावत,शैलेश बगोली आदि रहे।

रक्षा बंधन पर 'फ्री रोडवेज बस सेवा' का लाभ नहीं उठा पाएंगी ओखलकांडा की बहनें, जानें कारण

हल्द्वानी, एजेंसी। रक्षाबंधन पर उत्तराखंड सरकार ने प्रदेश की महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है. 28 और 29 अगस्त को रोडवेज बसों में महिलाओं के लिए सफर पूरी तरह निशुल्क किया गया है. सरकार की यह पहल निश्चित तौर पर उन बहनों के लिए राहत है, जो राखी बांधने अपने मायके जाना चाहती हैं. लेकिन उत्तराखंड के कई इलाके ऐसे भी हैं, जहां अभी भी रोडवेज बस सेवा नहीं है. रक्षा बंधन पर फ्री रोडवेज बस सेवा का लाभ नहीं उठा पाएंगी ये बहनें: नैनीताल जिले के दूरस्थ ओखलकांडा ब्लॉक की महिलाओं के लिए यह तोहफा अधूरा है. वजह है इलाके में रोडवेज बस सेवा का अभाव. ओखलकांडा की करीब 75 ग्राम पंचायतों में रहने वाली महिलाओं के सामने सवाल है कि जब बस ही नहीं है, तो मुफ्त सफर का लाभ कैसे मिले? पहाड़ की इन बहनों की कहानी सरकार की सुविधा और जमीन की हकीकत के बीच का फर्क बयां करती है. रक्षा बंधन पर 28 और 29 अगस्त को महिलाओं के लिए रोडवेज की यात्रा फ्री हैः रक्षाबंधन भाई-बहन

के पवित्र रिश्ते का त्योहार है. बहनें दूर-दराज से अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए मायके पहुंचती हैं. सरकार ने भी इस त्योहार पर महिलाओं को खुशी देने के लिए 28 और 29 अगस्त को रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की घोषणा की है. लेकिन नैनीताल जिले के ओखलकांडा ब्लॉक की तस्वीर कुछ अलग है.झ्र 75 ग्राम पंचायतों वाले ब्लॉक में रोडवेज नहीं चलती हैः यहां पहाड़ की ऊंची-नीची पगडंडियों और घुमावदार सड़कों के बीच रहने वाली महिलाओं के लिए सरकारी रोडवेज की सुविधा ही उपलब्ध नहीं है. 75 ग्राम पंचायतों में रहने वाली महिलाओं के लिए राखी का त्योहार सिर्फ भाई की कलाई पर राखी बांधने की खुशी नहीं, बल्कि घर से मायके तक पहुंचने की एक मुश्किल यात्रा भी है. कहीं कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है, तो कहीं निजी वाहन का सहारा लेना पड़ता है. कई बार महंगा किराया देकर टैक्सी करनी पड़ती है. ओखलकांडा ब्लॉक के लोगों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता हैः सरकार का फैसला कागज पर महिलाओं के लिए बड़ी राहत है, लेकिन ओखलकांडा की महिलाओं के लिए यह राहत सड़क पर आकर अटक जाती है. एक तरफ मैदानों में रहने वाली महिलाएं निशुल्क रोडवेज बस में बैठकर अपने मायके जा सकेंगी, वहीं दूसरी तरफ ओखलकांडा की बहनों को अपने गांव से मुख्य सड़क तक पहुंचने के लिए ही पैसे खर्च करने पड़ेंगे. महिलाओं ने उनके इलाके तक रोडवेज बस चलाने की मांग कीः राखी का धागा तो भाई-बहन को जोड़ता है... लेकिन इन बहनों के गांव तक सार्वजनिक परिवहन की कमी जैसे दूरी बढ़ा रही है. यह सिर्फ मुफ्त बस सेवा का सवाल नहीं है.

गोवा-यूपी में भाजपा को हराएं, तभी ई-20 वापस लेगी मोदी सरकार: केजरीवाल

- आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गोवा के मिरामार में किया ई-20 के खिलाफ टाउनहाल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को गोवा के मिरामार में ई-20 के खिलाफ टाउनहॉल कर मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार इतनी आसानी से ई-20 वापस नहीं लेने वाली। इसके लिए भाजपा को गोवा और उत्तर प्रदेश में हराना होगा। क्योंकि इन्हें अहंकार हो गया है कि जनता कहां जाएगी, जीतना तो भाजपा को ही है। इनका यही अहंकार तोड़ना होगा। अगर इन दोनों राज्यों में भाजपा हार गई तो मोदी सरकार 5 दिन के अंदर ई-20 वापस ले लेगी। उन्होंने कहा कि भारत में 80 फीसद वाहन ई-20 के इस्तेमाल योग्य नहीं हैं। फिर भी सरकार जबरदस्ती इसे थोप रही है। भाजपा के लोग अनपढ़ हैं। ये न कोई स्टडी कराते हैं और ना ही किसी स्टडी को मानते हैं। जैसे ही ई-20 का मुद्दा शांत होगा, ये लोग ई-30 लाएंगे और डीजल में भी इथेनॉल मिलाएंगे। गोवा आयोजित टाउनहाल में ई-20 को लेकर लोगों के अनुभवों को सुनने के उपरांत अरविंद केजरीवाल ने कहा कि ई-20 से लगभग सभी गाड़ियों की माइलेज 30 से 40 फीसद कम हो गई है और 60 से 70 फीसद गाड़ियों के इंजन व फ्यूल ट्रांसमिशन सिस्टम खराब हो रहे हैं। यह समस्या केवल गोवा की नहीं है, बल्कि पूरे देश में लोग इसके खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। लेकिन पता नहीं किन कारणों से प्रधानमंत्री देश के लोगों की बात नहीं सुन रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि ई20 पेट्रोल से गोवा सबसे ज्यादा प्रभावित है, क्योंकि यहां दोपहिया और चारपहिया वाहनों का घनत्व पूरे देश में सबसे ज्यादा है। गोवा में 87 फीसद परिवारों के पास दोपहिया और 47 फीसद परिवारों के पास चारपहिया वाहन हैं, जो राष्ट्रीय औसत से कहीं अधिक है। कुछ लोगों को गलतफहमी है कि गोवा में ई20 लागू नहीं हुआ है। असल में 1 अप्रैल 2026 से पूरे देश के हर पेट्रोल पंप पर केवल ई20 पेट्रोल ही मिल रहा है और शुद्ध पेट्रोल उपलब्ध नहीं है। गोवा के पेट्रोल पंपों पर लोग जो पेट्रोल भरवा रहे हैं, वह ई20 ही है, इसी वजह से गाड़ियों की माइलेज कम हो रही है। अरविंद केजरीवाल ने बताया कि हमने दिल्ली में भी एक नेशनल टाउन हॉल किया था, जिसे देश भर में एक साथ 7 लाख लोगों ने लाइव देखा था। दुनिया में शायद ऐसा पहली बार हुआ कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों ने एक साथ कोई वर्चुअल रैली लाइव देखी हो। उसी दिन हमने तय किया था कि हम पूरे देश में ऐसे ही टाउन हॉल करेंगे। अब अलग-अलग राज्यों में ये कार्यक्रम हो रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैंने 29 ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों को चिट्ठी लिखकर पूछा था कि क्या 2023 से पहले बनी उनकी कारों, स्कूटरों और मोटरसाइकिलों में ई20 का सुरक्षित इस्तेमाल किया जा सकता है?

विजेंद्र गुप्ता ने युवाओं से लोकतांत्रिक संस्थाओं से जुड़ने किया आह्वान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि एक सशक्त लोकतंत्र का निर्माण तब होता है, जब उसके युवा उसकी संस्थाओं, विचारों और प्रक्रियाओं से सक्रिय रूप से जुड़ते हैं। यह बात विजेंद्र गुप्ता ने आज दिल्ली विधानसभा में किरोड़ी मल कॉलेज और रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने विधानसभा की प्रमुख युवा संपर्क पहल के अंतर्गत आयोजित संवादात्मक सत्र के दौरान युवाओं की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। भारत के युवाओं और शासन-व्यवस्था के बीच की दूरी को पाटने के उद्देश्य से दिल्ली विधानसभा सचिवालय द्वारा संचालित यह सुव्यवस्थित पहल विधायी प्रक्रियाओं को सरल एवं सुगम बनाने तथा जेन-जी के बीच गहरी नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का प्रयास है। आज की जेन-जी एक गतिशील और डिजिटल रूप से जुड़ी पीढ़ी है, जो उद्देश्यपूर्ण सोच, सामाजिक जागरूकता और जवाबदेही की भावना से प्रेरित है। इस पीढ़ी को लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के वास्तविक स्वरूप से जोड़कर उनकी ऊर्जा और जुनून को सूचित नागरिक भागीदारी में परिवर्तित किया जा सकता है, जिससे वे भारत के भविष्य के सक्रिय सह-निमार्ता बन सकें। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को भारत की संसदीय विरासत की एक समृद्ध और अनुभवात्मक यात्रा कराई गई, जिसकी शुरूआत ऐतिहासिक विधानसभा भवन के महत्व और विरासत से हुई। वर्ष 1912 में निर्मित यह ऐतिहासिक भवन पूर्व में केंद्रीय विधान सभा का सदन रहा है और श्री विट्ठलभाई पटेल जैसी महान विभूतियों की अविस्मरणीय विरासत को अपने भीतर संजोए हुए है। विद्यार्थियों को वर्ष 1993 में पुनर्गठित दिल्ली विधानसभा के बाद से लोकतांत्रिक शासन-व्यवस्था में विधानसभा की निरंतर भूमिका के बारे में भी जानकारी दी गई।

संक्षिप्त खबरें

पत्नी से चल रहे विवाद के कारण युवक ने नाले में लगाई छलांग

नई दिल्ली। शाहदरा जिले के कांति नगर इलाके में एक युवक ने पत्नी से चल रहे विवाद के कारण नाले में छलांग लगा दी। युवक की मां उसको बचाने के लिए उसके पीछे चिल्लाती हुई आ रही थी। इससे पहले कि मां बेटे को बचा पाती उसने गहरे नाले में छलांग लगा दी। युवक के कूदते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। फौरन मामले की सूचना पुलिस को दी गई। बाद में गोताखोरों को मौके पर बुला लिया गया। काफी मशक्कत के बाद नसीम खान (30) नामक युवक को अचेत अवस्था में नाले से निकाला गया। बाद में उसे डॉ.हेडगेवार अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसका शव कब्जे में लेकर मोर्चरी भेजा। शुरुआती जांच में पुलिस को पता चला है कि नसीम का अपनी पत्नी से विवाद चल रहा था। पत्नी बच्चों को लेकर उससे अलग रहती थी। सोमवार को मां से बातचीत के दौरान अचानक नसीम गुस्से में आत्महत्या के लिए निकला। इससे पहले की मां उसे बचा पाती, उसने नाले में छलांग लगा दी। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है। शाहदरा जिला पुलिस उपायुक्त आरपी मीणा ने बताया कि नसीम अपने परिवार के साथ सरताज मोहल्ला, गली नंबर-6, कांति नगर, कृष्णा नगर में रहता था।

एच1एन1 के 2308, फ्लू के 3000 केस, सभी अस्पताल अलर्ट

नई दिल्ली। राजधानी में मौसमी फ्लू और वेक्टर जनित बीमारियों के बढ़ते मामलों को लेकर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने सोमवार को अंतर-विभागीय समीक्षा बैठक की। उसमें स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि एच1एन1 के 2308 और इन्फ्लुएंजा ए+बी के 3000 केस दिल्ली में हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी अस्पताल अलर्ट पर हैं इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है। दिल्ली सरकार की अस्पतालों में तैयारी पूरी है। बैठक में एमसीडी, एनडीएमसी और दिल्ली कैंटोनमेंट के अधिकारी भी शामिल हुए। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस वर्ष एच1एन1 प्रमुख सबटाइप हैं, जबकि पिछले साल एच3एन2 था। वहीं, डेंगू के 570 और मलेरिया के 215 केस मिले हैं। राहत की बात है कि डेंगू-मलेरिया से इस साल अब तक कोई मौत नहीं हुई है। बैठक में तय हुआ कि एएलआई/ एचएआरआई सर्विलांस को और मजबूत किया जाएगा, मामलों की जल्द पहचान, समय पर रिपोर्टिंग और एंटीवायरल दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।

एमसीडी के सफाई कर्मी ने पहचान छिपाने के लिए दूसरी कार का नंबर लगाया, गिरफ्तार

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर-23 थाना पुलिस ने कैब चालक की ओर से अपनी पहचान छिपाने के लिए दूसरे वाहन का नंबर इस्तेमाल करने के आरोप में ताजपुर खुर्द निवासी 26 साल के सौरव को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपनी हुडई आई10 कार पर ऐसा नंबर लगाकर चला रहा था, जो किसी अन्य व्यक्ति के वाहन के नाम पर पंजीकृत था। पूछताछ में पता चला कि सौरव संविदा पर एमसीडी में सफाई कर्मी है। आरोपी ने बताया कि वह अपनी पहचान छिपाने के लिए कार का नंबर बदल देता था। पुलिस आरोपी के कब्जे से कार और फर्जी नंबर प्लेट बरामद कर मामले की छानबीन कर रही है। आरोपी पर पहले से एक आपराधिक मामला दर्ज है। जिला पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि 23 अगस्त को बागडोला गांव निवासी दक्ष यादव ने उनकी कार का नंबर प्लेट दूसरी कार में लगे होने की शिकायत की।

डूसू चुनाव को लेकर डीयू सख्त, सील हुआ ऑफिस

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव 2026 को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने चुनावी गतिविधियों और सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए हैं। विश्वविद्यालय के प्रॉक्टर कार्यालय की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, चुनाव प्रचार के दौरान किसी भी विश्वविद्यालय या कॉलेज परिसर में अधिकतम पांच सदस्यों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। प्रचार के कारण शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित नहीं होनी चाहिए। दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि छात्राओं के कॉलेज और छात्रावासों में उम्मीदवार को छोड़कर किसी भी पुरुष सदस्य को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। चुनाव अवधि में उत्तर और दक्षिण परिसर तथा डीयू के सभी कॉलेजों से सटी सड़कों पर वाहनों की पार्किंग पर भी रोक रहेगी। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। ैठक का आयोजन डीयू के प्रॉक्टर प्रो.मनोज सिंह ने विश्वविद्यालय के सभी कॉलेजों के प्राचार्यों, डीन, निदेशकों, छात्रावास प्रभारियों, विभागाध्यक्षों और दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन बैठक हुई। इसमें उत्तर और दक्षिण परिसर के अधिकारी भी शामिल हुए। डीयू के सुरक्षा अधिकारियों ने मंगलवार को डूसू ऑफिस को भी सील कर दिया। ज्ञात हो कि डूसू चुनाव की अधिसूचना के बाद डूसू ऑफिस सील किया जाता है। सुरक्षा के लिए पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ियां 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी। छात्रावासों में बाहरी मेहमानों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। छात्रावास की कैंटीन में भी निगरानी रखी जाएगी और बाहरी लोगों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सुरक्षा बैरिकेड पर पुलिस बाहरी वाहनों की निगरानी के लिए प्रवेश रजिस्टर भी रखेगी।

मुख्यमंत्री ने निर्माण उद्योग बचाव मोर्चा के साथ की बैठक

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को निर्माण उद्योग बचाव मोर्चा के सदस्यों एवं निर्माण क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। इस बैठक में दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि आज निर्माण उद्योग बचाव मोर्चा के सदस्यों एवं निर्माण क्षेत्र के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर ग्रैप के दौरान निर्माण गतिविधियों से जुड़ी उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण और सतत विकास दोनों दिल्ली की आवश्यकताएं हैं। सरकार और उद्योग जगत मिलकर ऐसे व्यावहारिक समाधान पर कार्य करेंगे, जिससे प्रदूषण नियंत्रण के प्रयास प्रभावी हों और रोजगार एवं विकास की गति भी बनी रहे। मंत्री सिरसा ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली के मास्टर प्लान 2047 को आगे ले जाने और आने वाले समय के लिए बेहतर दिल्ली कैसे तैयार करें, इस पर विस्तार से बैठक में चर्चा हुई। ग्रैप के दौरान निर्माण कार्यों से जुड़ी समस्याओं और सुझावों पर भी विचार-विमर्श हुआ और प्रदूषण को कम करने के उपायों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि सरकार विकास और पर्यावरण के बीच बेहतर संतुलन बना कर निर्माण सेक्टर की रफ्तार ने का प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय कार्यशाला, योजना विभाग और एकस्टेप फाउंडेशन के बीच डेटा को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को ह्यहार्मोनाइजेशन एंड इंटरलिंकिंग ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव डेटा फॉर एआई-रेडी गवर्नेंसह्ल विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें दिल्ली सरकार के सभी प्रशासनिक सचिवों, विभागाध्यक्षों और वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला में डेटा के बेहतर इस्तेमाल के जरिए दिल्ली में तथ्यों के आधार पर फैसले लेने, लोगों की जरूरत के अनुसार पहले से सेवाएं उपलब्ध कराने और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने वाली सरकारी व्यवस्था को मजबूत करने पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि एआई का लाभ उन लोगों तक पहुंचना चाहिए जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। डेटा एआई का फ्यूल है और डेटा को नागरिकों को सशक्त बनाने के लिए उपयोगी बनाना आवश्यक है। एकस्टेप फाउंडेशन दिल्ली सरकार के लिए नॉलेज पार्टनर के रूप में अपने ओपन फ्रेमवर्क्स और विशेषज्ञता साझा करेगा। इस दौरान दिल्ली सरकार के योजना विभाग और एकस्टेप फाउंडेशन के बीच प्रशासनिक डेटा के क्षेत्र में सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए गए। इसके तहत दोनों संस्थाएं दिल्ली के सरकारी डेटा को एआई के इस्तेमाल के लिए तैयार करने और एआई की मदद से नागरिक सेवाओं को बेहतर बनाने वाले विभिन्न उपयोग के मामलों पर मिलकर काम करेंगी। इस अवसर पर सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव सौरभ गर्ग, दिल्ली के मुख्य सचिव राजीव वर्मा, एकस्टेप फाउंडेशन के सह-संस्थापक और सीईओ शंकर मारुवाड़ा मौजूद रहे। कार्यशाला में एकस्टेप फाउंडेशन की ओर से ह्यडेटा धारा फॉर एन एआई-रेडी दिल्लीह्ल पर प्रस्तुति दी गई। इस दौरान डेटा धारा पेपर भी लॉन्च किया गया। डेटा हार्नेस्ड फॉर एआई-रेडी एडवांसमेंट्स (धारा) ओपन-सोर्स और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आधारित मेथडोलॉजी है। इसका उद्देश्य सरकारी विभागों और संस्थानों के डेटा को एआई के इस्तेमाल के लिए तैयार करने में मदद करना है। धारा को एक ओपन, प्लगएबल, इंटरऑपरेबल और क्लाउड पर तैनात किए जा सकने वाले टूलकिट के रूप में तैयार किया गया है। इसे जरूरत के अनुसार ऑन-प्रिमाइसेस भी इस्तेमाल किया जा सकता है। कार्यशाल के टेक्निकल सेशन में ह्यडेटा क्रिएटिंग इम्पैक्टह्ल विषय पर डेटा के इस्तेमाल से लोगों को बेहतर सुविधाएं और सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के कई उदाहरण साझा किए गए। इनमें सिविल रजिस्ट्रेशन डेटा को पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई जैसी योजनाओं से जोड़ना, नागरिकों को उनकी अपनी भाषा में सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए वॉइस एआई का इस्तेमाल, निवेश सुविधा के जरिए निवेशकों को बेहतर सहायता देना और उनके लिए उपलब्ध इंसेंटिव की जानकारी आसान बनाना शामिल रहा। इसके अलावा, मातृ वंदना और दिल्ली लखपति बिटिया योजना की डिलीवरी को बेहतर बनाने, पात्र लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें योजनाओं से जोड़ने और एनरोलमेंट में रह जाने वाली कमियों को दूर करने तथा कंस्ट्रक्शन वर्कर्स को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने जैसे उदाहरण भी प्रस्तुत किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यशाला केवल टेक्नोलॉजी से जुड़ी पहल नहीं, बल्कि सरकार की परेशानियों को समझने, निर्णय लेने और नागरिकों तक सेवाएं पहुंचाने के तरीके को बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विभिन्न विभागों के पास नागरिकों, लाभार्थियों, वर्कर्स, विद्यार्थियों, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सरकारी स्कीम्स से जुड़ा बड़ी मात्रा में प्रशासनिक डेटा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग सरकारी विभागों के अपने-अपने डेटा और रिकॉर्ड हैं, लेकिन नागरिकों के लिए सरकार एक ही है।

मुंगेर विश्वविद्यालय का नाम बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह के नाम पर करने की मांग, डॉ. सीपी ठाकुर के नेतृत्व में राज्यपाल से मिला प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

पटना। पूर्व केंद्रीय मंत्री पद्मभूषण डॉ. सी. पी. ठाकुर के नेतृत्व में पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन पहुंचकर महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुंगेर विश्वविद्यालय का नामकरण आधुनिक बिहार के निमार्ता बिहार केसरी डॉ. श्रीकृष्ण सिंह (श्री बाबू) के नाम पर करने तथा राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक व संरचनात्मक सुधार को लेकर एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक ठाकुर, भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सौरभ कुमार, प्रख्यात चिकित्सक डॉ. हर्षवर्धन और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता डॉ. राहुल परमार प्रमुख रूप से शामिल थे। राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में डॉ. सीपी ठाकुर ने कहा कि मुंगेर श्री बाबू की कर्मभूमि, विचार-पीठ और आत्मा रहा है। खड़कपुर विधानसभा से उनका आत्मीय नाता रहा। उन्होंने जमींदारी उन्मूलन और देवघर मंदिर में वंचितों को प्रवेश दिलाकर सामाजिक समरसता की ऐतिहासिक मिसाल पेश की थी। ऐसे में विश्वविद्यालय का नाम उनके नाम पर होना नई पीढ़ी को उनके आदर्शों से जोड़ेगा। इसके साथ ही ज्ञापन में उच्च शिक्षा सुधार पर जोर देते हुए मांग की गई कि कक्षाओं में छात्रों की कम से कम 50 प्रतिशत भौतिक उपस्थिति को कड़ाई से अनिवार्य किया जाए, ताकि पठन-पाठन सार्थक हो सके। साथ ही, नवनियुक्त लाइब्रेरियन व्यवस्था का सदुपयोग करते हुए विश्वविद्यालय व कॉलेजों के समृद्ध पुस्तकालयों को पूरी तरह सक्रिय किया जाए, जिससे विद्यार्थियों में संदर्भ ग्रंथों के अध्ययन और शोधोन्मुख स्वाध्याय की संस्कृति मजबूत हो। महामहिम राज्यपाल ने सभी बिंदुओं पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए आवश्यक पहल का सकारात्मक आश्वासन दिया।

आत्मरक्षा प्रशिक्षकों की दक्षता को मिला नया मुकाम, नौ को ग्रीन और एक को ब्राउन बेल्ट

नई दिल्ली, प्रात: किरण
मनोज जैन

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की विशेष पुलिस इकाई महिलाओं एवं बच्चों के लिए (एसपीयूडब्ल्यूएसी) की आत्मरक्षा शाखा ने दिल्ली जूडो परिषद के सहयोग से आत्मरक्षा प्रशिक्षकों के लिए बेल्ट उन्नयन परीक्षा आयोजित की। इसमें 10 पुलिसकर्मियों ने हिस्सा लिया। अधिकृत परीक्षकों ने जूडो के निर्धारित मानकों के आधार पर प्रशिक्षकों की तकनीकी दक्षता और कौशल का मूल्यांकन किया। परीक्षा में सफल नौ प्रशिक्षकों को ग्रीन बेल्ट और एक प्रशिक्षक को ब्राउन बेल्ट प्रदान की गई। एसपीयूडब्ल्यूएसी के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त देओतोष कुमार सुरेंद्र सिंह ने सफल प्रशिक्षकों को बेल्ट प्रदान कर उनके बेहतर प्रदर्शन की सराहना की। एसपीयूडब्ल्यूएसी के अधिकारियों के अनुसार, प्रशिक्षकों की क्षमता बढ़ाने और उन्हें आधुनिक एवं मानकीकृत आत्मरक्षा तकनीकों में दक्ष बनाने के लिए नियमित प्रशिक्षण, प्रमाणन और कौशल उन्नयन कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य दिल्ली की महिलाओं और बच्चों को प्रभावी आत्मरक्षा प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है।

एमसीडी ने कुदसिया बाग में वृक्षारोपण अभियान का किया आयोजन

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने मंगलवार को कश्मीरी गेट स्थित ऐतिहासिक कुदसिया बाग में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस पहल का उद्देश्य दिल्ली के हरित क्षेत्र को बढ़ाना, जैव विविधता में सुधार करना तथा एक स्वस्थ शहरी वातावरण का निर्माण करना रहा। दिल्ली नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त संजीव मित्तल, अतिरिक्त आयुक्त बी एस जगलान तथा जोनल उपायुक्त श्वेता नागरकोटी ने वृक्षारोपण अभियान में भाग लिया और स्थल पर पौधे लगाए। इस अवसर पर उद्यान विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा स्थानीय निवासी भी उपस्थित रहे। कुदसिया बाग में सुबह सैर करने वाले तथा नियमित रूप से आने वाले बड़ी संख्या में लोगों ने भी इस कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनता के सशक्त समर्थन को दर्शाता है। अभियान के दौरान कुल 101 पौधे रोपे गए, जिनमें फूलदार, फलदार तथा छायादार वृक्षों की प्रजातियाँ शामिल थीं। इनमें आम, जामुन, अमरूद, इमली, आंवला, कटहल, अमलतास, कचनार, चंपा, गुलमोहर, हरसिंगार और नीम आदि प्रजातियां शामिल थीं। देशी एवं जलवायु के अनुकूल प्रजातियों के इस विविध चयन से इस ऐतिहासिक बाग के पारिस्थितिक और सौंदर्यपरक मूल्य में वृद्धि होगी, साथ ही यह छाया, मौसमी फूल, फल तथा पक्षियों व अन्य शहरी जैव विविधता के लिए आवास भी प्रदान करेगा। अतिरिक्त आयुक्त ने इस बात पर बल दिया कि वृक्षारोपण केवल एक दिवसीय गतिविधि नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है। उन्होंने नागरिकों से वृक्षारोपण में सक्रिय रूप से भाग लेने तथा दिल्ली को हरित, स्वच्छ एवं पर्यावरण की दृष्टि से अधिक टिकाऊ बनाने के एमसीडी के प्रयासों में सहयोग देने की अपील की। उद्यान विभाग ने आश्वासन दिया कि नवरोपित पौधों की उचित सिंचाई, देखभाल और निगरानी सुनिश्चित की जाएगी ताकि उनकी स्वस्थ वृद्धि तथा अधिकतम जीवित रहने की दर सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम का समापन अधिकारियों, कर्मचारियों तथा स्थानीय नागरिकों द्वारा वृक्षों की रक्षा करने, पर्यावरण के संरक्षण तथा हरित दिल्ली के निर्माण में योगदान देने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

एयूडी शुरू करेगा खाली सीटों पर दाखिला का विशेष अभियान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) ने शैक्षणिक सत्र 2026-27 में खाली सीटों पर दाखिले के लिए वॉक-इन विशेष प्रवेश अभियान की घोषणा की है। विश्वविद्यालय की ओर से चुनिंदा स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में उपलब्ध रिक्त सीटों के सापेक्ष यह अभियान आयोजित किया जाएगा। इसके तहत उम्मीदवारों को निर्धारित तारीख पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वयं उपस्थित होकर पंजीकरण और आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। विश्वविद्यालय के अनुसार, एक सितंबर को सभी स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के उम्मीदवारों के लिए विशेष प्रवेश अभियान आयोजित होगा। दो सितंबर को सभी श्रेणियों के उम्मीदवार स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए और तीन सितंबर को सभी श्रेणियों के उम्मीदवार स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अभियान में शामिल हो सकेंगे। विश्वविद्यालय का कहना है कि जिन उम्मीदवारों ने सीयूईटी परीक्षा नहीं दी है, वे भी संबंधित पाठ्यक्रम की पात्रता शर्तें पूरी करने पर आवेदन कर सकेंगे। हालांकि, प्रवेश प्रक्रिया में सीयूईटी उम्मीदवारों को निर्धारित प्राथमिकता मानदंड के तहत वरीयता दी जाएगी। गैर-सीयूईटी उम्मीदवारों की मेरिट अंतिम योग्यता परीक्षा में प्राप्त अंकों या ग्रेड के आधार पर तैयार की जाएगी। स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए 12वीं कक्षा और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए स्नातक डिग्री के अंकों को आधार बनाया जाएगा। पहले के प्रवेश चरणों में शामिल होकर दाखिला नहीं लेने वाले उम्मीदवारों को पात्रता और सीट उपलब्ध होने की स्थिति में प्राथमिकता दी जाएगी। ऐसे उम्मीदवारों को भी विशेष अभियान में निर्धारित प्रक्रिया के तहत शामिल होना होगा और समय सीमा के भीतर शुल्क जमा करना होगा। पंजीकरण प्रक्रिया उम्मीदवारों को संबंधित तारीख को सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे के बीच पंजीकरण और विशेष अभियान के लिए आवेदन जमा करना होगा। इसके लिए परिसर में भौतिक रूप से उपस्थित होना अनिवार्य है। विश्वविद्यालय के अनुसार मेरिट सूची उसी दिन शाम 4:30 बजे तक जारी की जाएगी। चयनित उम्मीदवारों को इसके बाद तत्काल शुल्क भुगतान और प्रवेश से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी।

दिल्ली में मतदान केंद्रों की संख्या में 1914 की बढ़ोतरी, कुल संख्या 14,947 पहुंची

नई दिल्ली। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में मतदान केंद्रों के युक्तिकरण के बाद संख्या 13,033 से बढ़कर 14,947 हो गई है। राजधानी में कुल 1914 मतदान केंद्रों की बढ़ोतरी हुई है। यह जानकारी सोमवार को दिल्ली चुनाव आयोग ने विज्ञप्ति जारी करते हुए दी। विज्ञप्ति के मुताबिक, भारत निर्वाचन आयोग ने मतदान के समय मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रति मतदान केंद्र 1500 मतदाताओं की सीमा को घटाकर 1200 मतदाता प्रति मतदान केंद्र कर दिया है। इसके बाद युक्तिकरण की शुरूआत जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा नियुक्त वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा मौजूदा मतदान केंद्रों के स्थानों के सत्यापन के साथ हुई। युक्तिकरण के दौरान आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुसार नए मतदान केंद्र स्थलों की पहचान की गई और नए मतदान केंद्र बनाए गए। जिन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या 1200 से अधिक थी, वहां के मतदाताओं को सुविधा के लिए बगल के/ नव निर्मित मतदान केंद्रों पर स्थानांतरित भी किया गया। युक्तिकरण प्रक्रिया के दौरान सुझाव लेने के लिए सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा विधानसभा स्तर पर और जिला निर्वाचन अधिकारियों द्वारा जिला स्तर पर मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के साथ बैठकें भी आयोजित की गईं। युक्तिकरण के बाद मतदान केंद्रों और मतदान केंद्र स्थलों का जिलेवार विवरण इस प्रकार है। दक्षिण पूर्व जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 1239 से बढ़कर 1564, पुरानी दिल्ली जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 541 से बढ़कर 642, उत्तर जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 873 से बढ़कर 971, नई दिल्ली जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 208 से बढ़कर 214, मध्य जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 633 से बढ़कर 682, मध्य उत्तर जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 768 से 863, दक्षिण पश्चिम जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 1187 बढ़कर 1351, बाहरी उत्तर जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 904 से बढ़कर 975, उत्तर पश्चिम जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 1248 से बढ़कर 1403, उत्तर पूर्व जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 1585 से बढ़कर 1829, पूर्व जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 1333 से बढ़कर 1543, दक्षिण जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 1124 से बढ़कर 1367 और पश्चिम जिला में मतदान केंद्रों की संख्या 1390 से बढ़कर 1543 हो गई है। दिल्ली में कुल मिलाकर 1914 मतदान केंद्रों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

संक्षिप्त खबरें

लापता होने के तीन दिन बाद जसोला नाले से किशोर का शव बरामद

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जसोला गांव में पतंग पकड़ने की कोशिश के दौरान खुले नाले में गिरे 15 वर्षीय लड़के का शव घटना के तीन दिन बाद मंगलवार को बरामद कर लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आठवीं कक्षा का छात्र मिथुन शनिवार को पूर्वाह्न करीब 11 बजे लापता हो गया था। उसके परिवार को संदेह था कि वह अपने घर के पास नाले में गिर गया है। लड़के की तलाश के लिए दिल्ली अग्निशमन सेवा, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), बचाव दल और गोताखोरों ने खोज अभियान शुरू किया। इससे पहले मिथुन के पिता का हाथ में छड़ी लेकर नाले में अपने बेटे को तलाशते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। वीडियो में दिख रहा था कि परेशान पिता खुद ही नाले में घुस रहे हैं। घटना के बाद, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने कर्तव्य में कथित लापरवाही के लिए दक्षिण पूर्व (मध्य) क्षेत्र के एक कनिष्ठ अभियंता को निलंबित कर दिया और उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू की। मूल रूप से उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले मिथुन का परिवार इलाके में रहता है और दिल्ली में मजदूरी करता है।

चालान से बचने के लिए गाड़ी पर लगाया दूसरे का नंबर

नई दिल्ली। द्वारका सेक्टर-23 थाना पुलिस ने ट्रैफिक चालान से बचने और पहचान छिपाने के लिए अपनी कार पर दूसरी गाड़ी का नंबर लगाने वाले 26 वर्षीय युवक सौरव को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट लगी कार भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार, बागडोला निवासी दक्ष यादव ने 23 अगस्त को शिकायत दी थी कि ताजपुर खुर्द निवासी सौरव उसकी कार का नंबर अपनी गाड़ी पर इस्तेमाल कर रहा है। जांच में आरोपी की कार का वास्तविक रजिस्ट्रेशन नंबर अलग मिला। पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह ने बताया कि 26 वर्षीय सौरव ने ट्रैफिक चालान से बचने और अपनी पहचान छिपाने के लिए यह तरीका अपनाया था। पुलिस ने कार को जब्त कर उसे गिरफ्तार कर लिया। रिकॉर्ड जांच में सामने आया कि सौरव 2020 में द्वारका साउथ थाने में चोरी और झपटमारी के मामले में भी आरोपी रहा है। पुलिस अब फर्जी नंबर प्लेट के किसी अन्य आपराधिक गतिविधि में इस्तेमाल की भी जांच कर रही है।

हादसे में मौत के पांच दिन बाद केस दर्ज

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी इलाके में सड़क हादसे में घायल 55 वर्षीय इलेक्ट्रिशियन जनार्दन कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दिए बिना शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने भी बिना पोस्टमार्टम कराए 19 अगस्त को अंतिम संस्कार कर दिया। मामले में मौत के पांच दिन बाद सोमवार को लापरवाही से मौत की धारा में एफआईआर दर्ज की गई। करावल नगर निवासी जनार्दन 17 अगस्त को बाइक से मधुबन चौक से घर लौट रहे थे। मुकरबा चौक के पास अचानक मालवाहक टेंपो रुकने से उनकी बाइक उससे टकरा गई। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट लगी। राहगीरों ने उन्हें बीजेआरएम अस्पताल पहुंचाया, जहां एमएलसी में सड़क हादसे में घायल होने का उल्लेख था। हालत बिगड़ने पर परिजन उन्हें बसई दारापुर स्थित अस्पताल ले गए, जहां 18 अगस्त को उनकी मौत हो गई। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

डूसू पदाधिकारियों ने पेश किया एक वर्ष की उपलब्धियों का ब्यौरा

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) के 2025-26 के कार्यकाल के पूरा होने के बाद एबीवीपी समर्थित छात्रसंघ ने मंगलवार को प्रेस वार्ता कर अपने एक वर्ष के कार्यकाल का ब्यौरा प्रस्तुत किया। डूसू ने शिक्षा, परीक्षा, छात्रावास, सुरक्षा, खेल, महिला सशक्तिकरण, मानसिक स्वास्थ्य और छात्र सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर की गई पहलों को प्रमुखता से रखा। प्रेस वार्ता के बाद छात्रों की समस्याएं छात्रसंघ तक पहुंचाने के लिए एक ऑनलाइन वेबसाइट भी जारी की गई। डूसू अध्यक्ष आर्यन मान ने कहा कि एबीवीपी ने डूसू को केवल चुनावी संस्था तक सीमित न रखते हुए छात्रों की समस्याओं और अधिकारों के लिए मंच के रूप में काम करने का प्रयास किया। उनके अनुसार, कार्यकाल के दौरान प्रत्यक्ष रूप से सोशल मीडिया के माध्यम से छह हजार से अधिक और अप्रत्यक्ष रूप से आठ हजार से अधिक छात्रों के काम कराए गए। डूसू की ओर से बताया गया कि प्रेरणा भवन में पुस्तकालय, डूसू कार्यालय और कंप्यूटर सेंटर सहित केंद्रीय छात्र सुविधा केंद्र की पहल की गई। विभिन्न कॉलेजों और छात्रावासों में मुफ्त हेल्थ वाई-फाई, छात्र सुरक्षा के लिए एक हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, परीक्षा संबंधी शिकायतों के लिए केंद्रीकृत शिकायत पोर्टल और छात्रावासों से जुड़े मुद्दों को लेकर पहल की गई।

आप के स्कूल ठीक करो अभियान के दबाव में झुकी योगी सरकार, बेसिक स्कूलों के लिए 604 करोड़ की घोषणा करने पर मजबूर हुई: संजय सिंह

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्य सभा सांसद संजय सिंह ने आज लखनऊ में आयोजित एक प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश की बेसिक शिक्षा व्यवस्था, स्कूलों के अवैध मर्जर और बदहाली को लेकर योगी सरकार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में योगी सरकार जबरा मारे, रोवे न दे की नीति पर चल रही है—यानी जनता को कष्ट भी देंगे और सवाल पूछने पर मुकदमा दर्ज करेंगे। विधानसभा में झूठ और यू-डायस (य-ऊभ्रष्ट) का फर्जीवाड़ा संजय सिंह ने कहा कि जब आम आदमी पार्टी ने स्कूलों के मर्जर का विरोध किया था, तब सरकार ने विधानसभा में दावा किया था कि कोई स्कूल बंद या मर्ज नहीं होगा। लेकिन 15 अगस्त से शुरू हुए स्कूल ठीक करो अभियान में जब जर्जर स्कूलों की असलियत सामने आई, तो प्रशासन कहने लगा कि ये स्कूल मर्ज हो चुके हैं। हकीकत यह है कि यू-डायस पोर्टल पर इन स्कूलों को अब भी उसी पते पर संचालित दिखाया जा रहा है। सरकार केवल कागजों में स्कूल चला रही है और अपनी बदहाली को छुपाने के लिए झूठ का सहारा ले रही है। 604 करोड़ की घोषणा स्कूल ठीक करो अभियान की जीत सांसद संजय सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी के अभियान के दबाव में आकर आखिरकार सरकार जागी और बेसिक स्कूलों के कायाकल्प के लिए 604 करोड़ खर्च करने की घोषणा की। हालांकि, केवल घोषणाओं से काम नहीं चलेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि जब केंद्र सरकार के ह्यसमग्र शिक्षा अभियानह्न के तहत मिले 9,000 करोड़ उत्तर प्रदेश सरकार ने बिना खर्च किए वापस भेज दिए, तो प्रदेश के बच्चे टूटे क्लासरूम, बिना बिजली-पंखे, बिना बाउंड्री और खराब मिड-डे मील जैसी बदहाली झेलने को क्यों मजबूर हैं? 62,000 करोड़ के बजट में से 30,000 करोड़ का बजट वापस भेजा गया, ताकि सरकारी शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद किया जा सके। संसद की याचिका समिति में शिकायत संसदीय समिति से जांच की मांग: उत्तर प्रदेश में स्कूलों की बदहाली, मिड-डे मील में भ्रष्टाचार और केंद्र से मिले शिक्षा फंड को खर्च न करने के मामले को संसद की याचिका समिति (उद्घ३शी ड्डल्ल डीड्ढ३ल्ल्रल) से जांच कराने की मांग की गई है। याचिका समिति को पूरे उत्तर प्रदेश में स्कूलों की बदहाली के संबंध में, बच्चों को जो खाना, सड़ा हुआ दिया जाता है उसके संबंध में, हरदोई के डीएम और कई जिलों के बीएसए और डीएम जिन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए सच्चाई दिखाने वालों पर एफआईआर दर्ज की, उनके संबंध में एक विस्तृत शिकायत की है।

दिल्ली-एनसीआर में बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, दूसरे दिन भी फ्लाइट्स प्रभावित

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार को भारी बारिश से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई। लगातार दूसरे दिन तेज बारिश से कई इलाकों में जलभराव हो गया, ट्रैफिक जाम लग गया और दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स भी प्रभावित हुईं। कुशक रोड, राजोकरी गांव, आईटीओ, कॉपरनिकस मार्ग, कनॉट प्लेस और राजाजी मार्ग समेत कई अहम इलाकों में जलभराव की खबर है। सड़कों पर पानी भरने से ट्रैफिक की रफ्तार धीमी हो गई और लोगों को आने-जाने में काफी परेशानी हुई। राम मनोहर लोहिया अस्पताल, एम्स, अशोक रोड और सुप्रीम कोर्ट के पास भी पानी भर गया। एम्स के पास फ्लाईओवर लूप पर तेज बारिश से काफी जलभराव हो गया, जिससे गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई। फ्लाइट ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म फ्लाइटरडार24 के मुताबिक, दिल्ली एयरपोर्ट पर मंगलवार को कम से कम 18 फ्लाइट्स रद्द की गईं, जबकि 146 फ्लाइट्स लेट हुईं। खराब मौसम की वजह से यह परेशानी हुई। इससे एक दिन पहले सोमवार को भी भारी बारिश ने दिल्ली-एनसीआर को लगभग ठप कर दिया था। दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा के कई इलाकों में सड़कें और निचले इलाके पानी में डूब गए थे, जिससे लोग घंटों जाम में फंसे रहे। सोमवार को फ्लाइट ऑपरेशन पर भी बुरा असर पड़ा था। 26 फ्लाइट्स रद्द हुईं, 15 फ्लाइट्स को दूसरे शहरों में डायवर्ट किया गया और 390 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुईं। तेज बारिश ने दिल्ली में बारिश के आंकड़ों को सामान्य से ऊपर पहुंचा दिया है। 24 अगस्त तक सफदरजंग में 191.1 मिमी की जगह 246.2 मिमी बारिश दर्ज हुई, जो सामान्य से 29 फीसदी ज्यादा है। पालम में 227.2 मिमी बारिश हुई, जो 28 फीसदी ज्यादा है, जबकि लोदी रोड पर 233.2 मिमी बारिश हुई, जो 22 फीसदी ज्यादा है।

डीयू के महिला महाविद्यालयों में एनएसयूआई ने सखी पहल के तहत मनाया रक्षाबंधन

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने मंगलवार को दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के विभिन्न महिला महाविद्यालयों में सखी पहल के तहत रक्षाबंधन मनाया और छात्राओं की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस पहल के तहत एनएसयूआई की महिला सदस्यों ने छात्राओं और महिला पुलिसकर्मियों को राखी बांधी। इस पहल के माध्यम से एनएसयूआई ने स्पष्ट संदेश दिया कि महिला छात्राएं अकेली नहीं हैं। छात्राओं की सुरक्षा और परिसर से जुड़े उनके मुद्दों को उठाने के लिए एनएसयूआई हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि रक्षाबंधन विश्वास, जिम्मेदारी और सुरक्षा का पर्व है। सखी पहल के माध्यम से एनएसयूआई दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रत्येक छात्रा को यह विश्वास दिलाना चाहता है कि उनके साथ खड़े हैं। सुरक्षा, गरिमा और सम्मान एनएसयूआई की जिम्मेदारी है और जब भी आवाज उठाने की जरूरत होगी, एनएसयूआई सबके साथ मिलकर संघर्ष करेगा। उन्होंने कहा कि आज बांधी गई राखी केवल एक धागा नहीं, बल्कि एक संकल्प है कि एनएसयूआई सुरक्षित, समावेशी और सम्मानजनक परिसरों के निर्माण के लिए लगातार काम करेगा। छात्राओं से लेकर महिला पुलिसकर्मियों तक, इस साझा जिम्मेदारी में हर कोई भागीदार है। महिला छात्राओं से जुड़ी हर वास्तविक चिंता को लगातार उठाएंगे और यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि वे बिना किसी भय के अपनी पढ़ाई कर सकें।एनएसयूआई अध्यक्ष ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा केवल प्रतीकात्मक अवसरों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसे निरंतर प्राथमिकता दी जानी चाहिए। संगठन दिल्ली विश्वविद्यालय में महिला छात्राओं की सुरक्षा, गरिमा और अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर उनके साथ सीधे संवाद करता रहेगा और उनकी आवाज को मजबूती से उठाता रहेगा।

पतंग लूटने के दौरान नाले में बहा 15 वर्षीय किशोर, चौथे दिन मिला शव

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण पूर्वी जिले के जसोला गांव में शनिवार को पतंग लूटने के दौरान नाले में बहे 15 वर्षीय नाबालिग का शव मंगलवार को चौथे दिन बरामद कर लिया गया। हादसे के बाद से दिल्ली पुलिस और रेस्क्यू टीम लगातार नाले में नाबालिग की तलाश कर रही थी। मंगलवार दोपहर तलाशी अभियान के दौरान शव ड्रेन के बाहरी हिस्से की ओर आ गया, जिसके बाद उसे बरामद कर लिया गया। नाबालिग की पहचान मिथुन के रूप में हुई है। शव मिलने के बाद जसोला गांव में मातम पसरा है। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 11 बजे मिथुन पतंग लूटने के लिए नाले के पास गया था। इसी दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह नाले में जा गिरा। नाले में पानी का तेज बहाव होने के कारण वह बह गया। घटना की सूचना मिलते ही सरिता विहार थाना पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। इसके बाद नाले के अलग-अलग हिस्सों में लगातार तलाशी अभियान चलाया गया। पहले दिन से ही किशोर के स्वजन भी मौके पर डटे रहे, लेकिन तीन दिनों तक उसका कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार को चौथे दिन भी तलाशी अभियान जारी था। इसी दौरान नाबालिग का शव नाले से बाहर की ओर आ गया। रेस्क्यू टीम ने शव को बाहर निकाला और पुलिस ने उसकी पहचान की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। नाबालिग के पिता अवधेश ने बताया कि घटना के समय वह ड्यूटी पर गए हुए थे। इसी दौरान उनके पास फोन आया कि उनका बेटा नाले में गिरकर बह गया है और उसकी तलाश की जा रही है। फोन आने के बाद वह तुरंत घर लौटे और मौके पर पहुंचे। इसके बाद से वह लगातार बेटे की तलाश में जुटे रहे। अवधेश ने बताया कि घटना के बाद से उनकी पत्नी लगातार प्रशासन और रेस्क्यू टीम से अपने बच्चे को खोजने की गुहार लगाती रही। परिवार को उम्मीद थी कि शायद उनका बेटा कहीं मिल जाए। चार दिन तक चली तलाश के बाद मंगलवार को जब बेटे का शव मिला तो परिवार की सारी उम्मीदें टूट गईं। हादसे के बाद जसोला गांव के लोगों ने खुले नाले की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार यह बड़ा नाला फ्लड विभाग के अंतर्गत आता है। नाले को ऊपर से सील नहीं किया गया था और न ही उसके आसपास पर्याप्त बैरिकेडिंग की गई थी। इसी रास्ते से होकर लोग मेट्रो स्टेशन की ओर भी आते-जाते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि वहां रेलिंग तक नहीं लगाई गई है, जिससे हादसे का खतरा लगातार बना रहता है।

युवा पीढ़ी को शोध कार्य के लिए तैयार करना हमारी प्राथमिकता: प्रोफेसर सुमन

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध अरबिंदो कॉलेज में 32 वें राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस (NCSC 2026) का आयोजन सेमिनार हॉल में किया गया। इस आयोजन को दिल्ली प्रदेश में बाल वैज्ञानिकों की प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से दिल्ली प्रदेश की राज्य नोडल एजेंसी व अरबिंदो कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा गाइड टीचर्स एवं बाल वैज्ञानिकों के लिए राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को प्रातः 10 बजे से अरबिंदो कॉलेज के सेमिनार हॉल में आयोजित हुई। इसमें ऑफलाइन के साथ-साथ ऑनलाइन माध्यम से भी प्रतिभागियों के जुड़ने की व्यवस्था की गई थी। कार्यशाला में छात्र, शोधार्थी व शिक्षकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। डॉ. संयम गुप्ता, डॉ. अनुपमा यादव, प्रोफेसर हंसराज सुमन, डॉ. विजित, डॉ. रिंकी, डॉ. ममता शर्मा, डॉ. ममता गर्ग, डॉ. नीतू द्विवेदी, श्री अमन कुमार, डॉ. सुनेना, डॉ. महेश आदि उपस्थित रहे। कार्यशाला में स्वागत भाषण डॉ. नीतू द्विवेदी ने किया, मंच संचालन डॉ. विजित ने किया। अरबिंदो कॉलेज के मीडिया संयोजक प्रोफेसर हंसराज सुमन ने बताया है कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य गाइड टीचर्स एवं बाल वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस की कार्यप्रणाली, दिशा-निर्देशों, परियोजना निर्माण की वैज्ञानिक पद्धति तथा बाल वैज्ञानिकों के प्रभावी मार्गदर्शन के संबंध में व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था। कार्यक्रम के माध्यम से शिक्षकों को यह समझाने का प्रयास किया गया कि नेशनल चिल्ड्रेंस साइंस कांग्रेस (ठउरउ) केवल एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, जिज्ञासा, रचनात्मकता, नवाचार एवं समस्या-समाधान की क्षमता विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच है। इस मंच के माध्यम से ही भविष्य में युवा पीढ़ी को तैयार करने के उद्देश्य से शोध को बढ़ावा देना ही प्राथमिकता है। बेहतर शोध कार्य करने के लिए आवश्यक है कि उनमें रचनात्मकता, जिज्ञासा और वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना है ताकि परिणाम अच्छे आयें। कार्यक्रम के प्रारंभिक सत्र के उद्घाटन अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो .अरुण चौधरी ने कार्यशाला में आए प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने तथा उन्हें अपने आसपास की समस्याओं को समझने और उनके समाधान के लिए वैज्ञानिक ढंग से सोचने के लिए प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

थॉमस कुक इंडिया ने इंडिया फॉरेक्स रिपोर्ट 2026 जारी की

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

दिल्ली : थॉमस कुक (इंडिया) लिमिटेड ने अपनी इंडिया फॉरेक्स रिपोर्ट 2026 जारी की है। यह रिपोर्ट अप्रैल 2025 से मार्च 2026 के दौरान कंपनी के फॉरेक्स लेनदेन के आंकड़ों पर आधारित है और इस बात का विश्लेषण करती है कि भारतीय ग्राहक छुट्टियों, विदेश में शिक्षा और व्यावसायिक यात्राओं के लिए विदेशी मुद्रा कैसे खरीदते और उसका उपयोग करते हैं। महत्त्वाची निरीक्षणे: उभरते शहर फॉरेक्स वृद्धि के अगले चरण को गति दे रहे हैं: टियर 2 और टियर 3 शहर मिलकर कुल फॉरेक्स मांग में 53% का योगदान देते हैं, जिसमें टियर 2 शहरों की हिस्सेदारी 41% और टियर 3 शहरों की 12% है। आंकड़े भारत के प्रमुख महानगरों से परे अंतरराष्ट्रीय यात्रा, विदेश में शिक्षा और वैश्विक स्तर पर बढ़ती गतिशीलता को दर्शाते हैं। यात्री अब केवल अमेरिकी डॉलर तक सीमित नहीं हैं: जहां फॉरेक्स मांग में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी 49% है, वहीं यूरोप से संबंधित मुद्राओं का योगदान 23% और एशियाई मुद्राओं का 11% है। थाई बाथ, सिंगापुर डॉलर और वियतनामी डोंग जैसी मुद्राओं की बढ़ती मांग यह दर्शाती है कि यात्री अब अपने गंतव्य देश की मुद्रा साथ रखने को अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं। युवा ग्राहक डिजिटल फॉरेक्स अपनाने को बढ़ावा दे रहे हैं: अब 25% ग्राहक वेबसाइट, ऐप, व्हाट्सऐप और क्विक कॉमर्स के माध्यम से डिजिटल रूप से लेनदेन कर रहे हैं। पिछले दो वर्षों में ऊक्र यानी स्वयं-सेवा प्लेटफॉर्म का उपयोग साल-दर-साल 50% बढ़ा है। जहां शाखा की सहायता से लेनदेन करने वाले ग्राहकों की औसत आयु 42 वर्ष है, वहीं क्विक कॉमर्स के माध्यम से लेनदेन करने वाले ग्राहकों की औसत आयु 31 वर्ष है। फॉरेक्स भुगतान अब केवल नकदी तक सीमित नहीं हैं: छुट्टियों के लिए यात्रा करने वाले ग्राहकों के बीच नकदी का हिस्सा 75% लेनदेन में है, जबकि कार्ड का हिस्सा 25% है। हालांकि, कुल फॉरेक्स मूल्य में से 39% मूल्य कार्ड पर लोड किया जाता है, जो नियोजित और अधिक मूल्य वाले खर्चों के लिए कार्ड के बढ़ते उपयोग और भरोसे को दशार्ता है। कॉन्टैक्टलेस और ऑनलाइन लेनदेन पहले ही फॉरेक्स कार्ड के उपयोग में 57% का योगदान देते हैं, जिसे अधिक सहज डिजिटल भुगतान अनुभव का समर्थन मिल रहा है। विदेश में शिक्षा का बाजार पारंपरिक गंतव्यों से आगे बढ़ रहा है: विदेश में शिक्षा से संबंधित फॉरेक्स मांग में यूरोप की हिस्सेदारी 38%, अमेरिका की 34% और ऑस्ट्रेलिया की 10% है। पारंपरिक अमेरिका और यूके के बाजारों से आगे अन्य गंतव्यों की बढ़ती हिस्सेदारी भारतीय छात्रों के बीच बढ़ते विकल्पों को दशार्ती है। शिक्षा से जुड़े फॉरेक्स आउटफ्लो में 81% हिस्सा विश्वविद्यालय की फीस का है, जबकि रहने-खाने जैसे जीवन-यापन के खर्चों से जुड़े लेनदेन में फॉरेक्स कार्ड की हिस्सेदारी 73% है। व्यावसायिक यात्री फॉरेक्स कार्ड को स्पष्ट रूप से प्राथमिकता दे रहे हैं: कॉर्पोरेट फॉरेक्स उपयोग में फॉरेक्स कार्ड की हिस्सेदारी 84% है, जबकि नकदी की हिस्सेदारी 16% है। कॉर्पोरेट कार्ड के उपयोग में मल्टी-करेंसी कार्ड की हिस्सेदारी 76% है, जो कई देशों और मुद्राओं में लचीले भुगतान विकल्पों की आवश्यकता को दशार्ती है। कॉर्पोरेट यात्रा के लिए यूरोप 45% हिस्सेदारी के साथ प्रमुख क्षेत्र है, इसके बाद उत्तरी अमेरिका 23% और एशिया 19% पर है।

दिल्ली जल बोर्ड एसटीपी घोटाले में सत्येंद्र जैन की जमानत पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली जल बोर्ड के एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) घोटाले से जुड़े मामले में आम आदमी पार्टी के नेता सत्येंद्र जैन की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। कोर्ट अब 3 सितंबर को इस पर अपना फैसला सुनाएगी। सुनवाई के दौरान सत्येंद्र जैन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एन हरिहरन ने दलीलें पेश कीं। उन्होंने कहा कि सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी मामला दर्ज होने के 27 महीने बाद की गई है। इस दौरान उन्हें सिर्फ एक बार पूछताछ के लिए बुलाया गया था और जब दूसरी बार बुलाया गया तो गिरफ्तार कर लिया गया। वकील ने कहा कि मामले से जुड़ी सारी सामग्री दस्तावेजी है और सभी जरूरी दस्तावेज पहले ही जांच एजेंसियों के कब्जे में हैं। ऐसे में सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी की कोई जरूरत नहीं थी और कार्यवाही दंडात्मक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि दो साल बीत चुके हैं और जांच एजेंसी अब भी कह रही है कि जांच शुरूआती दौर में है और पूरा मामला ईडी की जांच पर निर्भर है। वकील ने अदालत में कहा कि सत्येंद्र जैन ने ये फैसले अकेले नहीं लिए थे। उन्हें तकनीकी ज्ञान रखने वाले अधिकारियों की सलाह और सिफारिशों पर निर्भर रहना पड़ा था। रोहिणी एसटीपी की क्षमता को सत्येंद्र जैन के निर्देश पर 15-25 एमजीडी से बढ़ाकर 15-30 एमजीडी करने के आरोप पर वकील ने कहा कि रिकॉर्ड इस आरोप का समर्थन नहीं करते हैं। वहीं, एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने इसका विरोध किया। एसीबी ने आरोप लगाया कि सत्येंद्र जैन आदतन अपराधी हैं और जमानत याचिका पर फैसला करते समय इन बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

फर्जी भर्ती अभियान के जरिए मल्टी-स्टेज मैलवेयर से भारतीय नौकरी तलाशने वालों को बनाया जा रहा निशाना

पुणे। वैश्विक साइबर सुरक्षा समाधान प्रदाता, क्विक हील टेक्नोलॉजीज लिमिटेड की एंटरप्राइज सुरक्षा शाखा सेक्राइट ने ऑपरेशन शैडोरिक्रूट के बारे में प्रमुख जानकारियों का खुलासा किया है। यह भर्ती के नाम पर चलाया जा रहा एक मैलवेयर अभियान है, जो कैबिनेट सचिवालय में सीनियर फील्ड ऑफिसर पदों के लिए फर्जी भर्ती नोटिस के माध्यम से भारतीय सरकारी नौकरियों की तलाश करने वाले युवाओं को निशाना बना रहा है। इस अभियान में एक दुर्भावनापूर्ण एलएनके फाइल, एक पावरशेल स्क्रिप्ट और एक .ठएळ एक्जीक्यूटेबल फाइल वाली ्कढ आर्काइव का इस्तेमाल किया जाता है। इसके जरिए हमलावर शुरूआती पहुंच बनाते हैं, एक कस्टम रिमोट एक्सेस ट्रोजन (आरएटी) तैनात करते हैं और एक गुप्त कमांड-एंड-कंट्रोल चैनल बनाए रखते हैं। भारत की सबसे बड़ी मैलवेयर विश्लेषण सुविधा, सेक्राइट लैब्स के शोधकताओं ने पाया कि हमलावर संक्रमण के दौरान वैध रिमोट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म कंट्रोलआर का भी दुरुपयोग करते हैं। इसके बाद वे अंतिम पेलोड के लिए एक बैकअप कमांड-एंड-कंट्रोल चैनल के रूप में गूगल शीट्स का उपयोग करते हैं, जिसे सेक्राइट ने शीटएजेंट आरएटी नाम दिया है। यह मैलवेयर संक्रमित सिस्टम को एक स्प्रेडशीट में रजिस्टर करता है, हमलावर द्वारा नियंत्रित सेल्स से कमांड पढ़ता है और परिणाम वापस लिखता है, जिससे एक चैनल बाधित होने पर भी ऑपरेशन जारी रहता है। इस अभियान की शुरूआत एक ज़िप आर्काइव से होती है जो देखने में अनुमोदित दस्तावेज का भ्रम पैदा करती है, लेकिन वास्तव में इसमें एक दुर्भावनापूर्ण शॉर्टकट, एक पावरशेल डाउनलोडर और एक छिपी हुई निष्पादन योग्य फाइल शामिल होती है। एलएनके फाइल को ब्राउजर आइकन के रूप में छुपाया गया है जो हिडन मोड में पावरशेल स्टेज को लॉन्च करती है। यह पावरशेल .ठएळ ड्रॉपर्स को ट्रिगर करने से पहले पीड़ित मशीन को कंट्रोलआर में डाउनलोड और एनरोल करता है। इसके बाद ड्रॉपर शेड्यूल किए गए टास्क या स्टार्ट-अप शॉर्टकट के माध्यम से सिस्टम में अपनी पैठ बना लेता है, जबकि स्क्रीन पर एक फर्जी भर्ती दस्तावेज टारगेट का ध्यान भटकाने का काम करता है। यह जाल भारतीय नौकरी तलाशने वालों, विशेष रूप से सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने वालों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो इस अभियान को अत्यधिक विश्वसनीय और सामाजिक छलावे पर आधारित है। यह फर्जी दस्तावेज एक आधिकारिक भर्ती नोटिस की नकल करता है और इसमें पात्रता मानदंड, रिक्तियां, आवेदन निर्देश और अंतिम तिथियां जैसी जानकारी शामिल होती है।

हियरजैप ने एम्प्लीफॉन इंडिया का किया अधिग्रहण, भारत के संगठित श्रवण स्वास्थ्य-सेवा क्षेत्र में एक प्रमुख शक्ति का उदय

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

राष्ट्रीय। हियरजैप ने आज एम्प्लीफॉन इंडिया के श्रवण स्वास्थ्य-सेवा व्यवसाय को सफलतापूर्वक अधिग्रहण करने की घोषणा की है। मई 2026 में हुए निश्चित समझौते के बाद यह खबर सामने आई है, जो भारत के संगठित श्रवण स्वास्थ्य-सेवा क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण विकास है। भारत के एक प्रमुख प्राइवेट इक्विटी निवेशक - 360 वन ऐसेट मैनेजमेंट के सहयोग से इस समझौते को अंतिम रूप दिया गया, जिसके बाद एम्प्लीफॉन इंडिया के लगभग 240 हियरिंग केयर पॉइंट्स ऑफ सेल (115 प्रत्यक्ष संचालित सेंटरों सहित) के स्थापित नेटवर्क, अनुभवी क्लिनिकल टीमों और लॉयल क्लाइंट बेस के साथ हियरजैप के तेजी से बढ़ते राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म के विलय की घोषणा आई है। इससे देश के बढ़ते श्रवण स्वास्थ्य-सेवा बाजार में कंपनी की स्थिति और भी सुदृढ़ हुई है। इस अधिग्रहण के साथ ही पूरे भारत में हियरजैप के सेंटरों की संख्या बढ़कर 420 हो गई है। 1,000 से अधिक सेवा प्रदाता इस विशाल नेटवर्क का हिस्सा हैं। यह कदम उठाकर कंपनी ने 2027 तक 500 सेंटरों के नेटवर्क का लक्ष्य पूरा करने की दिशा में रुख किया है। इस विलय का लक्ष्य न केवल महानगरों और उभरते हुए टियर क्कव टियर क्कक्क बाजारों में अच्छी गुणवत्ता की श्रवण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, बल्कि वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त क्लिनिकल सेवाएं मुहैया कराने के प्रति कंपनी की क्षमता को और मजबूत बनाना भी है इस अधिग्रहण पर टिप्पणी करते हुए, राजा एस., मैनेजिंग डायरेक्टर, हियरजैप ने कहा, ह्लएम्प्लीफॉन इंडिया का अधिग्रहण हियरजैप के सफर में एक अहम पड़ाव है। इस कदम से न केवल हमारे नेटवर्क का विस्तार होगा, बल्कि यह विश्व स्तर पर प्रमाणित क्लिनिकल विशेषज्ञता, बेहतरीन परिचालन दक्षता और ग्राहक-केंद्रित सेवा वितरण को अपने कंपनी का हिस्सा बनाने का बेहतरीन मौका भी है। साथ मिलकर, हम एक ऐसा मजबूत मंच तैयार कर रहे हैं जो लाखों भारतीयों को विश्व-स्तरीय श्रवण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करेगा। इस विलय के अंतर्गत, हम श्रवण सेवाओं को सभी के लिए सुलभ बनाने, क्लिनिकल गुणवत्ता में सुधार करने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करेंगे कि नवीनतम टेक्नोलॉजी और अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं की सहायता से हम प्रत्येक ग्राहक को विशेष देखभाल प्रदान कर सकें।ह्व यह अधिग्रहण ऐसे समय में हुआ है जब बढ़ती जीवन प्रत्याशा, बढ़ती जागरूकता, व्यावसायिक परिवेश और पर्यावरण में शोरगुल बढ़ने, और श्रवण देखभाल समाधानों को स्वीकारने के कारण भारत के श्रवण स्वास्थ्य-सेवा क्षेत्र में तेजी से बदलाव देखने को मिल रहा है। हालाँकि, विशिष्ट श्रवण सेवाओं की उपलब्धता देश के बड़े शहरों तक ही सीमित है। हियरजैप को यकीन है कि इस अधिग्रहण से इस रिक्ति को पाटा जा सकता है, साथ ही एक अधिक मजबूत, अधिक सुलभ और क्लीनिकली एडवांस्ड श्रवण स्वास्थ्य-सेवा तंत्र के निर्माण में यह एक एहम भूमिका भी निभाएगा।

ग्रिप इन्वेस्ट ने भारत के 59 लाख करोड़ रुपये के कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट के लिए ग्रेट इंडियन बॉन्ड फेस्टिवल की शुरूआत की

मुंबई। ग्रिप इन्वेस्ट ने आज ग्रेट इंडियन बॉन्ड फेस्टिवल (GIBF) के पहले संस्करण की शुरूआत की। फिक्स्ड-इनकम निवेश को समर्पित इस फेस्टिवल में एनएसई वेन्यू पार्टनर और एनएसडीएल डिपॉजिटरी पार्टनर के रूप में शामिल हैं। यह 18 से 31 अगस्त तक चलने वाले दो सप्ताह के राष्ट्रीय अभियान की शुरूआत का प्रतीक है। यह अभियान बांड्स और अन्य फिक्स्ड-इनकम उत्पादों को एक आकर्षक रिटेल निवेश विकल्प के रूप में बढ़ावा देने और जागरूकता पैदा करने के लिए नियामकों, बॉन्ड जारीकताओं, बाजार के बुनियादी ढांचा संस्थानों, इकोसिस्टम पार्टनर्स और निवेशकों को एक साथ लाता है। भारत का कॉर्पोरेट बांड बाजार 59 लाख करोड़ रुपये से अधिक का है, जबकि 1% से भी कम भारतीय परिवार बॉन्ड्स में निवेश करते हैं। यह व्यक्तिगत निवेशकों की व्यापक भागीदारी के लिए एक बड़े अवसर को रेखांकित करता है। जीआईबीएफ का उद्देश्य प्रिंट, डिजिटल, सोशल मीडिया, पॉडकास्ट, इन्फ्लुएंसर्स और एफिलिएट प्लेटफॉर्म्स पर फैले 360-डिग्री अभियान और अभियान अवधि के दौरान उपलब्ध निवेशक-केंद्रित पेशकशों के माध्यम से इस अंतर को दूर करना है। इस अभियान को एनएसई (ठरए) बतौर वेन्यू पार्टनर और एनएसडीएल द्वारा डिपॉजिटरी पार्टनर के रूप में अपना समर्थन दे रहे हैं। इसके साथ ही टाटा न्यू, ईटी मनी, मोबिक्विक, कंपाउंड एक्सप्रेस (डीएसपी ग्रुप) और एलीवेस्ट बाय इंश्योरेंसदेखो इकोसिस्टम पार्टनर्स के रूप में इसमें शामिल हुए हैं। इस लॉन्च के बारे में ग्रिप इन्वेस्ट के संस्थापक निखिल अग्रवाल ने कहा, जीआईबीएफ एक उत्सव होने के साथ ही जागरूकता बढ़ाने की एक पहल भी है। एक तरफ बॉन्ड में रिटेल निवेशकों की भागीदारी 200% की सीएजीआर दर से बढ़कर सालाना 30,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। वहीं दूसरी तरफ, बॉन्ड की समझ और इसमें लोगों की हिस्सेदारी अब भी बहुत कम है। जीआईबीएफ एक ऐसा सालाना मंच है जो भारत के रिटेल बॉन्ड मार्केट के विकास में योगदान देगा और फिक्स्ड-इनकम निवेश को आम चर्चा का हिस्सा बनाएगा। इस फेस्टिवल की शुरूआत मुंबई में एनएसई एट्रियम में हुई। इस मौके पर वित्तीय क्षेत्र से जुड़े 250 से अधिक लोग मौजूद थे, जिनमें नियामक, बॉन्ड जारीकर्ता, रिटेल निवेशक, वेल्थ एडवाइजर्स, आईएफए, फैमिली ऑफिस और फंड मैनेजर्स शामिल थे। उद्घाटन संबोधन श्री श्रीराम कृष्णन, सीबीडीओ, एनएसई द्वारा दिया गया।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

गुरुग्राम/फरीदाबाद

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, बुधवार, 26 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

फरीदाबाद में गोदाम की बदहाल हालत देख भड़के मंत्री नागर

फरीदाबाद । जिले के तिगांव स्थित अनाज गोदाम में मंगलवार को निरीक्षण करने पहुंचे हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री राजेश नागर गोदाम की बदहाल सफाई व्यवस्था देखकर नाराज हो गए। निरीक्षण के दौरान गोदाम में साफ-सफाई की व्यवस्था में कई खामियां मिलीं। इस पर मंत्री ने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अनाज के भंडारण में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंत्री राजेश नागर ने गोदाम में रखे अनाज के स्टॉक, उसके रखरखाव, साफ-सफाई और अनाज को सुरक्षित रखने के लिए की जाने वाली दवा की व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गोदाम में स्वच्छता की व्यवस्था हर समय बेहतर रहनी चाहिए। अधिकारियों को नियमित रूप से गोदामों का निरीक्षण करने और अनाज को खराब होने से बचाने के लिए समय पर जरूरी दवा लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने गोदाम में पिछले दो-तीन वर्षों से अलग-अलग कानूनी मामलों के चलते पड़े अनाज के स्टॉक की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ऐसे मामलों में जरूरी पत्राचार पूरा कर लंबित स्टॉक को नियमानुसार उठाने की प्रक्रिया जल्द आगे बढ़ाई जाए। लंबे समय तक गोदाम में अनाज पड़ा रहने से भंडारण की क्षमता प्रभावित होती है और व्यवस्था पर भी दबाव बढ़ता है। गोदाम में कबाड़ देख जताई नाराजगी गोदाम में बड़ी मात्रा में पुरानी पॉलीथिन, दवा की खाली पैकिंग और अन्य कबाड़ पड़ा मिलने पर भी मंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नियमानुसार इन सामानों की नीलामी करवाकर गोदाम से कबाड़ हटाया जाए, ताकि जगह का सही इस्तेमाल हो सके। राशन वितरण को लेकर दिए निर्देश मंत्री ने राशन वितरण व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों से साफ निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी पात्र राशन कार्ड धारक को उसके हिस्से का पूरा अनाज मिलना चाहिए। सरकार की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद परिवारों तक पारदर्शी तरीके से पहुंचाना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

बल्लभगढ़ में पुलिस चौकी के सामने 3 दुकानों में चोरी

फरीदाबाद । जिले के बल्लभगढ़ में पुलिस चौकी के सामने तीन दुकानों में हुई चोरी से दुकानदारों में चिंता का माहौल है। चोरों ने एक ही रात में तीन दुकानों को निशाना बनाया। इनमें एक मुकुट की दुकान और दो कपड़ों की दुकान शामिल हैं। चोर दुकानों से नकदी के साथ-साथ उनमें लगे उझळ कैमरों के उझ्फ भी चोरी करके ले गए। घटना की जानकारी दुकानदारों को सुबह दुकान खोलने के बाद हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस को शिकायत देकर मामले में कार्रवाई की मांग की। अग्रसेन पुलिस चौकी के सामने दुकान आर्यन मुकुट की दुकान के मालिक विशाल गुप्ता ने बताया कि उनकी दुकान अग्रसेन पुलिस चौकी के बिल्कुल सामने है। इसके बावजूद चोर दुकान के अंदर घुस गए। चोर दुकान से करीब 20 हजार रुपये की नकदी और उझळ कैमरों का उझ्फ चोरी करके ले गए। फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ में पुलिस चौकी के सामने तीन दुकानों में हुई चोरी से दुकानदारों में चिंता का माहौल है। चोरों ने एक ही रात में तीन दुकानों को निशाना बनाया। इनमें एक मुकुट की दुकान और दो कपड़ों की दुकान शामिल हैं। चोर दुकानों से नकदी के साथ-साथ उनमें लगे उझळ कैमरों के उझ्फ भी चोरी करके ले गए। घटना की जानकारी दुकानदारों को सुबह दुकान खोलने के बाद हुई। इसके बाद उन्होंने पुलिस को शिकायत देकर मामले में कार्रवाई की मांग की। अग्रसेन पुलिस चौकी के सामने दुकान आर्यन मुकुट की दुकान के मालिक विशाल गुप्ता ने बताया कि उनकी दुकान अग्रसेन पुलिस चौकी के बिल्कुल सामने है। इसके बावजूद चोर दुकान के अंदर घुस गए।

फरीदाबाद में राशन डिपो पर उटफ्लाइंग की छापेमारी

415 क्विंटल गेहूं कम मिला, डिपो धारक पर कालाबाजारी का आरोप, ऋाफ्दर्ज

प्रातः किरण संवाददाता

फरीदाबाद। जिले के गांव अजरौंदा में सीएम फ्लाइंग और खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम ने राशन डिपो का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान एक डिपो में सरकारी राशन का स्टॉक काफी कम मिला। टीम ने डिपो धारक सुमित के खिलाफ मामला दर्ज कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है। सीएम फ्लाइंग टीम के सदस्य सतबीर ने बताया कि, टीम ने राधा स्वामी सत्संग सेंटर के पास बने राशन डिपो की जांच की। रिकॉर्ड के अनुसार डिपो में 551 क्विंटल गेहूं, 121 क्विंटल बाजरा, 2 क्विंटल चीनी और 3805 लीटर सरसों का तेल होना चाहिए था। मौके पर जांच करने पर गेहूं का स्टॉक करीब 415 क्विंटल कम मिला। जांच के दौरान डिपो धारक सुमित को मौके पर बुलाया गया, लेकिन कई बार संपर्क करने के बावजूद वह वहां नहीं पहुंचा। इसके बाद टीम ने राशन डिपो धारक प्रेम सिंह और सुमित के मकान मालिक की मौजूदगी में डिपो की जांच की। सरकारी राशन की कालाबाजारी का आरोप पूछताछ में सामने आया कि सुमित पिछले करीब एक महीने से इसी स्थान पर सरकारी राशन रखकर वितरण कर रहा था। टीम को आशंका है कि राशन असली कार्ड धारकों को देने के बजाय उसे बेचकर कालाबाजारी की जा रही थी। इसी वजह से स्टॉक में इतनी बड़ी कमी मिली। प्रेम सिंह के डिपो में स्टॉक सही मिला टीम ने पास में ही प्रेम सिंह के राशन डिपो की भी जांच की। ऑनलाइन रिकॉर्ड के अनुसार वहां गेहूं, चीनी और सरसों के तेल का जितना स्टॉक होना चाहिए था, मौके पर उतना ही पाया गया। इस डिपो में जांच के दौरान कोई अनियमितता नहीं मिली। सुमित के खिलाफ एफआईआर की कार्रवाई स्टॉक में बड़ी कमी मिलने के बाद खाद्य निरीक्षक रूप चंद की शिकायत पर सुमित के खिलाफ थाना सेंट्रल फरीदाबाद में मामला दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। विभाग अब मामले की जांच करेगा और यह पता लगाया जाएगा कि सरकारी राशन की कमी कैसे हुई और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं।

फरीदाबाद में करंट लगने से टेंट कर्मी की मौत संकीर्तन में लाइट ठीक कर रहा था

प्रातः किरण संवाददाता

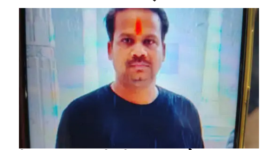

फरीदाबाद। जिले के बल्लभगढ़ स्थित आदर्श नगर थाना क्षेत्र की चौधरी कॉलोनी में सोमवार रात भजन-कीर्तन के दौरान एक दर्दनाक हादसा हो गया। कार्यक्रम में टेंट लगाने का काम करने वाले करीब 40 वर्षीय परविंद्र की करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के बाद कार्यक्रम स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और भजन-कीर्तन का माहौल मातम में बदल गया। जानकारी के अनुसार, सोमवार रात चौधरी कॉलोनी के मलेरना रोड पर भजन-कीर्तन का आयोजन किया जा रहा था। परविंद्र भी टेंट लगाने के काम के सिलसिले में वहां मौजूद था। कार्यक्रम के दौरान लाइट में कुछ खराबी आ गई। इसी दौरान लाइट ठीक करने के लिए परविंद्र सीढ़ी के सहारे ऊपर चढ़ गया। बताया जा रहा है कि उस समय उसने चप्पल या जूते नहीं पहन रखे थे। लाइट ठीक करने के दौरान अचानक उसे तेज करंट लग गया। पुलिस ने अस्पताल भिजवाया शव करंट लगते ही वह गंभीर रूप से झुलस गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसा होते ही वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलने पर आदर्श नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मंगलवार को पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। उत्तर प्रदेश का रहने वाला मृतक की पहचान परविंद्र के रूप में हुई है। वह आदर्श नगर में छज्जू राम रोड स्थित स्कूल के पीछे कालू चक्की वाली गली में रहता था। वह मूल रूप से गांव मोदी कटरा, जिला आगरा उत्तर प्रदेश का रहने वाला था।

मानेसर निगम संयुक्त आयुक्त दर्शन यादव ने संभाला पदभार

व्यवस्था और कार्यक्षेत्र से पहले से परिचित; कार्यों को गति देना प्राथमिकता

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। हरियाणा प्रशासनिक सेवा (एचसीएस) 2020 बैच के अधिकारी दर्शन यादव ने मंगलवार को नगर निगम मानेसर के संयुक्त आयुक्त-2 का पदभार ग्रहण किया। यह मानेसर में उनकी नई जिम्मेदारी है, हालांकि वे यहां की प्रशासनिक व्यवस्था और कार्यक्षेत्र से पहले से परिचित हैं। इससे पूर्व दर्शन यादव मानेसर में उपमंडल अधिकारी (एसडीएम) के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। इसके अतिरिक्त, लगभग दो वर्ष पहले वे नगर निगम मानेसर में संयुक्त आयुक्त के तौर पर भी कार्यरत थे। आमजन की समस्याओं को दूर करना प्राथमिकता पदभार ग्रहण करने के बाद दर्शन यादव ने अधिकारियों और कर्मचारियों से निगम की कार्यप्रणाली तथा विभिन्न विभागों से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं के बारे में बताया। यादव ने कहा कि निगम क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देना और आमजन से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल रहेगा। उन्होंने अपनी नई जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

गुरुग्राम में 300 परिवार घरों में कैद

सीवर के लिए गली खोदी, बरसात में दलदल बनी; लोग बोले-महिला-बच्चे फिसल रहे

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम ।में हाईराइज सोसाइटियों के चमचमाती टावरों से महज एक किलोमीटर दूर वार्ड-33 का लक्ष्मण विहार इलाका परेशानियों से जूझ रहा है। यहां नगर निगम अधिकारियों, ठेकेदार और जनप्रतिनिधियों की लापरवाही के कारण लगभग 300 परिवार अपने घरों में कैद होने को मजबूर हो गए हैं। गलियों में बने गहरे गड्ढे, कीचड़ और घुटनों तक भरे गंदे पानी के कारण लोगों का पैदल निकलना भी दूभर हो चुका है। इस बदहाली से गुस्साए रेजिडेंट्स ने अब सड़कों पर उतरकर नगर निगम और ठेकेदार के खिलाफ मोर्चा खोलने का फैसला लिया है। लक्ष्मण विहार के डी ब्लॉक की गलियों में कदम रखते ही विकास के दावों की पोल खुल जाती है। एक दर्जन गलियां गहरे और खतरनाक दलदल में बदल चुकी हैं। सीवर लाइन डालने के नाम पर खोदे गए गहरे गड्ढे अब बारिश के गंदे पानी से भरे हैं। स्थानीय निवासियों के लिए घर का मेन दरवाजा खोलना भी किसी चुनौती से कम नहीं है, क्योंकि दरवाजा खोलते ही सामने सिर्फ बदबूदार पानी और कीचड़ नजर आता है। दोपहिया वाहन तो दूर, यहां से पैदल गुजरना भी जान जोखिम में डालने जैसा है। 8 महीने से अधूरा पड़ा सीवर का काम आरडब्ल्यूए प्रेजीडेंट प्रद्यमन जांघू ने बताया कि इस बदहाली की शुरूआत इसी साल जनवरी महीने में हुई थी। नगर निगम ने यहां नई सीवर लाइन डालने का काम शुरू किया था। उम्मीद थी कि जल्द ही उन्हें जलभराव से मुक्ति मिलेगी। लेकिन ठेकेदार की सुस्ती और निगम अधिकारियों की अनदेखी के चलते 8 महीने बीत जाने के बाद भी यह काम अधूरा पड़ा है। ठेकेदार ने सीवर के पाइप डालने के लिए पूरी सड़क को खोद दिया और फिर मलबे को बिना समतल किए ही काम बीच में छोड़ दिया। महिला बोली- हर दिन हो रहे हादसे पूजा जैन ने बताया कि गड्ढों में पानी भरा होने के कारण राहगीरों को सड़क की गहराई का अंदाजा नहीं मिल पाता। इसके चलते आए दिन लोग इन गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बुजुर्गों और स्कूली बच्चों के लिए यह स्थिति सबसे ज्यादा खतरनाक साबित हो रही है।

गुरुग्राम में बारिश बनी आफत, दो जगह सड़कें धंसीं

300 बैग सीमेंट से भरा कैंटर गड्ढे में फंसा; नाले की स्लैब टूटी

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। में लगातार बारिश के कारण जलभराव की स्थिति बनी हुई है। मंगलवार को शहर में दो अलग-अलग स्थानों पर सड़कें धंस गईं। जिससे भारी वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए। पहला हादसा द्वारका एक्सप्रेसवे के लिंक रोड, सेक्टर-9 पर हुआ। यहां सीमेंट से भरा एक कैंटर सड़क में धंस गया। कैंटर में लगभग 300 बैग सीमेंट लदे हुए थे। बताया जा रहा है कि सड़क किनारे खुदाई का काम चल रहा था। बारिश के कारण हुए भारी जलभराव से चालक सड़क के नीचे चल रही खुदाई का अनुमान नहीं लगा सका। कैंटर का एक हिस्सा धंसी हुई सड़क में फंस गया, जिससे वाहन और सीमेंट के बैग क्षतिग्रस्त हो गए। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। बरसाती नाला पार कर रहा था ट्रक वहीं दूसरा हादसा दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेसवे पर नरसिंहपुर गांव के पास बजाज कंपनी के सामने सर्विस रोड पर हुआ। यमुना की रेती से भरा एक ट्रक बरसाती नाले को पार करते समय नाले पर डाली गई स्लैब टूटने से धंस गया। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। भारी वाहनों के लिए खतरा बढ़ा इन दोनों घटनाओं ने बारिश के दौरान सड़कों की खराब स्थिति और जल निकासी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जलभराव के कारण सड़कों के कमजोर हिस्सों का पता लगाना मुश्किल हो रहा है, जिससे भारी वाहनों के लिए खतरा बढ़ गया है।

गुरुग्राम के इफको चौक पर सड़क धंसी 20 फीट चौड़ा गड्ढा बना, यातायात प्रभावित; बाल-बाल बचे वाहन सवार

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। शहर के व्यस्त इफको चौक पर मंगलवार को एमजी रोड से गुरुग्राम की ओर जाने वाली सड़क का एक बड़ा हिस्सा अचानक धंस गया। घटना से मौके पर करीब 20 फीट चौड़ा गड्ढा बन गया। गनीमत रही कि सड़क धंसने के दौरान कोई वाहन इसकी चपेट में नहीं आया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। सड़क धंसने की सूचना मिलते ही गुरुग्राम ठअलकके अधिकारी मौके पर पहुंचे। सुरक्षा कारणों से धंसी हुई सड़क के आसपास के क्षेत्र को बैरिकेडिंग लगाकर बंद कर दिया गया है, ताकि वाहन चालक और राहगीर गड्ढे के पास न जा सकें। पुलिस द्वारा मौके पर यातायात व्यवस्था को नियंत्रित किया जा रहा है। इफको चौक प्रमुख यातायात केंद्र इफको चौक गुरुग्राम का एक प्रमुख यातायात केंद्र है, जहां दिनभर बड़ी संख्या में वाहनों की आवाजाही रहती है। सड़क के अचानक धंसने से वाहन ड्राइवरों के लिए खतरा बढ़ गया है। पुलिस और संबंधित विभाग क्षतिग्रस्त हिस्से की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं। सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू स्थानीय निवासियों ने बताया कि यदि समय रहते बैरिकेडिंग नहीं की जाती, तो तेज रफ्तार वाहनों के लिए बड़ा हादसा हो सकता था। प्रशासन द्वारा अब सड़क की मरम्मत और गड्ढे को सुरक्षित तरीके से भरने की कार्रवाई शुरू किए जाने की उम्मीद है। पुलिस ने तुरंत बैरिकेडिंग करवाई पुलिस अधिकारी ने बताया कि ट्रैफिक कंट्रोल के दौरान सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, जहां सड़क पर एक छोटा गड्ढा (रोड सिंक-होल) बना हुआ था। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तुरंत उस जगह पर बैरिकेडिंग करवाई ताकि कोई हादसा न हो। इसके बाद स्थिति की जानकारी देने और आवश्यक कार्रवाई के लिए अपने वरिष्ठ अधिकारियों तथा एमसीडी (टउऊ) विभाग को तुरंत सूचित किया।

फरीदाबाद में चलती कार में लगी आग

इंजन से धुआं निकलते ही ड्राइवर गाड़ी से उतरा, हाईवे पर पर रोका ट्रैफिक

फरीदाबाद ।में नेशनल हाईवे पर मंगलवार की शाम को चलती हुंडई ग्रैंड आई10 कार में अचानक आग लग गई। हादसा बड़खल मेट्रो स्टेशन के पिलर नंबर 624 के पास हुआ। कार दिल्ली की तरफ से फरीदाबाद की ओर आ रही थी। इसी दौरान अचानक कार के इंजन से धुआं निकलने लगा। इंजन से धुआं निकलता देख कार चला रहा व्यक्ति घबरा गया और उसने तुरंत कार को सड़क किनारे रोक दिया। ड्राइवर समय रहते कार से बाहर निकल गया। इसके कुछ ही देर बाद कार के इंजन में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने कार के अगले हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। चलती कार में आग लगने की सूचना आसपास मौजूद लोगों ने फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ी मौके पर पहुंची। फायर कर्मचारियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा दिए जाने से बड़ा हादसा होने से टल गया। आग लगने के कारणों की जांच आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। शुरूआती तौर पर माना जा रहा है कि इंजन में तकनीकी खराबी के कारण आग लगी होगी। आग की वजह से कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के दौरान ड्राइवर के समय पर कार से बाहर निकलने के कारण उसकी जान बच गई। घटना के बाद कुछ समय के लिए हाईवे पर वाहन चालकों की आवाजाही भी प्रभावित हुई।

फरीदाबाद में एक लाख रिश्वत लेता एळ्ड गिरफ्तार ट्रक छोड़ने के मांगे 10 लाख, 4 लाख में सौदा; ड्राइवर को भी पकड़ा

फरीदाबाद ।में एंटी करप्शन ब्यूरो (अउइ) की टीम ने एळ्ड सुरेंद्र पूनिया को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान उसके ड्राइवर को भी हिरासत में ले लिया। जानकारी के अनुसार, एळ्ड सुरेंद्र पूनिया पर स्क्रैप से भरे ट्रक को छोड़ने की एवज में 10 लाख रुपए की मांग की थी। इस संबंध में शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरो को दी गई थी। शिकायत मिलने के बाद टीम ने मामले की जांच शुरू की और ट्रैप की योजना बनाई। अउइ की टीम ने शिकायतकर्ता के साथ मिलकर ट्रैप की कार्रवाई की। जैसे ही आरोपी अधिकारी ने रिश्वत की रकम ली, टीम ने उसे मौके पर पकड़ लिया। कार्रवाई के दौरान उसके ड्राइवर को भी हिरासत में लिया गया। आरोपी के कब्जे से रिश्वत की रकम बरामद किए जाने की बात सामने आई है। स्क्रैप से भरी गाड़ी पकड़ी शिकायतकर्ता ने बताया कि वह दिल्ली की एक ट्रांसपोर्ट कंपनी में नौकरी करता है। उसकी जिम्मेदारी कंपनी की गाड़ियों की देखभाल और रूट पास करवाने की है। 10 अगस्त को सुरेंद्र पूनिया ने लखनऊ से आ रही स्क्रैप से भरी कंपनी की गाड़ी को फरीदाबाद में पकड़ लिया था। 10 लाख की पेनल्टी बताकर 4 लाख में छोड़ने का सौदा शिकायतकर्ता के अनुसार, वह उसी रात एळ्ड सुरेंद्र पूनिया से मिला। आरोप है कि अधिकारी ने गाड़ी पर 10 लाख रुपए की पेनल्टी बनने की बात कही और 4 लाख रुपए में गाड़ी छोड़ने का सौदा किया। इसके बाद 14 अगस्त को सेक्टर-11 स्थित पीजी में मुलाकात हुई। दो लाख पहले और दो लाख बाद में देने को कहा शिकायत के मुताबिक, सुरेंद्र पूनिया ने दो लाख रुपए 15 अगस्त के बाद देने और बाकी दो लाख रुपए दो-चार दिन बाद देने को कहा। साथ ही भरोसा दिया कि इसके बाद कंपनी की गाड़ी नहीं रोकी जाएगी। इस दौरान अधिकारी का ड्राइवर राम बाबू भी उसके साथ मौजूद रहता था। शिकायतकर्ता ने रिश्वत मांगने की बातचीत की रिकॉर्डिंग भी एसीबी को उपलब्ध कराई। एक लाख रुपए लेते ड्राइवर गिरफ्तार शिकायत मिलने के बाद एसीबी फरीदाबाद की टीम ने ट्रैप की कार्रवाई की। शिकायतकर्ता एक लाख रुपए रिश्वत की रकम लेकर आरोपी अधिकारी के कार्यालय पहुंचा। आरोप है कि वहां मौजूद ड्राइवर राम बाबू ने अधिकारी की ओर से एक लाख रुपए लिए। एसीबी टीम ने उसे रिश्वत की रकम के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया और रकम बरामद कर ली। दोनों आरोपियों पर मामला दर्ज एसीबी ने मामले में सुरेंद्र पूनिया और राम बाबू को गिरफ्तार कर लिया है। इस संबंध में थाना राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, फरीदाबाद में 25 अगस्त को एफआईआर नंबर 19 दर्ज की गई है। पुलिस ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच अभी जारी है। आरोपी से पूछताछ में जुटी टीम गिरफ्तारी के बाद ACB अधिकारियों ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है। टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि रिश्वत की मांग किन परिस्थितियों में की गई थी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि मामले में कोई अन्य व्यक्ति शामिल है या नहीं। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई जारी हरियाणा राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की फरीदाबाद रेंज की कार्रवाई के बाद विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्टाचार से जुड़ी शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया की जा रही है।

गुरुग्राम में सोहना रोड पर मिला व्यक्ति का नग्न शव

दुकानदार ने डेडबॉडी देख बुलाई पुलिस; नहीं हुई पहचान

प्रातः किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले के सोहना-पलवल रोड पर सोमवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का नग्न शव मिला। शव एक कच्चे रास्ते पर पड़ा हुआ था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लिया और मामले की जांच शुरू की। पुलिस को दिए बयान में, गांव लाखुवास निवासी 57 वर्षीय मुकेश पुत्र महावीर सिंह ने बताया कि सोहना-पलवल रोड पर उनका ह्यश्री श्याम प्रॉपर्टीजह्न नाम से कार्यालय है। सोमवार सुबह करीब 8 बजे जब वह अपने कार्यालय पहुंचे, तो उन्हें कार्यालय के सामने कच्चे रास्ते पर एक व्यक्ति का शव पड़ा मिला। केवल चेहरा बनियान से ढका था मुकेश के अनुसार, शव नग्न अवस्था में था और उसका चेहरा बनियान से ढका हुआ था। गुप्तांग पर आसमानी रंग का रुमाल रखा था। मुकेश ने बताया कि उन्हें एक अज्ञात महिला ने शव के बारे में सूचना दी थी। उन्होंने तुरंत अपने कार्यालय से चादर लाकर शव को ढका और पुलिस को सूचित किया। शव की पहचान करने में जुटी पुलिस पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस शव की पहचान कराने के साथ-साथ उसकी मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी है। यह दुर्घटना थी, हत्या या किसी अन्य परिस्थिति में मौत हुई, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

गुरुग्राम में युवक का किया मर्डर

परिवार ने 2 दोस्तों पर जताया हत्या का शक, सड़क किनारे मिला लहूलुहान शव

प्रातः किरण संवाददाता

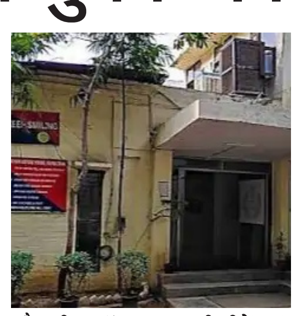

गुरुग्राम ।के उद्योग विहार थाना क्षेत्र में एक 33 वर्षीय युवक की नुकीली चीज से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान डूंडाहेड़ा गांव के रहने वाले हरिजीत कुमार के रूप में हुई है। उसका लहूलुहान शव ओल्ड दिल्ली रोड पर स्थित पार्क अस्पताल के पास से बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीमों ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों ने उसके ही दो दोस्तों पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार राहगीरों ने ओल्ड दिल्ली रोड पर पार्क अस्पताल के पास एक युवक का शव पड़ा देखा। शव पूरी तरह खून से लथपथ था। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना नियंत्रण कक्ष को दी। सूचना मिलते ही उद्योग विहार थाना पुलिस, एफएसएल और सीन ऑफ क्राइम की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। शुरूआती जांच और शव के निरीक्षण से पता चला कि युवक पर किसी बेहद नुकीली चीज से ताबड़तोड़ वार किए गए थे, जिससे अत्यधिक खून बहने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। नशे की लत छुड़ाने के लिए भेजा था दिल्लीपरिजनों ने बताया कि 33 वर्षीय हरिजीत कुमार कोई कामकाज नहीं करता था और वह ज्यादा नशा करने का आदी था। उसकी इस लत से पूरा परिवार बेहद परेशान रहता था। उसे सुधारने और नशा छुड़वाने के लिए परिवार के लोगों ने काफी प्रयास किए थे। उन्होंने कई बार हरिजीत को दिल्ली के एक बड़े नशा मुक्ति केंद्र में भी भर्ती कराया था। अभी करीब 6 महीने पहले ही वह इस नशा मुक्ति केंद्र से अपना इलाज पूरा कर वापस घर लौटा था, लेकिन उसकी संगति नहीं सुधरी। दोस्तों पर लगा हत्या का आरोप इस मामले में मृतक के परिवार वालों ने हरिजीत के 2 दोस्तों हरकेश और मोनू नेपाली पर हत्या करने और शव को सड़क किनारे फेंकने का शक जताया है। परिजनों का कहना है कि सोमवार सुबह हरिजीत ने घर पर जानकारी दी थी कि वह अपने इन्हीं दोनों दोस्तों के साथ कहीं बाहर घूमने के लिए जा रहा है। इसके बाद से उसका कुछ पता नहीं चला और शाम को उसकी हत्या की खबर सामने आई। परिवार को शक है कि किसी बात पर हुए विवाद के बाद दोनों ने मिलकर हरिजीत को मौत के घाट उतार दिया। आरोपियों की तलाश में पुलिस की छापेमारी उद्योग विहार थाना पुलिस ने बताया कि पीड़ित परिवार के बयान के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर उसे परिजनों को सौंप दिया है।

गुरुग्राम में वाटर इंजेक्शन वेल-अंडरग्राउंड टैंक बनाने की तैयारी

जलभराव का होगा स्थायी समाधान; निगम ने क्व्ळ्ळ विशेषज्ञों से की चर्चा

प्रातः किरण संवाददाता

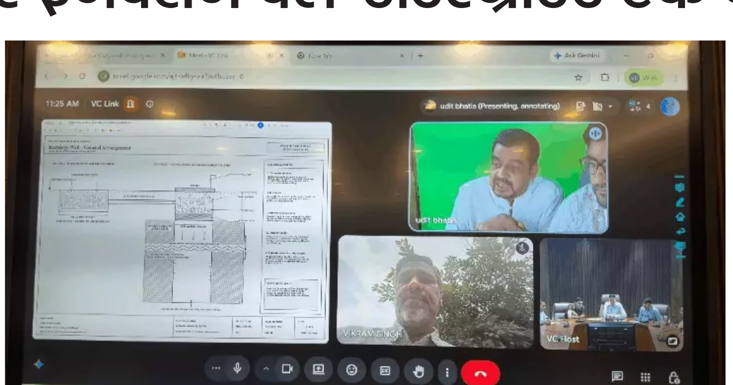

गुरुग्राम। में जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए नगर निगम गुरुग्राम (MCG) ने तकनीकी स्तर पर प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने आईआईटी गांधीनगर के प्रोफेसर उदित भाटिया और प्रोफेसर विवेक कपाड़िया के साथ एक वर्चुअल बैठक की। बैठक में नगर निगम गुरुग्राम और जीएमडीए के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ पार्षद भी शामिल हुए। इसमें शहर के जलभराव संभावित क्षेत्रों में स्थायी और प्रभावी समाधान विकसित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। संवेदनशील क्षेत्रों को दी प्राथमिकता बैठक में सुभाष चौक, राजीव चौक, मेदांता अंडरपास और शीतला माता रोड जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को प्राथमिकता दी गई। इन स्थानों पर बारिश के दौरान जल जमाव के बेहतर प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीक आधारित व्यवस्थाएं विकसित करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों और विशेषज्ञों ने जल निकासी के साथ-साथ बारिश के पानी के संग्रहण और भूजल रिचार्ज की संभावनाओं पर भी विचार किया। वाटर इंजेक्शन वेल स्थापित करने की योजना चर्चा के दौरान 48 से 80 लीटर प्रति सेकंड क्षमता वाले वाटर इंजेक्शन वेल स्थापित करने की योजना पर बात हुई। इसके अतिरिक्त, अंडरग्राउंड वाटर स्टोरेज टैंक बनाने के प्रस्ताव पर भी मंथन किया गया। इन व्यवस्थाओं का मुख्य उद्देश्य बारिश के पानी को नियंत्रित तरीके से संग्रहित करना, उसकी निकासी को बेहतर बनाना और जलभराव वाले क्षेत्रों में जल निकासी व्यवस्था पर पड़ने वाले दबाव को कम करना है। समय सीमा में लक्ष्य तय करने पर जोर निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने प्रस्तावित कार्यों के लिए एक वर्ष की समय-सीमा निर्धारित कर उन्हें पूरा करने का लक्ष्य तय करने पर जोर दिया। उन्होंने तकनीकी विशेषज्ञों और संबंधित अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय के साथ एक ठोस कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने यह भी बताया कि प्रस्तावित व्यवस्थाओं की क्षमता आने वाली बरसात की मौजूदा जरूरत से लगभग तीन गुना अधिक रखी जाएगी। स्थायी और तकनीक आधारित व्यवस्था जरूरी निगमायुक्त ने कहा कि गुरुग्राम जैसे तेजी से विकसित हो रहे शहर में जलभराव का समाधान केवल बारिश के समय पंप लगाकर पानी निकालने तक सीमित नहीं रह सकता। इसके लिए स्थायी और तकनीक आधारित व्यवस्था जरूरी है। नई व्यवस्थाओं से जलभराव की समस्या कम होने के साथ भूजल रिचार्ज को बढ़ावा मिलेगा और ड्रेनेज सिस्टम पर दबाव भी कम होगा। बैठक में ये अधिकारी रहे शामिल बैठक में अतिरिक्त निगमायुक्त यश जालुका और रविन्द्र यादव, पार्षद विकास यादव, कुलदीप यादव व अनूप सिंह, कार्यकारी अभियंता तुषार यादव व विक्रम कलकल, सहायक अभियंता सुनील सैनी और कनिष्ठ अभियंता प्रियदीप सोनी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कृषि विभाग के फील्ड कर्मचारियों पर काम का दबाव

फरीदाबाद जिले में पटवारियों के हड़ताल पर जाने के बाद उनके काम को कृषि विभाग के फील्ड कर्मचारियों को सौंपे जाने से कर्मचारियों में नाराजगी बढ़ गई है। कृषि विभाग के फील्ड कर्मचारियों ने विभाग के इस फैसले का विरोध करते हुए साफ कहा है कि पटवारियों का काम उनके विभाग का नहीं है और सिर्फ एक दिन की ट्रेनिंग देकर उन्हें राजस्व विभाग से जुड़े काम की जिम्मेदारी देना उचित नहीं है। कर्मचारियों ने एकजुट होकर अधिकारियों के सामने अपनी नाराजगी जाहिर की और लिखित रूप से भी अपनी आपत्ति दर्ज कराई। जबरन काम सौंपा जा रहा कृषि विभाग के कर्मचारियों का कहना है कि पटवारी हड़ताल पर हैं, इसलिए विभाग ने उनके काम को पूरा करने के लिए कृषि विभाग के फील्ड कर्मचारियों को जिम्मेदारी दे दी है।

फरीदाबाद के सेक्टर-61 में बनेगा नगर वन 10 एकड़ में लगाए जाएंगे 42 हजार पौधे, अधिकारियों ने किया निरीक्षण, सुरक्षा दीवार भी बनाई जाएगी

फरीदाबाद। शहर को हरा-भरा बनाने के लिए सेक्टर-61 में नगर वन विकसित किया जाएगा। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (ल्तरश्ढ) के सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर संदीप दहिया ने अधिकारियों और टीम के साथ सेक्टर-61 और 62 की डिवाइडिंग रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर वन विकसित करने की योजना को लेकर मौके का जायजा लिया गया। संदीप दहिया ने बताया कि सेक्टर-61 की ग्रीन बेल्ट में करीब 10 एकड़ जमीन पर नगर वन विकसित करने की योजना है। इस जमीन पर बड़ी संख्या में पेड़ लगाए जाएंगे। यदि आसपास और जमीन उपलब्ध होती है तो नगर वन का क्षेत्र बढ़ाया जा सकता है। इससे शहर में हरियाली बढ़ाने के साथ लोगों को स्वच्छ वातावरण भी मिलेगा।

बांग्लादेश मक्का समझौते में शामिल होगा?

असद मिर्जा

यूएई-इजरायल धुरी से आगे बढ़कर खाड़ी साझेदारों के साथ गहरी सुरक्षा जुड़ाव, चुनावों के अपने आप सब कुछ सुलझाने का इंतजार करने के बजाय ढाका की अंतरिम सरकार तक निरंतर पहुंच, और तुर्की की महत्वाकांक्षाओं को जाने-पहचाने पाकिस्तान वाले खांचे में समेटने के बजाय उनका स्पष्ट आकलन। यह क्षेत्र दिल्ली के आगे बढ़ने का इंतजार नहीं कर रहा, और, ऐसा लगता है, बांग्लादेश भी नहीं। बंग्लादेश का कहना है कि वह सऊदी-तुर्की-पाकिस्तान रक्षा समझौते में शामिल होने के लिए खुला है। यह शब्द चयन बहुत कुछ कह जाता है। यह हस्ताक्षर नहीं है, लेकिन कुछ भी नहीं भी नहीं है- और भारत के लिए, यह दो वर्षों से चल रहे एक बदलाव की पुष्टि करता है। कूटनीति में शब्दों का महत्व होता है, और बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर ने अपने शब्द सोच-समझकर चुने। यह पूछे जाने पर कि क्या ढाका मक्का संयुक्त रक्षा समझौते- जो समझौता सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने 7 अगस्त को हस्ताक्षरित किया- में शामिल होगा, कबीर ने नहीं नहीं कहा। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश अपने हितों को ध्यान में रखते हुए इस विकल्प पर विचार करेगा। यह उस देश की भाषा है जो दरवाजा अधखुला रख रहा है, बंद नहीं कर रहा। समझौता अपने आप में स्पष्ट है। सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने प्रतिबद्धता जताई है कि एक पर हमला सभी पर हमला माना जाएगा - यह एक तरह का आर्टिकल 5 जैसा प्रावधान है, जो पिछले सितंबर हस्ताक्षरित सऊदी-पाकिस्तान रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर आधारित है। मिस्र इस विचार पर बिना प्रतिबद्ध हुए बहस कर रहा है, क्योंकि उसे ग्रीस और साइप्रस के साथ अपनी उलझनों की चिंता है। बांग्लादेश अब सार्वजनिक रूप से रुचि जताने वाला दूसरा देश है। मुश्किल से दो हफ्ते पुराने गुट के लिए, यह दिल्ली में किसी भी अनुमान से कहीं तेज खिंचाव है। यह सब अचानक नहीं हुआ। बांग्लादेश में तुर्की की मौजूदगी मक्का समझौते के अस्तित्व में आने से बहुत पहले से बढ़ रही थी। अंकारा अब ढाका को सैन्य उपकरण आपूर्ति करने वाला चौथा सबसे बड़ा देश है। पिछले साल के अंत में, पाकिस्तान की सेना ने बांग्लादेशी कर्मियों को प्रशिक्षण देना शुरू किया- 1971 के बाद पहली ऐसी व्यवस्था, जो उस देश में स्पष्ट महत्व रखती है जिसका स्थापना-युद्ध ही पाकिस्तान के खिलाफ लड़ा गया था। बताया जाता है कि तुर्की की खुफिया एजेंसी ने जमात-ए-इस्लामी के ढाका कार्यालय के नवीनीकरण को वित्तपोषित किया है और इस्लामवादी नेताओं की तुर्की के हथियार सुविधाओं की यात्राओं की व्यवस्था की है। विवरण चाहे जो भी हों, पैटर्न स्पष्ट हैः अंकारा ने दो वर्षों में ढाका में ऐसे रिश्ते बनाए हैं जिन्हें एक रक्षा समझौता महज औपचारिक रूप दे रहा है। यही कारण है कि भारतीय टिप्पणीकार अब पाकिस्तान को अकेला कारक मानने के बजाय तुर्की को अधिक तत्काल समस्या के रूप में देखने लगे हैं। कुछ विश्लेषकों का यह कहना कि तुर्की दक्षिण एशियाई विमर्श में ह्यनया ईरानह्ल बनता जा रहा है, यह दशार्ता है कि दिल्ली का रणनीतिक हलका अंकारा के बारे में किस तरह बात कर रहा है- एक स्वतंत्र स्वभाव वाले दूर के नाटो सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि भारत के पूर्वी पड़ोस को नया आकार देने वाले सक्रिय खिलाड़ी के रूप में। यह चिंता की एक नई श्रेणी है, जो दशकों से चली आ रही भारत-पाकिस्तान की सोच में ठीक से फिट नहीं बैठती। यह पुरानी झुंझलाहटों से ज्यादा क्यों चुभता है, इसकी वजह भूगोल है। पाकिस्तान भारत के पश्चिम में है, ऐसी सीमा के पार जिसे भारत ने पचास वर्षों से रोकथाम, कूटनीति और महज जान-पहचान के जरिए संभालना सीखा है। बांग्लादेश भारत के पूर्व में है, भारत के सबसे संवेदनशील हिस्से के चारों ओर लिपटा हुआः चिकन नेक कॉरिडोर, जो पूर्वोत्तर को शेष भारत से जोड़ता है, और विद्रोह-प्रवण राज्यों की एक पट्टी जो शांत बने रहने के लिए ढाका के सहयोग पर निर्भर रही है। भारत ने इस मोर्चे के अमित्र हो जाने के लिए गंभीर आकस्मिक योजना नहीं बनाई, क्योंकि शेख हसीना के पंद्रह वर्षों के शासन में उसे इसकी जरूरत नहीं पड़ी। अगस्त 2024 में हसीना की सत्ता से बेदखली ने इस धारणा को रातोंरात खत्म कर दिया। चाहे अंकारा, इस्लामाबाद और ढाका की अंतरिम सरकार विशेष रूप से भारत के खिलाफ समन्वय कर रहे हों या नहीं, व्यावहारिक नतीजा भारत की पूर्वी सीमा पर एक ऐसी सुरक्षा संरचना है जिसे भारत ने न डिजाइन किया, न नियंत्रित करता है, और न ही किसी अलग युग के लिए बने औजारों से आसानी से रोक सकता है।

नीति आयोग की रिपोर्ट और 2047 का भारत

प्रधानमंत्री मोदी आज के हालात सुधारने की जगह या तो हजार साल पुराने भारत की बात करते हैं या फिर 2047 की बात करते हैं। योजना आयोग की जगह उन्होंने जो नीति आयोग बनाया है, उसकी भी हालिया रिपोर्ट रिइमैजिनिंग स्किलिंग फॉर विकसित भारत एट 2047 है, यानी 2047 में विकसित भारत के लिए कौशल विकास (स्किलिंग) की पुनर्कल्पना। मोदी चाहते हैं कि 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, देश की मौजूदा कौशल प्रशिक्षण और शिक्षा प्रणाली में नए सिरे से बड़े और प्रभावी बदलाव किया जाए। इसी पर नीति आयोग ने पूरी रिपोर्ट बना दी है कि किस तरह कौशल विकास स्कूलों से शुरू हो, डिजिटल स्किल्स पासपोर्ट हो यानी अलग-अलग जगहों से हासिल स्किल्स और ट्रेनिंग को डिजीटली दर्ज किया जाए, ताकि नौकरी या शिक्षा में उसका उपयोग हो, आईटीआई और पॉलिटेक्निक को स्थानीय उद्योगों के मुताबिक लचीला बनाया जाए, महिलाओं के लिए रोजगार के मौके और स्किल ट्रेनिंग के लिए लचीली व्यवस्था हो। कई तरह के सुझाव नीति आयोग की रिपोर्ट में हैं। लेकिन इन का जमीन असर पर तो तभी दिखाई देगा, जब आज के हालात सुधारे जाएं। क्योंकि नौकरी, रोजगार, स्किल ट्रेनिंग आदि के जो आंकड़े नीति आयोग ने पेश किए हैं, उनमें मोदी सरकार की असलियत सामने आ गई है कि पिछले बारह सालों में उसने देश को कितना पीछे धकेल दिया है। 2014 में नरेन्द्र मोदी ने वादा किया था कि हर साल दो करोड़ रोजगार देंगे। इस हिसाब से अब तक 24 करोड़ लोगों को रोजगार मिल जाना चाहिए था। लेकिन नीति आयोग बता रहा है कि भारत की करीब आधी आबादी तो मजदूरी करती है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 65.4 करोड़ (यानी कुल 145 करोड़ की 45.1 प्रतिशत) आबादी मजदूरी करती है। इनमें 8.4 प्रतिशत कार्यबल तो अपना काम करने वाले (स्वरोजगार) हैं, 21.7 प्रतिशत लोगों के पास नियमित वेतन वाली नौकरी है, जबकि 19.8 प्रतिशत लोग दिहाड़ी मजदूरी का काम करते हैं। वहीं 79.6 करोड़ यानी 54.9 प्रतिशत लोग मजदूर वर्ग से बाहर हैं। इनमें 29.1 करोड़ छात्र हैं, वहीं 59 साल से अधिक या 5 साल से कम उम्र के 27 करोड़ लोग हैं और 14.7 करोड़ अन्य शामिल हैं। लेकिन इस रिपोर्ट में युवाओं के बारे में जो बताया गया है वो बेहद चौंकाने वाला है, नीति आयोग बताता है कि करीब साढ़े आठ करोड़ युवा न पढ़ रहे हैं, न नौकरी कर रहे हैं, न किसी किस्म का प्रशिक्षण ले रहे हैं। नीति आयोग का अनुमान है कि 15 से 29 साल की उम्र के 8.7 करोड़ युवा न तो पढ़ाई कर रहे हैं, न ही नौकरी या ट्रेनिंग में हैं। इनमें से लगभग 88 प्रतिशत युवा घर के कामों में लगे हैं। साथ ही, युवाओं में बेरोजगारी दर 15.6 प्रतिशत है, जिनमें युवतियों की संख्या 19.5 प्रतिशत तक है। जिस देश में करीब 9 करोड़ युवा न पढ़ रहे हैं, न नौकरी कर रहे हैं न किसी तरह का प्रशिक्षण ले रहे हैं, उस देश के लिए कैसा खतरनाक भविष्य तैयार हो रहा है, यह समझना कठिन नहीं है। युवा शक्ति के दम पर ही भविष्य के सपने बुने जाते हैं। लेकिन खाली बैठे हताश नौजवान क्या सपनों को जीने लायक बच रहे हैं, यह सवाल अब मोदी सरकार से किया जाना चाहिए। अच्छी बात है कि देश में शिक्षा प्रणाली में सुधार, परीक्षा व्यवस्था की खामियां, बेरोजगारी, सरकारी नौकरियों में भर्ती की धांधलियां ऐसे बेहद जरूरी विषयों पर आम जनता के बीच चर्चा तेज हो गई है। मई में नीट का पेपर लीक होने के बाद शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था की गड़बड़ियों पर सवाल उठने शुरू हुए और अब अगस्त खत्म होने तक ये सवाल खत्म नहीं हुए हैं, दबाए नहीं जा सके हैं बल्कि तेज होते जा रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों के बच्चे तो पूरी स्पष्टता के साथ अपनी बात सामने रख ही रहे हैं, उनके अभिभावक भी अब उनके साथ उठ खड़े हुए हैं। इसकी बेचैनी सत्तारुढ़ वर्ग में साफ देखी जा सकती है।

राख से उठकर फिर से सजा अंबा विलास....

मैसूर पैलेस जिसे अंबा विलास पैलेस भी कहा जाता है। यह वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना और देश की सबसे शानदार संरचनाओं में से एक है, जिसे नजदीक से देखना एक बेहद सुखद एवं अद्भुत अनुभव है। इसे अंबा विलास के नाम से भी जाना जाता है। वाडियार साम्राज्य ने इस जगह को नयी पहचान दिलाई, जो उनके शाही विलास की एक बेमिसाल छाप है। इसकी भव्य इंडो-सारसेनिक वास्तुकला, सुंदर गुंबद और बारीक नक्काशी देखकर ऐसा लगता है जैसे किसी पुराने शाही युग में आ गए हों, यह पैलेस वाकई इतिहास, कला और शाही संस्कृति का एक अनूठा संगम है, जो अपनी भव्यता से हर किसी के मन में यादगार लम्हे छोड़ जाता है। इसकी भव्यता, इतिहास और परंपराए पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। दशहरा उत्सव और हर रविवार को लगभग 1,00,000 बल्बों से जगमगाने वाला यह महल दूर से ही अपनी अद्भुत सुंदरता बिखेरता है। यह महल हिंदू, मुगल, राजपूत और गोथिक शैलियों का अनूठा मिश्रण है। इसकी सुनहरी छतें, बेल्जियम के कांच के गुंबद, और भव्य दरबार हॉल आज भी शाही शान का अहसास कराते हैं।

रामाधार प्रसाद
लेखक

इतिहास केवल जीर्ण-शीर्ण इमारतों की दास्तान नहीं होता, बल्कि वह उन अदम्य प्राण-तत्वों की कहानी है जो हर आपदा के बाद और अधिक चमक के साथ लौटते हैं। कर्नाटक की सांस्कृतिक राजधानी मैसूर के हृदय-स्थलों पर जब वर्ष 1897 में एक भीषण अग्निकांड ने प्राचीन राजमहल को अपनी लपटों में समेटकर राख के ढेर में बदल दिया था, तब किसी ने नहीं सोचा था कि यह धंसती हुई राख अपने गर्भ से ऐसी भव्यता को जन्म देगी, जो सदियों तक दुनिया को चकाचौंध कर देगी। वाडियार राजवंश की इष्टदेवी अंबा के नाम पर समर्पित यह वही अंबा विलास यानी मैसूर पैलेस है, जिसे ब्रिटिश वास्तुकार हेनरी इर्विन ने इंडो-सरसेनिक वास्तुकला की स्वर्णिम शैली में पक्का और अलौकिक स्वरूप दिया। आज जब यह तीन मंजिला ग्रेनाइट और गुलाबी गुंबदों वाला राजमहल रोशनी के हजारों दीपों और हीरों सी चमकती लगभग एक लाख लाइटों से जगमगाता है, तो यह सिर्फ पत्थरों और कांच का महल नहीं लगता, बल्कि यह उस कालजयी संकल्प का जीवंत प्रतीक बन जाता है, जो विनाश की राख से उठकर शान से दोबारा संवरना जानता है।

मैसूर पैलेस की अनकही और दिलचस्प दास्तां

जी, हां... हम मैसूर पैलेस की बात कर रहे हैं, जिसे अंबा विलास पैलेस भी कहा जाता है, यह एक भव्य ऐतिहासिक महल है। यह वाडियार राजवंश का शाही निवास था। वर्तमान इमारत का निर्माण 1912 में 41 लाख रुपये की लागत से पूरा हुआ था। इसे ब्रिटिश वास्तुकार हेनरी इरविन ने इंडो-सारासेनिक शैली में डिजाइन किया था। अपने स्थाई निर्माण के बाद भी, मैसूर पैलेस में कई नए इमारतें जोड़े गए। दरअसल, यहां मूल रूप से एक लकड़ी का महल था, जिसका निर्माण चौदहवीं शताब्दी के अंत में वाडियार वंश के पहले राजा यदुराय वाडियार ने किया था। वहीं, पंद्रहवीं शताब्दी के मध्य तक मैसूर विजयनगर राजाओं में अधीन आने के बावजूद इस महल की चकाचौंध में कोई कमी नहीं आई, हालांकि, आग में झुलसने और बिजली गिरने जैसी आपदाओं के कारण, इसका कई बार पुनर्निर्माण हुआ। तालिकोट के युद्ध के बाद जब वाडियार एक बार फिर वापस आये, मैसूर पैलेस में कई छोटे-मोटे इमारतें जुड़नी लगीं थी, ये सिलसिला सन 1760 के दशक तक कायम रहा, जब मैसूर सल्तनत का उदय हुआ, जो श्रीरंगपटनम से अपना राज चलाते थे। इनके सुल्तानों ने मैसूर पैलेस के साथ-साथ कई शाही इमारतों को भी ध्वस्त किया।मगर सन 1799 के आंगल-मैसूर युद्ध के बाद जब वडियार शासकों ने अंग्रेजों के अधीन फिर से शासन किया, तब मैसूर एक बार फिर राजधानी बनीं और सन 1800 से लेकर 1803 तक पत्थरों, ईंटों और लकड़ी से एक महल का निर्माण हुआ। हालांकि उन्नीसवीं शताब्दी की शुरूआत में बनाया गया मैसूर पैलेस लगभग एक सदी तक वडियार शासकों का गढ़ तो रहा, लेकिन जल्दबाजी में बनाया गया यह महल ज्यादा दिनों तक नहीं टिक पाया। अगस्त 1897 में चमराजा वाडियार की बड़ी बेटी की शादी के अवसर पर आग लगने से पूरा महल क्षतिग्रस्त हो गया था। आखिरकार उसी वर्ष, कृष्णराजा वाडियार-चतुर्थ की राजमाता कैम्पानंजमणि की देखरेख में मैसूर पैलेस के मौजूद रूप को आकार मिला, जिसको मुमकिन अंग्रेजी वास्तुकार हेनरी इरविन और अभियंता ई डब्ल्यू फ्रिच्ली ने किया इरविन ने दिल्ली, मद्रास और कलकत्ता की यात्राएं भी की, जहां पर उन्होंने भारतीय वास्तुकला के कुछ गुर सीखकर उन्होंने मैसूर पैलेस में ढाला। फिर 41,47,913 रुपये की लागत से मैसूर पैलेस सन 1912 में बनकर तैयार हुआ था।

राजसी शान और इतिहास का अद्भुत संगम

यह पैलेस वास्तुकला का एक अद्भुत नमूना और देश की सबसे शानदार संरचनाओं में से एक है, जिसे नजदीक से देखना एक बेहद सुखद एवं अद्भुत अनुभव है। इसे अंबा विलास के नाम से भी जाना जाता है। वाडियार साम्राज्य ने इस जगह को नयी पहचान दिलाई, जो उनके शाही विलास की एक बेमिसाल छाप है। इसकी भव्य इंडो-सारसेनिक वास्तुकला, सुंदर गुंबद और बारीक नक्काशी देखकर ऐसा लगता है जैसे किसी पुराने शाही युग में आ गए हों, यह पैलेस वाकई इतिहास, कला और शाही संस्कृति का एक अनूठा संगम है, जो अपनी भव्यता से हर किसी के मन में यादगार लम्हे छोड़ जाता है। इसकी भव्यता, इतिहास और परंपराए पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। दशहरा उत्सव और हर रविवार को लगभग 1,00,000 बल्बों से जगमगाने वाला यह महल दूर से ही अपनी अद्भुत सुंदरता बिखेरता है। यह महल हिंदू, मुगल, राजपूत और गोथिक शैलियों का अनूठा मिश्रण है। इसकी सुनहरी छतें, बेल्जियम के कांच के गुंबद, और भव्य दरबार हॉल आज भी शाही शान का अहसास कराते हैं।

शाही संग्रहालय : ऐतिहासिक अवशेषों का एक अद्भुत संग्रह

मैसूर पैलेस के अंदर बना शाही आवासीय संग्रहालय वोडेयार राजवंश की भव्य जीवनशैली और ऐतिहासिक अवशेषों का एक अद्भुत संग्रह है। संग्रहालय में तैनात कर्मी ने संग्रहालय में मौजूद अभिलेखों व संग्रहों से मीडिया प्रतिनिधियों को रूबरू कराया। यहां पुराने पारिवारिक चित्र, बच्चों के खिलौने, शिकार के स्मृति चिन्ह प्रदर्शित हैं। इसके साथ ही महाराजाओं के समय के चांदी के सिंहासन, शाही वस्त्र, पारंपरिक वाद्ययंत्र और रसोई के बर्तन रखे गए हैं। महल की दीवारों पर 1940 के दशहरा जुलूस और शाही परिवार की दुर्लभ ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीरें सुसज्जित हैं। यहाँ सोने के पत्तरों से सजे नक्काशीदार खंभे, रंगीन कांच की खिड़कियां और पुरानी शैली का फर्नीचर पर्यटकों को आकर्षित करता है। इसके अलावा, यहां पुरानी हथियारों की दीर्घा और शिकार के दौरान मिलने वाली ट्रॉफियों का शानदार संग्रह भी मौजूद है। राजा के शिकार से जुड़े संग्रहों को देखना काफी रोचक और अनुभवा वाला रहा।

आज भी कायम है वाडियार राजवंश का वैभव

वाडियार राजाओं ने 14वीं सदी से सदियों तक मैसूर साम्राज्य पर शासन किया और कला, संस्कृति व आधुनिकता को बढ़ावा दिया। गौरतलब है कि वाडियार राजघराने ने 1399 से मैसूर पर राज करना शुरू किया था। आज भी यह राजपरिवार मैसूर की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं से जुड़ा हुआ है और इस राजवंश का वैभव आज भी कायम है। इसके बावजूद इतिहास में मैसूर पैलेस से जुड़े वाडियार साम्राज्य के योगदान को अक्सर टीपू सुल्तान और हैदर अली के संक्षिप्त काल की तुलना में कमतर आंका जाता है, जबकि उनका शासनकाल छह शताब्दियों से अधिक का रहा है। यह भारत में सबसे लंबे समय तक शासन करने वाले राजघराने में एक है। इस वंश के राजाओं ने मैसूर को एक सुव्यवस्थित और आधुनिक राज्य बनाया। वाडियार राजवंश ने मैसूर के निर्माण, आधुनिकीकरण और लोक कल्याण में गहरा योगदान दिया है, जिसे अक्सर हैदर अली और टीपू सुल्तान के नाटकीय सैन्य संघर्षों के मुकाबले कमतर आंक लिया जाता है।

पैलसे से जुड़ी रोचक व खास बातें

मैसूर पैलेस भ्रमण के दौरान वहां के जानकार रूपेश ने मीडिया प्रतिनिधियों को पैलेस से जुड़े महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पहलूओं के बारे में सरल, स्पष्ट और विस्तार से बताया। उनके गााइड से पैलेस के इतिहास और उनसे जुड़े तथ्यों को जानना रोंचक और ज्ञानवर्धक रहा। बातचीत के क्रम उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से मैसूर पैलेस से जुड़े कोई राजा का नाम बताने को कहा? जवाब आया- टीपू सुल्तान। एक अन्य सहयोगी ने कहा हैदर अली। यह सुनकर वह थोड़ा असहज हुए और मुस्कराते हुए व्यंगाकात्मक लहजे में कहा अक्सर यही दो नाम सुनने को मिलते हैं। इसमें कोई अचरज की बात नहीं। शायद मीडिया प्रतिनिधियों से कुछ इतर सुनने की उम्मीद थी। उनके चेहरे से उनकी पीड़ा का भाव स्पष्ट झलक रहा था। आखिरकार, बगैर किसी का नाम लिए उन्होंने सारी बातें बताई, जो वह बताना चाह रहे थे। व्यथित स्वर में बताया- मैसूर सम्राज्य पर करीब छह दशक से अधिक साल तक शासन करने वाले राजवंश की जगह किसी खास वंश के राजाओं को तरजीह दिया गया और प्रचारित किया गया, जो बेहद दुखद और अफसोसजनक है। ऐसा इसलिए कि लोगों के सामने ऐसा ही इतिहास परोसा गया। हालांकि, इससे इतर पैलेस से संबंधित सही तथ्यों और वास्तविक इतिहास की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का उनका प्रयास निरंतर जारी है।

रोचक और ज्ञानवर्धक मीडिया टूर

अतएव, यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि कर्नाटक का मीडिया टूर ऐतिहासिक मैसूर पैलेस की भव्यता, समृद्ध संस्कृति, चामुंडी पहाड़ियों की सुंदरता और स्थानीय खान-पान के अनूठे अनुभवों के साथ बेहद रोचक, ज्ञानवर्धक और यादगार रहा। अगर आप भी कहीं ऐसी जगह घूमना चाहते हैं, जहां आपको भव्यता के साथ-साथ आलीशान बगीचे और शाही अंदाज का लुत्फ उठाने को मिले, तो फिर मैसूर आपके लिए सबसे बेहतर है। शाही अंदाज और भव्यता का अनुभव करने के लिए यह वाकई एक बेहतरीन और शानदार जगह है। खासकर! मैसूर पैलेस जो भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और वास्तुकला की चमक का एक प्रमाण है।

छात्रों की आवाज लोकतंत्र की ताकत है - तिरंगा आंदोलन की ढाल नहीं

इस दृष्टि से छात्र आंदोलनों का भारतीय लोकतंत्र में अपना विशेष महत्व रहा है। छात्र समाज का वह वर्ग है, जो देश के भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। शिक्षा, रोजगार, परीक्षा व्यवस्था, फीस, छात्रवृत्ति, विश्वविद्यालयों की व्यवस्था और भविष्य की अनिश्चितता जैसे मुद्दे जब छात्रों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर करते हैं, तो उनकी आवाज को सुना जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। छात्रों की आवाज को राजनीतिक समर्थन मिलना अपने आप में लोकतंत्र की कमजोरी नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। राजनीतिक दल जनसमस्याओं को उठाते हैं, आंदोलनों के साथ खड़े होते हैं और सरकार पर दबाव बनाते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब वास्तविक छात्र मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और आंदोलन किसी राजनीतिक दल के शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन जाता है।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

लोकतंत्र केवल चुनाव, सरकार और विपक्ष का नाम नहीं है। लोकतंत्र की असली ताकत उस आवाज में होती है, जो सत्ता के सामने अपनी बात कहने का साहस रखती है। इस दृष्टि से छात्र आंदोलनों का भारतीय लोकतंत्र में अपना विशेष महत्व रहा है। छात्र समाज का वह वर्ग है, जो देश के भविष्य का प्रतिनिधित्व करता है। शिक्षा, रोजगार, परीक्षा व्यवस्था, फीस, छात्रवृत्ति, विश्वविद्यालयों की व्यवस्था और भविष्य की अनिश्चितता जैसे मुद्दे जब छात्रों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर करते हैं, तो उनकी आवाज को सुना जाना लोकतांत्रिक व्यवस्था की जिम्मेदारी है। छात्रों की आवाज को राजनीतिक समर्थन मिलना अपने आप में लोकतंत्र की कमजोरी नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। राजनीतिक दल जनसमस्याओं को उठाते हैं, आंदोलनों के साथ खड़े होते हैं और सरकार पर दबाव बनाते हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है, जब वास्तविक छात्र मुद्दे पीछे छूट जाते हैं और आंदोलन किसी राजनीतिक दल के शक्ति प्रदर्शन का माध्यम बन जाता है। यहीं से प्रशन उठता है कि छात्र आंदोलन को समर्थन देना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन क्या छात्रों की आवाज का राजनीतिक अपहरण भी लोकतांत्रिक अधिकार माना जा सकता है? भारत के इतिहास में छात्र आंदोलनों की लंबी परंपरा रही है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक आंदोलनों तक विद्यार्थियों ने अपनी भूमिका निभाई है। कई बड़े जनआंदोलनों में छात्रों ने अग्रिम पंक्ति में रहकर व्यवस्था को चुनौती दी और सामाजिक बदलाव की दिशा तैयार की। इसलिए आज यदि छात्र अपनी समस्याओं को लेकर आंदोलन करते हैं, तो उसे केवल राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं होगा। उनकी समस्याओं की वास्तविकता को समझना आवश्यक है। लेकिन दूसरी तरफ राजनीतिक दलों की भूमिका को भी पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल जनभावनाओं को राजनीतिक विमर्श में बदलते हैं। वे आंदोलनकारियों की आवाज संसद और विधानसभा तक पहुंचा सकते हैं। वे सरकार को जवाबदेह बनाने में भूमिका निभा सकते हैं। खतरा तब पैदा होता है जब छात्र आंदोलन का नेतृत्व, एजेंडा और दृश्य पूरी तरह राजनीतिक दलों के हाथ में चला जाए। तब आंदोलन छात्र समस्या से अधिक पार्टी कार्यक्रम दिखाई देने लगता है। आंदोलन की आत्मा छात्र हो और राजनीतिक दल उसका समर्थन करें, यह लोकतंत्र है। लेकिन आंदोलन की आत्मा राजनीतिक दल बन जाए और छात्र केवल चेहरा रह जाएं तो यह लोकतंत्र की गंभीर कमजोरी है। हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में छात्र और युवा आंदोलनों ने राजनीतिक बहस को प्रभावित किया है। दिल्ली हो, रांची हो या पटना। जहां भी युवा या छात्र अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरते हैं, वहां राजनीतिक दलों की सक्रियता स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। राजनीतिक दलों के लिए युवा वर्ग स्वाभाविक रूप से महत्वपूर्ण है। युवा मतदाता भविष्य की राजनीति की दिशा तय करता है। इसलिए युवाओं के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने की कोशिश हर राजनीतिक दल करता है। लेकिन यहां लोकतंत्र के सामने एक महत्वपूर्ण चुनौती है। क्या राजनीतिक समर्थन छात्र आंदोलन की ताकत बढ़ा रहा है या धीरे-धीरे आंदोलन की स्वतंत्र पहचान को खत्म कर रहा है? यह प्रशन इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज आंदोलन केवल सड़क पर नहीं होता है। कैमरा, मोबाइल फोन और सोशल मीडिया आंदोलन की तस्वीर को कुछ ही मिनटों में पूरे देश तक पहुंचा देते हैं। आंदोलन में कौन-सा झंडा है, कौन-सा नारा है, कौन आगे चल रहा है और पुलिस की कार्रवाई कैसी है, ये सभी दृश्य राजनीतिक संदेश में बदल जाते हैं। ऐसे में प्रतीकों की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

विकास के नाम पर उजड़ती गांवों की हरियाली

प्रवीण कुमार

राजस्थान का उदयपुर केवल ऐतिहासिक रूप से राजा-महाराजाओं के किला के रूप में ही नहीं बल्कि झीलों, पहाड़ों और हरियाली के लिए भी जाना जाता है। लेकिन शहर के उत्तरी हिस्से में बसे सुखेर गांव की कहानी इस खूबसूरत पहचान के सामने एक गंभीर सवाल खड़ा करती है। अरावली की पहाड़ियों की गोद में बसा यह इलाका कभी शांत वातावरण, खेतों, पेड़-पौधों और मौसमी जलधाराओं से घिरा हुआ था। लेकिन तेजी से फैलते शहरीकरण के कारण सुखेर की तस्वीर बदलने लगी है। पर्यटन के विस्तार के साथ शहर में महंगी होती जमीन के कारण लोगों ने शहर से बाहर की जमीनों की ओर रुख किया। धीरे-धीरे खेतों की जगह मकानों ने ले ली और प्राकृतिक निर्माण की जगह कंक्रीट की इमारतें खड़ी होने लगीं। जिस जमीन पर कभी फसल उगती थी, वहां अब कॉलोनियां दिखाई देने लगी हैं। यह बदलाव केवल जमीन के इस्तेमाल में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उस पूरे पारिस्थितिक तंत्र में बदलाव है जिस पर गांव का जीवन टिका था। सुखेर में बढ़ते निर्माण के साथ पानी पर दबाव भी बढ़ा है। आबादी बढ़ने पर घरेलू जरूरतें बढ़ती है और व्यावसायिक गतिविधियां भी अतिरिक्त पानी मांगती हैं। ऐसे में भूजल पर निर्भरता बढ़ती है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के 2023 के आकलन में उदयपुर शहरी क्षेत्र में भूजल दोहन का स्तर उपलब्ध वार्षिक निकासी योग्य संसाधन के लगभग 99.86 प्रतिशत तक दर्ज किया गया था। यानी शहरी क्षेत्र में भूजल पर दबाव कितना गंभीर है, इसका अंदाजा इस आंकड़े से लगाया जा सकता है। राजस्थान की व्यापक तस्वीर भी बहुत आश्वस्त करने वाली नहीं है। केंद्रीय भूजल बोर्ड के मई 2025 के आकलन में अगस्त 2024 से मई 2025 के बीच विश्लेषित 972 निगरानी केंद्रों में 76 प्रतिशत पर जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई। सुखेर के आसपास औद्योगिक गतिविधियों का विस्तार इस चिंता को और गंभीर बनाता है। विकास और रोजगार के नाम पर जब उद्योग आते हैं तो उम्मीद होती है कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। लेकिन यदि उद्योग स्थानीय आबादी को पर्याप्त रोजगार देने के बजाय हवा, पानी और जमीन पर दबाव बढ़ाए, तो विकास का लाभ और उसकी कीमत दोनों असमान हो जाते हैं। सुखेर औद्योगिक क्षेत्र में ई-कचरा प्रबंधन से जुड़ी अधिकृत इकाइयों का भी सरकारी रिकॉर्ड मौजूद है, जो बताता है कि इस क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियां कितनी विविध हो चुकी हैं। इसकी वजह से पिछले कुछ वर्षों में उदयपुर की वायु गुणवत्ता में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिलता रहता है। सिर्फ हवा ही नहीं, कचरा भी तेजी से बढ़ते शहरीकरण की बड़ी चुनौती है। 2025 के राजस्थान सरकार के अनुपालन संबंधी आंकड़ों में उदयपुर नगर निकाय क्षेत्र में प्रतिदिन लगभग 279.12 टन ठोस कचरा पैदा होने का अनुमान दर्ज है। उसके मुकाबले उपलब्ध प्रसंस्करण व्यवस्था की क्षमता सीमित है। शहर का कचरा जब आसपास के ग्रामीण इलाकों तक पहुंचता है तो उसका असर केवल सौंदर्य पर नहीं पड़ता। खुले में फेंका गया कचरा मिट्टी और जल स्त्रोतों को प्रभावित कर सकता है तथा प्लास्टिक और अन्य अपशिष्ट के कारण स्थानीय पर्यावरण पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है। सुखेर जैसे गांवों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है

संक्षिप्त खबरें

आयुष्मान योजना में दिशानिर्देशों के उल्लंघन पर होगी कड़ी कार्रवाई

लखनऊ। योगी सरकार ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से जुड़े सभी अस्पतालों को योजना के नियमों और आपत्तिजनक कार्यप्रणाली विरोधी दिशानिर्देशों का पालन अनिवार्य रूप से करने के सख्त निर्देश दिए हैं ताकि लाभार्थियों को बेहतर और पारदर्शी इलाज मिले। ऐसे में सीएम योगी के निर्देश पर स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचीज) अस्पतालों को लगातार इन नियमों की जानकारी दे रही है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि इसके बाद भी नियमों का उल्लंघन करने, लाभार्थी से अवैध वसूली, बिना इलाज के बिल लगाना, गलत लाभार्थी के नाम पर इलाज दर्ज करना, अनावश्यक इलाज या तय मानकों का पालन नहीं करने पर अस्पतालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साचीज की वेबसाइट पर देखें दिशानिर्देश बृजेश पाठक ने बताया कि आयुष्मान योजना से जुड़े अस्पतालों को आपत्तिजनक कार्यप्रणाली विरोधी दिशानिर्देशों की जानकारी दी जा रही है। योगी सरकार का प्रयास है कि अस्पताल पहले से ही नियमों को समझें और अपने स्तर पर कमियों को दूर करें, ताकि मरीजों को परेशानी न हो और योजना में किसी तरह की गड़बड़ी न हो। उन्होंने बताया कि सभी सूचीबद्ध अस्पताल आपत्तिजनक कार्यप्रणाली संबंधी दिशानिर्देश साचीज की आधिकारिक वेबसाइट ँ३३स्र२:// ·ँ२.ल्ल/ पर देख और डाउनलोड कर सकते हैं। विभाग की ओर से अस्पतालों को सलाह दी जा रही है कि वे अपने डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ, बिलिंग कर्मचारियों और प्रशासनिक कर्मचारियों को भी इन नियमों की जानकारी दें। नियम तोड़ने पर पहली, दूसरी और तीसरी बार अलग कार्रवाई लाभार्थी से अवैध नकद भुगतानः पहली बार नियम तोड़ने पर राशि का पूर्ण रिफंड तथा अवैध भुगतान की राशि का पांच गुना दंड, दोबारा उल्लंघन पर क्लेम निरस्तीकरण एवं चिकित्सालय का निलंबन तथा तीसरी बार उल्लंघन पर डी-एम्पैनलमेंट/ब्लैकलिस्टिंग की कार्रवाई की जा सकती है। साचीज की सीईओ अर्चना वर्मा ने सभी सूचीबद्ध चिकित्सालयों से आपत्तिजनक कार्यप्रणाली विरोधी दिशानिर्देशों को केवल औपचारिक निर्देश के रूप में न लेते हुए, इसे अपने दैनिक कार्यप्रणाली का हिस्सा बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चिकित्सालय अपने स्तर पर यह सुनिश्चित करें कि चिकित्सकीय, नर्सिंग, बिलिंग एवं प्रशासनिक स्टाफ को योजना के सभी नियमों और दंडात्मक प्रावधानों की स्पष्ट जानकारी हो। चिकित्सालयों को सलाह दी गई है कि वे नियमित रूप से अपने क्लेम, उपचार प्रक्रिया, दस्तावेजीकरण एवं लाभार्थी सेवाओं की आंतरिक समीक्षा करें और किसी भी संभावित अनियमितता को समय रहते ठीक करें।

मुरादाबाद में कृषि विभाग को मिले 18 नए प्राविधिक सहायक

मुरादाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से चयनित 3,572 कृषि प्राविधिक सहायकों एवं मंडी सचिवों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार, मुरादाबाद में किया गया। जनपद मुरादाबाद को आवंटित 20 नव चयनित कृषि प्राविधिक सहायकों में से उपस्थित 18 कार्मिकों को जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने नियुक्ति पत्र प्रदान किए। नियुक्ति पत्र प्राप्त करते हुए नव चयनित कार्मिकों में उत्साह एवं खुशी का माहौल रहा। जिलाधिकारी ने सभी को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए सेवाकाल की नई जिम्मेदारियों के लिए बधाई दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. राजेन्द्र पैंसिया ने नव चयनित प्राविधिक सहायकों को संबोधित करते हुए कहा कि जिस पारदर्शिता, योग्यता और निष्पक्ष प्रक्रिया के आधार पर उनका चयन हुआ है, उसकी प्रतिबद्धता उनके पूरे सेवाकाल में भी दिखाई देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग सीधे किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़ा हुआ है, इसलिए प्राविधिक सहायकों की जिम्मेदारी केवल विभागीय कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि खेत-खलिहान तक पहुंचकर किसानों को सही तकनीकी मार्गदर्शन देना भी उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने नव नियुक्त कार्मिकों से कहा कि वे अपनी ऊर्जा, तकनीकी ज्ञान और अनुभव का उपयोग किसान हित में करें। किसानों से निरंतर संवाद स्थापित करते हुए उन्हें आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के प्रति जागरूक करें तथा प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करें। जनपद में नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले नव चयनित प्राविधिक सहायकों में जाबर सिंह, शक्ति कुमार, वीरेंद्र कुमार, रजत कुमार, देवराज सिंह, जशनप्रीत सिंह, राम बाबू, विपिन कुमार, सचिन कुमार, अभिषेक, विकास कुमार, कौशल कुमार, विनीत कुमार, श्रीगोविंद, ललित कुमार, बृजेश कुमार, रमेश्वर एवं विपिन कुमार शामिल रहे।

मिशन रोजगार के तहत 3572 युवाओं को नियुक्ति, चयनित अभ्यर्थियों ने सराहा योगी सरकार का पारदर्शी मॉडल

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। मिशन रोजगार के तहत उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को 3572 युवाओं को बड़ी सौगात दी। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के माध्यम से कृषि विभाग में नवचयनित 3446 प्राविधिक सहायकों (ग्रुप-सी) और 126 मंडी सचिवों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। नियुक्ति पत्र पाकर अभ्यर्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। चयनित युवाओं ने भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता और समयबद्ध तरीके से नियुक्ति पूरी कराने के लिए योगी सरकार की जमकर सराहना की। सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में बेहतर काम कर रही अम्बेडकर नगर निवासी साधना देवी का चयन कृषि विभाग में प्राविधिक सहायक पद पर हुआ है और उन्हें अयोध्या जिले में तैनाती मिली है। उन्होंने नियुक्ति वितरण कार्यक्रम की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में बेहतर काम कर रही है। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र मिलना उनके लिए खुशी और गर्व का क्षण है। दो महीने के भीतर नियुक्ति पत्र मिलना सरकार की तेजी और कार्यप्रणाली को दशार्ता बस्ती निवासी महिपाल सिंह का चयन कृषि प्राविधिक सहायक पद पर हुआ है और उनकी पोस्टिंग बाराबंकी में हुई है। महिपाल ने वर्तमान सरकार में चयन प्रक्रिया पहले की अपेक्षा अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित हुई है। उन्होंने कहा कि 23 जून को परिणाम आने के करीब दो महीने के भीतर नियुक्ति पत्र मिलना सरकार की तेजी और कार्यप्रणाली को दशार्ता है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की दिशा में बेहतर प्रयास रायबरेली निवासी राणा प्रताप सिंह का चयन कृषि प्राविधिक सहायक पद पर हुआ है और उनकी नियुक्ति अमेठी में हुई है। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। वर्तमान सरकार में पारदर्शिता बढ़ी है और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की दिशा में बेहतर प्रयास हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र मिलना उनके लिए गौरव का विषय है। आरक्षण नियमों का हुआ पूरी तरह पालन बाराबंकी की महिमा मौर्या का चयन मंडी सचिव पद पर हुआ है। उन्होंने भर्ती प्रक्रिया को निष्पक्ष बताते हुए कहा कि आरक्षण के नियमों का पूरी तरह पालन किया गया। महिमा ने कहा कि सीटों में किसी तरह का हेरफेर नहीं हुई और महिलाओं को भी आरक्षित सीटों पर नियमानुसार चयन हुआ। वहीं प्राविधिक सहायक पद पर चयनित ज्ञानवी तिवारी ने योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की प्रशंसा करते हुए कहा कि पूरी प्रक्रिया पारदर्शी रही और महिलाओं को भी बड़ी संख्या में अवसर मिल रहे हैं। निष्पक्ष भर्ती से युवाओं में सरकार के प्रति भरोसा मजबूत हुआ है। नई जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाएंगी रामपुर की खुशनुमा का चयन मंडी सचिव ग्रेड-2 पद पर हुआ है। खुशनुमा ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में युवाओं के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का काम हुआ है। नियुक्तियों की पारदर्शिता और महिला सशक्तिकरण के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना की। सीएम के संबोधन में कही गई बातों को अपने कार्यक्षेत्र में धरातल पर उतारने का पूरा प्रयास करेंगी और नई जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाएंगी। योगी सरकार की सराहना, युवाओं से मेहनत की अपील प्राविधिक सहायक (ग्रुप-सी) पद पर चयनित ने योगी सरकार की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता को प्राथमिकता दी जा रही है। योग्य युवाओं को बिना भेदभाव अवसर मिल रहे हैं।

महिला जनसुनवाई में उठीं घरेलू हिंसा और उत्पीड़न की समस्याएं, 11 प्रार्थना पत्र आए

प्रात: किरण संवाददाता

मीरजापुर। विकासखंड कोन के सभागार में मंगलवार को महिला जनसुनवाई एवं जागरूकता चौपाल का आयोजन किया गया। राज्य महिला आयोग की सदस्य नीलम प्रभात की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को उनके अधिकारों और सरकारी सहायता की जानकारी दी गई। जनसुनवाई में कुल 11 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें दो मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि नौ प्रकरणों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों की टीमें गठित कर आवश्यक निर्देश दिए गए। कार्यक्रम की शुरुआत नीलम प्रभात ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर की। इसके बाद गोद भराई और अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। कन्या जन्मोत्सव के तहत केक काटकर बेटियों के जन्म को उत्सव के रूप में मनाया गया। महिलाओं को जागरूक करते हुए सदस्य ने विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी। उन्होंने 1076, 1090, 1081, 1098, 112, 108 और 102 के माध्यम से महिला उत्पीड़न, पुलिस सहायता, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य जरूरतों में मदद लेने की प्रक्रिया समझाई। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं ने अपनी व्यक्तिगत एवं पारिवारिक समस्याएं आयोग के समक्ष रखीं। सदस्य ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित प्रकरणों का समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान बीडीओ शैलेंद्र सिंह, एसीडीपीओ ज्योतिमा सिंह, समाज कल्याण अधिकारी रंजीत, तहसीलदार सदर, जिला कोऑर्डिनेटर महिला कल्याण डॉ. अंजू यादव, वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रबंधक पूजा मौर्य समेत बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। सुरक्षा व्यवस्था में चील्ह थाना प्रभारी भरत उपाध्याय, उपनिरीक्षक मनोज सिंह, महिला सिपाही आभा सिंह समेत पुलिस बल तैनात रहा।

खतरे के निशान पर पहुंचा गंगा का जल स्तर, बाढ़ चौकिया अलर्ट

प्रात: किरण संवाददाता

फरुर्खाबाद। गंगा नदी का जलस्तर मंगलवार को खतरे के निशान पर पहुंच गया है, जिससे तकरीबन 100 ग्राम सभाएं बाढ़ की चपेट में आ गई है। यहां के लोग छतों पर गुजारा कर रहे हैं। हालात यह हैं कि बाढ़ की विभीषिका में फंसे लोगों का दिन का चैन और रात की नींद हराम हो गई है। हालांकि जिला प्रशासन पूरी तरह से बचाव में लगा हुआ है, लेकिन खतरे के निशान पर पहुंची गंगा का पानी अब गांव में पूरी तरह से भर गया है। गंगा पार के राजेपुर के रहने वाले प्रधान प्रदीप गुप्ता बताते हैं की गंगा का पानी राजेपुर की सड़कों पर चल रहा है, जिससे लोगों को भारी परेशानी होती है। हालात यह है कि तहसील और ब्लॉक तथा स्कूल पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। सरकारी कामकाज में बाधा आ रही है। जिला प्रशासन की तरफ से बाढ़ पीड़ितों के लिए शरणालय बनाए गए हैं और उन्हें राशन, तथा अन्य जरूरत का सामान मुहैया कराया जा रहा है। सबसे दुखद बात यह है कि सड़क के किनारे पॉलीथिन तान कर रह रहे लोग ऊपर से बरस रहे पानी की वजह से परेशान है। मंझा की मड़ैया, चाचू पुर तथा लड़कातक पानी पहुंच जाने की वजह से यहां के वाशिंदे को सांप और विषैले जीव जंतुओं का डर सता रहा हैं। गंगा पार के रहने वाले लोगों का कहना है कि उनके लिए गंगा और रामगंगा दोनों नदियां अभिशाप बनी हुई है। नदियों में आई बाढ़ की वजह से फसले नष्ट हो जाती है, जिसकी वजह से बच्चों की शादी विवाह करने में भारी दिक्कत होती है। यहां गांव बरुआ के योगेंद्र सिंह बताते हैं कि यहां के लोगों के बच्चों की पढ़ाई और शादी विवाह का दारोमदार खेती पर ही टिका हुआ है, लेकिन इन खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह से नष्ट हो गई है। इसकी वजह से गंगा पार क्षेत्र में कोहराम मचा है। आज गंगा नदी का जलस्तर 137.10 मीटर पर रिकॉर्ड किया गया, जो की खतरे का निशान है।

बारिश ने खोली जलनिकासी की पोल, काशीपुरम कॉलोनी में घुटने भर से अधिक भरा पानी

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। रात में हुई मूसलाधार बारिश ने सीर गोवर्धनपुर स्थित काशीपुरम कॉलोनी में जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। तेज बारिश के बाद पूरी कॉलोनी जलमग्न हो गई और कई गलियों में घुटनों से ऊपर तक पानी भर गया। कुछ घरों में बारिश का पानी घुसने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ी। बारिश थमने के कई घंटे बाद भी जलभराव बना रहा, जिससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो गया। कॉलोनीवासियों के मुताबिक, अधिकांश गलियां और सड़कें पानी में डूब गईं। कई स्थानों पर पानी इतना अधिक था कि सड़क और गड्ढों का अंतर दिखाई नहीं दे रहा था। इससे पैदल राहगीरों के साथ दोपहिया वाहन चालकों के लिए भी दुर्घटना का खतरा बढ़ गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ मकानों में पानी प्रवेश करने से घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा है। बारिश रुकने के बाद भी नहीं निकला पानी स्थानीय निवासियों का कहना है कि कॉलोनी में सबसे बड़ी समस्या जलनिकासी की है। बारिश रुकने के बाद भी पानी तेजी से नहीं निकलता। नालियों की सफाई और पर्याप्त ड्रेनेज व्यवस्था नहीं होने के कारण पानी लंबे समय तक गलियों में जमा रहता है। लोगों का आरोप है कि हर वर्ष बरसात में यही स्थिति पैदा होती है, लेकिन स्थाई समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए। बच्चों और बुजुर्गों के लिए बढ़ा खतरा जलभराव के कारण स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को सबसे अधिक परेशानी हुई। पानी से भरी गलियों में बच्चों का आवागमन मुश्किल हो गया। वहीं बुजुर्गों के लिए गहरे पानी से गुजरना जोखिम भरा रहा। पानी के नीचे सड़क के गड्ढे और टूटे हिस्से दिखाई नहीं देने से गिरने की आशंका बनी रही।

मुरादाबाद के सलेमपुर गांव में तेंदुआ पिंजरे में कैद

-वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने केज ट्रैप के माध्यम से मंगलवार सुबह जनपद में दसवें तेंदुए का किया रेस्क्यू

प्रात: किरण संवाददाता

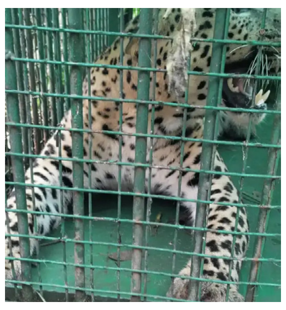

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जनपद के ए ग्राम सहसपुरी में एक तेंदुआ ट्रैप केज के माध्यम से सफलतापूर्वक रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू किया जाने वाला यह दसवां तेंदुआ है। वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर पिंजरे को अपने कब्जे में ले लिया। उसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ जुटी थी। जिलाधिकारी डा. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि संवेदनशीलता के दृष्टिकोण से वन विभाग की देखरेख में रेस्क्यू टीम लगातार सक्रिय है। साथ ही प्रशासनिक स्तर से पूरे संवेदनशील क्षेत्र के अंतर्गत ग्रामों ने सतर्कता एवं जागरूकता के लिए चौपालें आयोजित की जा रही हैं। पूरे संवेदनशील क्षेत्र से अब तक 10 तेंदुओं का रेस्क्यू किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने बताया कि मुरादाबाद जनपद के कई थाना क्षेत्रों में कई गांव में बीते तीन पखवाड़े से तेंदुए कई लोगों को और उनके जानवरों को अपना शिकार बना चुके हैं। इसके बाद से तेंदुए की सक्रियता ने विभिन्न क्षेत्रों के कई गांव के ग्रामीणों की चिंता बढ़ा रखी थी। खेत में काम करने जाने वाले किसानों और चारा लेने जाने वाली महिलाओं को भी डर लग रहा था कि कब तेंदुआ उन पर हमला कर दें। हालांकि वन विभाग ने लोगों को सतर्कता बरतने के साथ प्रभावित गांवों में निगरानी बढ़ाने के साथ जगह पिंजरे लगाए थे। इन्हीं पिंजरों मे से एक पिंजरे में मंलवार सुबह लगभग छह बजे के आसपास वन विभाग की रेस्क्यू टीम को मुरादाबाद रेंज के अन्तर्गत ग्राम सहसपुरी में एक तेंदुआ के कैद हो जाने की सूचना मिली। जिसके बाद वन विभाग की टीम ने पहुंचकर उसे अपने कब्जे में लिया। तेंदुए के पिंजरे में कैद हो जाने के बाद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। अब उसके शारीरिक परीक्षण के बाद घने जंगल में छोड़ा जाएगा, ताकि वह दोबारा गांव की ओर न आ सके।

यूपी को चार क्रिकेट टीमें देने की मांग, पूर्व मंत्री एवं रणजी क्रिकेटर मोहसिन रजा ने बीसीसीआई के सामने उठाया मुद्दा

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यमंत्री एवं पूर्व रणजी क्रिकेटर मोहसिन रजा ने उत्तर प्रदेश की विशाल आबादी और यहां मौजूद क्रिकेट प्रतिभाओं को देखते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सामने एक बार फिर प्रदेश को कम से कम चार क्रिकेट टीमों का प्रतिनिधित्व देने की मांग रखी है। उन्होंने मंगलवार को जारी अपने बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन सीमित अवसरों के कारण बड़ी संख्या में खिलाड़ी उच्च स्तर तक पहुंचने से वंचित रह जाते हैं। मोहसिन रजा ने कहा कि करीब 25 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में क्रिकेट खेलने वाले प्रतिभाशाली युवाओं की संख्या भी बहुत बड़ी है। यदि इस प्रदेश को एक अलग देश माना जाए तो आबादी के लिहाज से यह दुनिया के सबसे बड़े देशों में शामिल होगा। ऐसे में इतने बड़े प्रदेश के लिए केवल एक प्रमुख टीम का होना प्रतिभाओं के साथ न्याय नहीं करता। उन्होंने मांग की कि रणजी ट्रॉफी के साथ-साथ अंडर-16, अंडर-19 और अंडर-23 जैसे आयु वर्गों में भी उत्तर प्रदेश की कम से कम चार टीमें बनाई जानी चाहिए। इससे प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के अधिक अवसर मिलेंगे। पूर्व रणजी क्रिकेटर ने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण और छोटे शहरों में बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ी दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। इनमें प्रतिभा और क्षमता होने के बावजूद सीमित अवसरों के कारण वे राज्य, आईपीएल और भारतीय टीम के उच्च स्तर तक नहीं पहुंच पाते। टीमों की संख्या बढ़ने से ऐसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा साबित करने का मंच मिलेगा। मोहसिन रजा ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अधिक टीमों का गठन होने से प्रतिभाओं का दूसरे राज्यों या संस्थानों की ओर पलायन भी रोका जा सकेगा। प्रदेश के खिलाड़ी अपने ही राज्य से आगे बढ़कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकेंगे। उन्होंने बीसीसीआई से अपील की कि उत्तर प्रदेश की विशाल भौगोलिक स्थिति, बड़ी आबादी और यहां उपलब्ध प्रतिभाओं को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के क्रिकेट ढांचे में विस्तार का निर्णय लिया जाए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को अधिक टीमों का प्रतिनिधित्व मिलने से न केवल क्रिकेट प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा, बल्कि हजारों युवा खिलाड़ियों के भविष्य को नई दिशा भी मिलेगी।

वाराणसी में दूसरे दिन भी गंगा के जलस्तर में गिरावट

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। गंगा के जलस्तर में गिरावट का दौर जारी है। लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी गंगा के जलस्तर में दो सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से कमी रिकॉर्ड की गई। जलस्तर में कमी से तटवर्ती इलाके के लोगों ने राहत महसूस की है। दो दिन पहले गंगा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो रही थी। जलस्तर चेतावनी बिंदु के करीब पहुंच गया था। वहीं घाट और आसपास के इलाके जलमग्न होने लगे थे। ऐसे में तटवर्ती इलाके के लोगों की मुश्किलें बढ़ने लगी थीं। हालांकि सोमवार से जलस्तर घटने लगा। सोमवार को दो सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से जलस्तर घट रहा था। मंगलवार की सुबह जलस्तर स्थिर था, लेकिन केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक सुबह 10 बजे जलस्तर में दो सेंटीमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से गिरावट दर्ज की गई। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार राजघाट साइट पर जलस्तर 68.22 मीटर रिकॉर्ड किया गया। वाराणसी में गंगा में चेतावनी बिंदु 70.26 मीटर और खतरे का बिंदु 71.26 मीटर है।

छह महीने के अंदर एक लाख युवाओं को देंगे सरकारी नौकरी: मुख्यमंत्री

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने 9 साल में 9.30 लाख से अधिक युवाओं को पारदर्शी ढंग से बिना भेदभाव सरकारी नौकरियां दी हैं। यूपी में कभी एक लाख नौकरियां कल्पना होती थी, लेकिन हम छह महीने के भीतर एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी का नियुक्ति पत्र देने जा रहे हैं। रिजल्ट की प्रक्रिया चल रही है। मुख्यमंत्री मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मिशन रोजगार के तहत उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कृषि विभाग में नवचयनित 3446 प्राविधिक सहायकों (ग्रुप-सी) व 126 मंडी सचिवों को नियुक्ति पत्र सौंपने के उपरांत युवाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नवचयनितों से कहा कि सरकार ने पारदर्शी नियुक्ति दी है तो आप भी इसका लाभ प्रदेश, भावी पीढ़ी और देश को दें। कर्तव्य का ईमानदारी से निर्वहन ही ह्वनेशन फर्स्टह्ण की थ्योरी है। छह महीने के अंदर एक लाख युवाओं को देंगे सरकारी नौकरीः मुख्यमंत्री अधियाचन के छह महीने में परिणाम दें सीएम ने आयोग व बोर्डों के अधिकारियों से कहा कि आपके कार्यों में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है। यदि हमने स्वतंत्रता दी है तो समय से परिणाम लाइए। अधियाचन जाने के बाद परिणाम आने में छह महीने से अधिक नहीं लगना चाहिए। एक महीने के अंदर विज्ञापन और अगले दो महीने के अंदर परीक्षा कराएं। प्रक्रिया को सहज-सरल बनाएं, जिससे युवा अपनी ऊर्जा का लाभ दे सके। जब हम युवा ऊर्जा को साथ लेकर चलते हैं तो परिणाम आते हैं। 9 साल में 9.30 लाख से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी सीएम ने 9 साल में पारदर्शी नियुक्तियों को डबल इंजन सरकार की उपलब्धि बताते हुए कहा कि इस दौरान सरकार ने 9.30 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी उपलब्ध कराई है। किसी भी नियुक्ति पर कोई प्रश्न नहीं खड़ा कर सकता। 2017 से पहले तो विज्ञापन निकलते ही चाचा-भतीजे की जोड़ी और महाभारत का खानदान वसूली करने निकल पड़ता था। युवा भटकता था, लेकिन परिणाम नहीं आता था। अंततः माननीय न्यायालय को स्टे करना पड़ता था। युवाओं का समय और उम्र खराब होती थी।

वाराणसीः संत नरहरी की स्मृति को सम्मान देने की मांग

वाराणसी। संत नरहरी की स्मृति एवं उनके सम्मान से जुड़ी वर्षों पुरानी मांग को लेकर अब सरकार की कथित उदासीनता के खिलाफ अनूठे तरीके से विरोध प्रदर्शन की तैयारी की गई है। मांग को लेकर लंबे समय से भारत सरकार, प्रदेश सरकार, जिलाधिकारी और शासन के विभिन्न स्तरों पर ज्ञापन और पत्राचार किए जाने के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं होने पर आयोजकों ने आंदोलन तेज करने का निर्णय लिया है। आयोजकों के अनुसार, पिछले कई महीनों से संत नरहरी की स्मृति से जुड़ी मांग को लेकर लगातार शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया जा रहा है। इस संबंध में कई बार ज्ञापन सौंपे गए और पत्राचार किया गया।

वाराणसी में भारी बारिश: चांदपुर इंडस्ट्रियल क्षेत्र में मकान की दीवार गिरी, मलबे में दबकर पति–पत्नी की मौत

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में सोमवार पूरी रात हुई बारिश ने जमकर कहर बरपाया। इसमें जनधन की भारी क्षति हुई है। बारिश से मंगलवार तड़के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र के चांदपुर इंडस्ट्रियल क्षेत्र के पोस्ट ऑफिस के समीप एक मकान की दीवार अचानक भरभराकर गिर गई। मलबे में दबने से पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान रविन्द्र मिश्र (62 वर्ष) और उनकी पत्नी प्रतिभा देवी (55 वर्ष) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, पति–पत्नी मूल रूप से झारखंड के गढ़वा जिले के डुमरिया गांव के रहने वाले थे। वे पिछले कई वर्षों से चांदपुर इंडस्ट्रियल क्षेत्र में रहकर मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। उनका बेटा आनंद भी चांदपुर की ही एक कंपनी में काम करता है। सोमवार की रात उसकी नाइट ड्यूटी थी। अलसुबह ड्यूटी कर आनंद बारिश में भींगते हुए घर पहुंचा तो घर की दिवार गिरी देख चौक गया। अंदर गया तो अपने माता–पिता को मलबे में दबा देखा तो शोर मचाया। पड़ोसियों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही क्षेत्रीय पुलिस मौके पर पहुंची और एनडीआरएफ कर्मियों की मदद से दोनों को मलबे से बाहर निकलवाया। तब तक दोनों की मौत हो गई थी। मंडुवाडीह थाना प्रभारी अजय राज वर्मा के अनुसार दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

योगी सरकार के निपुण मॉडल को समझने गाजियाबाद पहुंचे पांच देशों के प्रतिनिधि, 11 परिषदीय विद्यालयों में देखा कक्षा शिक्षण

प्रात: किरण संवाददाता

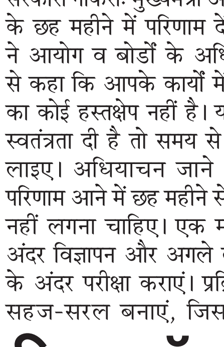

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बुनियादी शिक्षा और बच्चों की सीखने की क्षमता को मजबूत करने के प्रयास अब अंतरराष्ट्रीय पीयर-लर्निंग का विषय बन रहे हैं। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत भारत में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) सुधारों को समझने के उद्देश्य से केन्या, ब्राजील, अर्जेंटीना, दक्षिण अफ्रीका और सेनेगल के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों एवं नागरिक समाज के प्रतिनिधियों का लगभग 70 सदस्यीय दल गाजियाबाद पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने परिषदीय विद्यालयों में कक्षा शिक्षण का प्रत्यक्ष अवलोकन कर निपुण भारत की नीतियों के जमीनी क्रियान्वयन को समझा। योगी सरकार के निपुण मॉडल को समझने गाजियाबाद पहुंचे पांच देशों के प्रतिनिधि, 11 परिषदीय विद्यालयों में देखा कक्षा शिक्षण 23 से 27 अगस्त तक चल रहे सप्ताहभर के पीयर-लर्निंग इमर्शन कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिनिधिमंडल को छोटे-छोटे समूहों में विभाजित कर गाजियाबाद के नगर, राजापुर, लोनी और मुरादनगर ब्लॉकों के 11 विद्यालयों का भ्रमण कराया गया। प्रतिनिधियों ने कक्षा-कक्ष में शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया देखी तथा विद्यार्थियों, शिक्षकों, प्रधानाचार्यों, अकादमिक रिसोर्स पर्सन्स (एआरपी) और राज्य संसाधन समूह के अधिकारियों से संवाद किया। योगी सरकार के निपुण मॉडल को समझने गाजियाबाद पहुंचे पांच देशों के प्रतिनिधि, 11 परिषदीय विद्यालयों में देखा कक्षा शिक्षण गाजियाबाद के परिषदीय विद्यालयों में पांच देशों के प्रतिनिधियों का यह अध्ययन दौरा उत्तर प्रदेश में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत एफएलएन सुधारों को नीति से कक्षा तक पहुंचाने की प्रक्रिया को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा सीख का अवसर प्रदान कर रहा है। योगी सरकार के निपुण मॉडल को समझने गाजियाबाद पहुंचे पांच देशों के प्रतिनिधि, 11 परिषदीय विद्यालयों में देखा कक्षा शिक्षण यह है उद्देश्य कार्यक्रम का उद्देश्य भारत में निपुण भारत मिशन के अंतर्गत एफएलएन सुधारों को समझना और अनुभव साझा करना है। गाजियाबाद के विद्यालयों में कक्षा शिक्षण के प्रत्यक्ष अवलोकन और शिक्षा अधिकारियों के साथ तकनीकी संवाद के माध्यम से प्रतिनिधियों ने एफएलएन सुधारों के जमीनी क्रियान्वयन को करीब से समझा। योगी सरकार के निपुण मॉडल को समझने गाजियाबाद पहुंचे पांच देशों के प्रतिनिधि, 11 परिषदीय विद्यालयों में देखा कक्षा शिक्षण शिक्षा विभाग के साथ हुई तकनीकी चर्चा विद्यालयों के दौरे के बाद उत्तर प्रदेश शिक्षा विभाग के साथ विस्तृत तकनीकी चर्चा हुई। इसमें गाजियाबाद के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, खंड शिक्षा अधिकारी और राज्य संसाधन समूह के सदस्य शामिल हुए। चर्चा में पाठ्यक्रम एवं अध्ययन उद्देश्यों, संरचित शिक्षण-अधिगम सामग्री, शिक्षक मार्गदर्शन एवं मेंटरिंग, आकलन और आंकड़ों के उपयोग पर विचार-विमर्श हुआ।

लखनऊः 18वें ब्रिक्स अकादमिक फोरम का समापन, ब्रिक्स एजेंडे के लिए नीतिगत संवाद और सिफारिशों को आगे बढ़ाया

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 18वें ब्रिक्स अकादमिक फोरम का मंगलवार को समापन हुआ। इसमें ब्रिक्स सदस्य देशों के नीति निमार्ता, विद्वान, शोधकर्ता और विशेषज्ञ दो दिनों तक उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग के भविष्य पर चर्चा करते रहे। ह्वरेजिलिएंस, इनोवेशन, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माणह्ण विषय के तहत आयोजित यह फोरम भारत की 2026 ब्रिक्स अध्यक्षता और उसके वर्ष भर चलने वाले अकादमिक ट्रैक के हिस्से के रूप में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा रिसर्च एंड इंफॉर्मेशन सिस्टम फॉर डेवलपिंग कंट्रीज (आरआईएस) और लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित किया गया। लखनऊ विश्वविद्यालय में फोरम का आयोजन ब्रिक्स प्रक्रिया में अकादमिक ट्रैक के महत्व को रेखांकित करता है। जैसे-जैसे यह समूह विस्तारित हो रहा है और इसका एजेंडा अधिक जटिल होता जा रहा है, विश्वविद्यालय और शोध संस्थान आलोचनात्मक जांच, साक्ष्य-आधारित संवाद तथा देशों के बीच विचारों के आदान-प्रदान के लिए स्थान प्रदान कर सकते हैं। फोरम को लखनऊ ले जाना, वैश्विक मामलों पर बातचीत को पारंपरिक नीति केंद्रों से आगे ले जाने और विद्वानों तथा छात्रों के व्यापक समुदाय को जोड़ने के व्यापक प्रयास को भी दशार्ता है। फोरम में ब्रिक्स सदस्य देशों ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात के प्रतिनिधि और विशेषज्ञ शामिल हुए। उन्होंने वैश्विक समुदाय के सामने मौजूद कुछ सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों पर चर्चा की। सत्रों में आर्थिक और सामाजिक रेजिलिएंस को मजबूत करने, उभरती प्रौद्योगिकियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर सहयोग बढ़ाने, सतत ऊर्जा और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने, कनेक्टिविटी और विकास वित्त में सुधार करने तथा तेजी से जटिल और बहुध्रुवीय होती वैश्विक व्यवस्था से निपटने पर ध्यान केंद्रित किया गया। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष समीर सरन ने अकादमिक फोरम को सतत संवाद और नीतिगत जुड़ाव के मंच के रूप में महत्व देने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स अकादमिक फोरम कोई एक बार का आयोजन नहीं है, बल्कि पूरे वर्ष चलने वाले संवाद, परामर्श और नीतिगत जुड़ाव की निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है। इस प्रक्रिया से निकलने वाले विचार और सिफारिशें ब्रिक्स के भीतर विविध दृष्टिकोणों तथा सहयोग के व्यावहारिक मार्ग खोजने की साझा प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। ब्रिक्स थिंक टैंक काउंसिल (बीटीटीसी) की एक प्रमुख उपलब्धि, 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में नेताओं के लिए बीटीटीसी सिफारिशें, ब्रिक्स अकादमिक फोरम में भारत सरकार के विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (एमईआर) और ब्रिक्स सूस-शेरपा शंभु एल. हक्की को औपचारिक रूप से प्रस्तुत की गईं।

संक्षिप्त खबरें

मछली भोज मामले में अजय राय ने दी सफाई

वाराणसी। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने मंगलवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोगों ने मछली भोज पर मुझको लेकर गलत बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वे सनातन धर्म का पालन करने वाले हैं और काशी का वासी हूं। मैं कही मछली भोज में दिख रहा हूं तो उसे भी सामने लाना चाहिए। कोई फोटो या वीडियो है, तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि निषाद समाज के एक कार्यक्रम में शामिल होने वह जा रहे थे, जहां आयोजकों ने मछली भोजन की व्यवस्था की थी। सावन के महीने में मेरे द्वारा मछली खाने के आरोप गलत है। भारतीय जनता पार्टी के लोग उनके ऊपर और उनके परिवार पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं।

मालती नदी में मिला लापता महिला का शव

अमेठी। जिले के संग्रामपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार को मालती नदी में टूटे लकड़ी के पुल के पास एक महिला का क्षत-विक्षत शव मिला। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को नदी से बाहर निकलवाकर कब्जे में लिया। संग्रामपुर थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि ग्रामीणों ने देखा की नदी में लकड़ी के पुल से अटकी हुई एक महिला की लाश पड़ी हुई है, तभी उन्होंने पुलिस को सूचना दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नदी से निकलवा कर पंचायतनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक की पहचान शिवपुर-करनाईपुर निवासी संजू देवी (40) पत्नी राजेश कुमार के रूप में हुई है। संजू देवी पिछले 22 अगस्त से लापता थी और परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। पुलिस ने 23 अगस्त को गुमशुदा की दर्ज की थी और तलाश में जुटी थी। पुलिस मामले की जांच तथा आवश्यक वैधानिक कार्यवाही में लगी हुई है।

डीडीओ को प्राथमिक विद्यालय में खामियां ही खामियां मिली

फरुर्खाबाद। ब्लॉक बढ़पुर की ग्राम पंचायत पिथूपुर मेंहदिया के प्राथमिक विद्यालय और आंगनवाड़ी केंद्र में दाल में काला ढूढ़ने गए डीडीओ श्याम किशोर तिवारी को पूरी दाल ही काली मिली। उन्होंने विद्यालय में मिली खामियों की रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेज दी है। जिलाधिकारी को भेजी रिपोर्ट में डीडीओ श्याम किशोर तिवारी ने कहा है कि प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान मिड डे मील योजना अंतर्गत बनाए गए भोजन को बच्चों के साथ खा कर चेक किया। दाल पतली बनी हुई थी ।ग्राम प्रधान के माध्यम से बच्चों को आज फल का वितरण भी कराया गया। प्राथमिक विद्यालय में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि तीन दिनों से विद्युत आपूर्ति बंद होने के कारण सबमर्सिबल पंप नहीं चल रहा है, जिससे शौचालय आदि गंदे हैं और टंकियां में पानी नहीं आ रहा है ।पठन-पाठन व्यवस्था समुचित पाई गई । सभी अध्यापक उपस्थित पाए गए। आंगनबाड़ी केंद्र कें निरीक्षण के दौरान पाया गया कि केंद्र भवन के रंगाई पुताई एवं मरम्मत नहीं कराई गई है ।

आईजीआरएस प्रकरणों में डिफॉल्टर व C श्रेणी न आए: जिलाधिकारी

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में आईजीआरएस (जनसुनवाई पोर्टल) के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि आईजीआरएस प्रकरणों में किसी भी स्तर पर ह्यडिफॉल्टरह्ण या ह्यसीह्ण श्रेणी नहीं आनी चाहिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि शिकायतकर्ताओं से निस्तारण के संबंध में संतुष्टि फीडबैक लिया जाता है, इसलिए सभी अधिकारी गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराएं।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आईजीआरएस के मामलों को स्वयं देखें और गुणवत्तापूर्ण मूल्यांकन करते हुए नियमानुसार एवं समयबद्ध निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता से सीधे वार्ता कर उसकी समस्या को समझें तथा नियमानुसार संभव समाधान निकालकर उसे संतुष्ट करें। जिन प्रकरणों का निस्तारण नियमों के अनुसार संभव नहीं है, उनमें शिकायतकर्ता को स्पष्ट रूप से कारणों से अवगत कराया जाए। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि आईजीआरएस प्रकरणों के निस्तारण में केवल औपचारिकता न बरती जाए, बल्कि शिकायतकर्ता की समस्या का वास्तविक समाधान सुनिश्चित किया जाए। सभी अधिकारी लंबित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करते हुए समय सीमा के भीतर उनका निस्तारण करें।

पौधों की जियो-टैगिंग जल्द पूरी करने के निर्देश

समीक्षा बैठक के उपरांत जिलाधिकारी ने जिला गंगा समिति, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक भी ली। इस दौरान उन्होंने पूर्व में चलाए गए वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत लगाए गए पौधों की जियो-टैगिंग का कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि पौधों की जियो-टैगिंग से उनकी स्थिति एवं संरक्षण की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने निर्देश दिए कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और इसे निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए। बैठक में संबंधित विभागों के सभी प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

आरक्षण विरोधियों पर चंद्रशेखर आजाद का तंज–अपना दल बनाएं, चुनाव लड़ें

आरक्षण के मुद्दे से युवाओं की एकता कमजोर करने का प्रयास किए जाने का लगाया आरोप

प्रात: किरण संवाददाता

धामपुर। सोशल मीडिया पर आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में वह आरक्षण व्यवस्था का विरोध करने वालों पर तंज कसते हुए लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने और राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की बात कहते नजर आ रहे हैं। वायरल वीडियो में चंद्रशेखर आजाद कहते हैं कि यदि किसी व्यक्ति या समूह को आरक्षण व्यवस्था से दिक्कत है और उसे लगता है कि उसकी बात किसी राजनीतिक दल द्वारा नहीं सुनी जा रही है तो लोकतंत्र में उसके पास अपना राजनीतिक दल बनाने और चुनाव लड़ने का विकल्प मौजूद है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग अपना दल बनाकर लोकसभा और विधानसभा में आएं तथा अपना संख्याबल बढ़ाएं। बहुमत मिलने पर वे अपनी इच्छा के अनुसार कानून भी पास करा सकते हैं।सांसद ने कहा कि लोकतंत्र में किसी मुद्दे का स माधान केवल विरोध करने से नहीं, बल्कि राजनीतिक भागीदारी और संख्या बल बढ़ाने से भी होता है। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा कि जो लोग अपनी विचारधारा और मुद्दों को लेकर गंभीर हैं, उन्हें राजनीतिक रूप से संगठित होकर चुनावी मैदान में उतरना चाहिए। चंद्रशेखर आजाद ने युवाओं के मुद्दों का भी जिक्र किया। उन्होंने शिक्षा, रोजगार, पेपर लीक और सरकारी भर्तियों जैसे सवालों पर युवाओं की एकता का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि आरक्षण के मुद्दे को आगे करके युवाओं की इस एकता को कमजोर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि छात्रों और युवाओं के भविष्य के साथ किसी भी तरह का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और शिक्षा व रोजगार के मुद्दों पर संघर्ष जारी रहेगा। सांसद ने सामाजिक न्याय और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर भी अपनी बात रखते हुए बहुजन समाज से अपनी राजनीतिक शक्ति मजबूत करने का आह्वान किया। वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में इसे लेकर चर्चा तेज हो गई है।

मुरादाबाद में खाद्य विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई

प्रात: किरण संवाददाता, नादिर त्यागी

मुरादाबाद। आगामी रक्षाबंधन पर्व को देखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं शुद्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सोमवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में सघन निरीक्षण एवं नमूना संग्रहण अभियान चलाया। कार्रवाई से खाद्य कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति रही। अभियान के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों से कुल 14 खाद्य पदार्थों के नमूने संग्रहित किए गए। सहायक आयुक्त (खाद्य)-क्क राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी इंद्र बहादुर यादव के निर्देशन में गठित दो टीमों ने अलग-अलग क्षेत्रों में प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। टीमों ने सोनाली एंटरप्राइजेज, दीनदयाल नगर एवं महिमा ट्रेडर्स से सेजवान सॉस, रेड चिली सॉस, फ्राई फ्रूट चाट मसाला तथा पेरी-पेरी स्पाइस मिक्स के नमूने लिए। करुला क्षेत्र में पनीर, खोआ एवं छेना मिठाई के नमूने संग्रहित किए गए। अजय रस्तोगी के प्रतिष्ठान से पनीर तथा खाद्य सुरक्षा अधिकारी महिपाल द्वारा मिश्रित दूध का नमूना लिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी अजरा ने गणेश स्वीट्स, गुरहट्टी चौराहा, बाजार गंज से छेना, स्टडी ब्रेक कैफे, डिप्टी गंज रोड से तैयार सब्जी/सॉस और फहीम किराना स्टोर, बरादरी चौराहा से धारा ब्रांड सरसों के तेल का नमूना संग्रहित किया। इसके अलावा लक्ष्मणपुरी लाइनपार स्थित ह्यद हाउसह्ण की राधिका स्वीट्स से अंजीर की बर्फी तथा नेट कॉलोनी स्थित चंदन स्वीट्स से सोनपापड़ी का नमूना लिया गया। तौसीफ डेयरी, करुला से खोआ, पनीर एवं छेना मिठाई के नमूने भी संग्रहित किए गए। विभागीय अधिकारियों के अनुसार सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद गुणवत्ता में कमी या खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बिजनौर पुलिस अधीक्षक का औचक निरीक्षण

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर पुलिस अधीक्षक, जनपद बिजनौर श्री कृष्ण कुमार द्वारा मंगलवार को पुलिस कार्यालय बिजनौर में स्थित विभिन्न शाखाओं का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा कार्यालय की विभिन्न शाखाओं जैसे प्रधान लिपिक शाखा, आंकिक शाखा, रिकॉर्ड रूम, जनशिकायत शाखा सहित अन्य शाखाओं में जाकर अभिलेखों का अवलोकन किया गया। इस दौरान उन्होंने अभिलेखों के सही ढंग से रखरखाव, अद्यावधिकीकरण तथा कार्यालय परिसर एवं शाखाओं में साफ-सफाई व्यवस्था को दुरुस्त रखने हेतु सम्बन्धित शाखा प्रभारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सभी अभिलेख व्यवस्थित रूप से रखे जाएं तथा जनसामान्य से संबंधित कार्यों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए। कार्यालय में आने वाले फरियादियों के साथ शालीन व्यवहार किया जाए। उन्होंने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिये। औचक निरीक्षण के दौरान पुलिस कार्यालय के अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

बिजनौर में खूनी रंजिश का पदार्फाश : किरतपुर का हिस्ट्रीशीटर जावेद गिरफ्तार, जानलेवा हमला करने पर पुलिस का एक्शन

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर । पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बिजनौर जनपद में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले अपराधियों और हिस्ट्रीशीटरों के खिलाफ पुलिस प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। कस्बा किरतपुर के चर्चित मोहल्ला मीठा शहीद में पुरानी खूनी रंजिश को लेकर एक ही परिवार पर धारदार हथियारों से जानलेवा हमला करने के मामले में थाना किरतपुर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वांछित चल रहे शातिर हिस्ट्रीशीटर जावेद को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुरानी रंजिश में बोला था ताबड़तोड़ हमला प्राप्त जानकारी के अनुसार, घटना 22 अगस्त 2026 की है। मोहल्ला मीठा शहीद निवासी वादी हाजी कुदरतुल्ला कुरैशी पुत्र रहमतुल्ला ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि पुरानी रंजिश के चलते पड़ोस के ही दबंगों–जावेद, उसके भाई आबिद व आरिफ (पुत्रगण बाबू कुरैशी) तथा बाबू कुरैशी (पुत्र शरीफ कुरैशी) ने एकराय होकर हमला किया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपियों ने वादी के बेटों (अमजद, अदनान, सनाउल्ला), पौत्र (शादान) और नवासे (उमैर) को घेरकर धारदार हथियारों से जान से मारने की नियत से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था तथा खुलेआम जान से मारने की धमकी दी थी। आर्म्स एक्ट और इठर की गंभीर धाराओं में मुकदमा हाजी कुदरतुल्ला की तहरीर के आधार पर थाना किरतपुर में आरोपियों के खिलाफ मु०अ०सं० 259/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 109(1) (हत्या का प्रयास), 351(3) (जान से मारने की धमकी) तथा 4/25/27 आर्म्स एक्ट (अवैध शस्त्र अधिनियम) के तहत गंभीर धाराओं में मामला पंजीकृत किया गया था। पुलिस टीम की तत्परता से 48 घंटे में दबोचा गया आरोपी मामले की गंभीरता को देखते हुए बिजनौर पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर थाना प्रभारी पुष्पेन्द्र सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु सघन अभियान चलाया। इसी क्रम में उपनिरीक्षक दीपक नागर, कांस्टेबल गौरव कुमार (689) और कांस्टेबल विकास विकल (2974) की टीम ने 24 अगस्त 2026 को कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी जावेद को धर दबोचा।

डाक सेवा एवं डाक मित्र ऐप के शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुईं रितु प्रजापति

युवाओं और आमजन तक डिजिटल डाक सेवाओं की जानकारी पहुंचाने का लिया संकल्प

प्रात: किरण संवाददाता

धामपुर। 32 यूपी बटालियन एनसीसी धामपुर में कार्यरत प्रमुख समाजसेवी एवं कार्यालय सहायक सुभाष चंद की पुत्रवधू रितु प्रजापति नई युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई हैं। वर्तमान में दिल्ली पुलिस में सेवाएं दे रहीं रितु प्रजापति सामाजिक गतिविधियों के साथ-साथ सरकारी योजनाओं एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों के प्रचार-प्रसार में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। हाल ही में नई दिल्ली में डाक विभाग द्वारा नागरिकों और ग्रामीण क्षेत्रों तक डाक सेवाओं को अधिक सरल, सुविधाजनक एवं डिजिटल बनाने के उद्देश्य से आयोजित ह्यडाक सेवा ऐपह्ण एवं ह्यडाक मित्र ऐपह्ण के शुभारंभ कार्यक्रम में युवा प्रेरक वक्ता एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रितु प्रजापति को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया तथा संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने किया। रितु प्रजापति ने कार्यक्रम में शामिल होकर डाक विभाग की नई डिजिटल पहलों की जानकारी ली और युवाओं तथा आमजन तक इन सुविधाओं को पहुंचाने के महत्व पर चर्चा की। डाक सेवा ऐप के माध्यम से नागरिक घर बैठे पार्सल ट्रैक करने, डाक शुल्क की गणना करने, बचत योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने, नजदीकी डाकघर खोजने सहित विभिन्न डाक सेवाओं का लाभ आसानी से उठा सकेंगे। वहीं डाक मित्र ऐप के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में डाक सेवाओं को और अधिक सुगम बनाने का प्रयास किया गया है। कार्यक्रम के दौरान 14 नए डाकघरों का भी शुभारंभ किया गया। रितु प्रजापति ने कहा कि डिजिटल युग में सरकारी सेवाओं को तकनीक के माध्यम से लोगों तक सरलता से पहुंचाना सराहनीय पहल है। एक कंटेंट क्रिएटर के रूप में उनका प्रयास रहेगा कि इन नई सुविधाओं की जानकारी अधिक से अधिक युवाओं और आम लोगों तक पहुंचे, ताकि वे इनका लाभ उठा सकें। रितु प्रजापति की इस सहभागिता पर उनके परिवार में भी खुशी का माहौल है।

हादसों का पर्याय बना गड्ढों में तद्दबील पानी से लबालब दिल्ली-सहारनपुर मार्ग

प्रात: किरण सुशील शर्मा

लोनी। दिल्ली-सहारनपुर मार्ग पर बारिश के बाद हुए जलभराव और गहरे गड्ढों के कारण वाहन चालकों के लिए भारी मुसीबत खड़ी हो गई गई है। मार्ग की बदहाली के कारण दुर्घटना होने का खतरा पैदा हो गया है. वाहन पलटने से उसमें सवार लोग लगातार चोटिल हो रहे है। पानी निकासी के अभाव में बारिश के चलते सड़क पर कई स्थानों पर दो से तीन फीट तक गंदा पानी भर गया है, जिससे सड़क के गहरे और जानलेवा गड्ढे पूरी तरह छिप गए हैं। पानी में गड्ढे नजर न आने के कारण ऑटो, ई-रिक्शा, मोटरसाइकिल और अन्य वाहन अनियंत्रित होकर पलट रहे हैं, जिससे वाहन चालक और यात्री दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। आवागमन बाधित होने से एम्बुलेंस और स्कूली वाहन तक इस मार्ग पर फंस रहे हैं, जिससे भीषण जाम और स्थानीय जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से खन्ना नगर, बंथला फ्लाईओवर, और शिव विहार मेट्रो स्टेशन क्षेत्र पर बने जानलेवा गड्ढों और जलभराव को लेकर यात्रियों और स्थानीय जनता में भारी आक्रोश और डर का माहौल है। हालात कैसे हैं कि वाहनों के पानी से लबालब सड़क पर पलटने के वीडियो लगातार वायरल हो रहे हैं।

पीड़ित जनता की कहानी..उनकी अपनी जुबानी

मार्ग की दुर्दशा के संदर्भ में कुछ स्थानीय नागरिकों हुई तो उन्होंने अपनी पीड़ा कुछ इस तरह बया करीः जवाहर नगर कॉलोनी निवासी रवि भारद्वाज का कहना है कि लोनी गोलचक्कर से मंडोला तक की सड़क पूरी तरह से घातक (जान लेवा) बन चुकी है। घर से निकलने के बाद लोगों को हर वक्त डर सताता है कि वे काम से सही सलामत वापस घर लौट पाएंगे या नहीं! शांति नगर कॉलोनी निवासी मंजू वर्मा ने कहा गड्ढों के कारण आए दिन गाड़ियां पलटने से यात्रियों, विशेषकर महिलाओं और बच्चों में इतना खौफ है कि लोग सफर के दौरान रोने और सहमने लगते हैं। बस उन्हें किसी तरह अपने गंतव्य पर पहुंचाने की फिक्र लगी रहती है। लालबाग कॉलोनी में रहने वाले रवि सक्सेना के अनुसार भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है। उनका आरोप है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े दावे करने वाले जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी अब इस बदहाली पर पूरी तरह मौन हैं। टैक्स देने के बावजूद उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक नसीब नहीं हो रही हैं। पार्षद अंकुश जैन उर्फ मिंकु ने कहा कछुआ गति से निमार्णाधीन और नई सड़कों पर पहली ही बारिश में इतने गहरे गड्ढे होना सीधे तौर पर पीडब्ल्यूडी (PWD) और नगर निगम के भ्रष्टाचार व घटिया निर्माण सामग्री की ओर इशारा करते हैं।

नवचयनित प्राविधिक सहायकों को मिले नियुक्ति पत्र, खिले चेहरे

प्रात: किरण संवाददाता

अमरोहा। प्रदेश सरकार द्वारा कृषि विभाग में प्राविधिक सहायक (ग्रुप-सी) के पद पर चयनित अभ्यर्थियों को मंगलवार को विकास भवन सभागार में नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़, मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र और श्री देवेंद्र खड़गवंशी ने नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस दौरान लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में मुकुल चड्ढा, निकिता यादव, मीनाक्षी, रिकू सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, यज्ञदत्त शर्मा, बिलाल अहमद, एसवीर, किशन पाल सिंह, तरुण कुमार और सुमित कुमार को नियुक्ति पत्र दिए गए। नियुक्ति पत्र मिलते ही चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ. नितिन गौड़ ने नवचयनित प्राविधिक सहायकों को बधाई देते हुए कहा कि सरकारी सेवा में चयन उपलब्धि के साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने सभी कार्मिकों से निष्ठा, ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ दायित्वों का निर्वहन करने तथा किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों तक शासन की योजनाओं एवं कृषि संबंधी सुविधाओं का लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र ने कहा कि कृषि क्षेत्र जनपद की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों से संवेदनशीलता और समर्पण के साथ कार्य करते हुए किसानों को सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने की अपील की। श्री देवेंद्र खड़गवंशी ने भी नवचयनित कार्मिकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को पारदर्शी एवं निष्पक्ष प्रक्रिया के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने चयनित अभ्यर्थियों से जनसेवा को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उप निदेशक कृषि, जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

बिजनौर कलेक्ट्रेट में 44 नवचयनित कृषि प्राविधिक सहायकों को मिले नियुक्ति पत्र, लखनऊ से जुड़े CM योगी

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार और कृषि क्षेत्र को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के अभियान के तहत मंगलवार को जनपद बिजनौर के कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा विदुर सभागार में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रशासक जिला पंचायत साकेंद्र प्रताप सिंह तथा जिलाधिकारी जसजीत कौर ने संयुक्त रूप से जनपद के 44 नवचयनित प्राविधिक सहायकों (ग्रुप-सी) को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में आयोजित माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के मुख्य समारोह का सजीव प्रसारण दिखाया गया, जिसे उपस्थित अधिकारियों एवं नवनियुक्त अभ्यर्थियों ने देखा। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को प्रदेशभर में कुल 1,600 नवचयनित प्राविधिक सहायकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए हैं। विदेशों तक में मिल रहा रोजगारः मुख्यमंत्री समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश का युवा अब जापान सहित अन्य देशों में भी रोजगार प्राप्त कर अपना भविष्य संवार रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार किसानों को पर्याप्त एवं सर्वाधिक बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश की 122 संचालित चीनी मिलों के माध्यम से किसानों को 3 लाख 25 हजार करोड़ रुपये का रिकॉर्ड गन्ना मूल्य भुगतान किया गया है। वर्तमान में राज्य में 28 लाख टन चीनी का स्टॉक उपलब्ध है, जिससे चीनी की कोई कमी नहीं है। कृषि विकास दर 18 प्रतिशत पहुंची मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य की कृषि विकास दर 8 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गई है। किसानों को उच्च गुणवत्ता के बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी के नाम पर ह्यसीड पार्कह्ण का निर्माण कराया जा रहा है। 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का आह्वान सभागार में नवनियुक्त सहायकों को संबोधित करते हुए प्रशासक जिला पंचायत साकेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें सभी को ईमानदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करना होगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, उप कृषि निदेशक डॉ. घनश्याम वर्मा, जिला कृषि अधिकारी जसवीर सिंह तेवतिया सहित संबंधित अधिकारी एवं नवचयनित प्राविधिक सहायक उपस्थित रहे।

पुलिस व एसटीएफ की संयुक्त कार्यवाही में 5 तस्कर धरे, 150 किलो से अधिक गांजा व 2 कार बरामद

लोनी। ट्रॉनिका सिटी पुलिस और एसटीएफ (STF) की संयुक्त टीम ने मंगलवार को एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 150 किलो से भी अधिक (23 पैकेट में बंद) अवैध गांजे के अलावा तस्करी में प्रयुक्त दो कार (फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई) और दो मोबाइल फोन बरामद करने का दावा किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से गांजे की कीमत करीब 50 लाख रुपये आंकी गई है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मुखबिर की सूचना अनुसार ट्रॉनिका सिटी पुलिस एवं एसटीएफ की संयुक्त टीम ने उक्त गांजा तस्करों को थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुर्जर चौक से शिव चौक जाने वाले मार्ग पर खानपुर कट के निकट चेकिंग के दौरान दबोचने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए आरोपियों ने पुलिस पूछ ताछ के दौरान अपना नाम प्रिंस कुमार, आशीष कुमार, सोनू कुमार, राजा व रोहित कुमार बताया. जो सभी मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। पूछताछ में तस्करों ने खुलासा किया कि वे ओडिशा से सस्ते दामों पर गांजा खरीदते थे। इसके बाद वे बिहार के रास्ते होते हुए इसे दिल्ली-एनसीआर के इलाकों में ऊंचे दामों पर सप्लाई करते थे। पुलिस चेकिंग से बचने के लिए वह अपनी गाड़ियों पर फर्जी नंबर प्लेट लगाकर चलते थे। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओ में मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया है. जो अब उनके गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

लोहिया वाहिनी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुहेल बाकर का भव्य स्वागत, मिशन-2027 को लेकर सपा ने कसी कमर

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर मंगलवार को समाजवादी लोहिया वाहिनी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुहेल बाकर का भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकताओं ने फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया। इस दौरान कार्यकताओं ने संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष हनी फैसल ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव धनंजय सिंह यादव ने किया। समारोह में नगीना विधायक मनोज पारस, चांदपुर विधायक स्वामी ओमवेश तथा पूर्व विधायक हाजी नईमुल हसन प्रमुख रूप से मौजूद रहे। बीपी मंडल की जयंती पर सामाजिक न्याय का संकल्प स्वागत समारोह के साथ ही सामाजिक न्याय के पुरोधा एवं मंडल आयोग के अध्यक्ष रहे स्वर्गीय बी.पी. मंडल की जयंती भी मनाई गई। नेताओं और कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा सामाजिक न्याय की विचारधारा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग की एकजुटता समाजवादी पार्टी की प्रमुख ताकत है। लोहिया वाहिनी के माध्यम से युवाओं और पीडीए समाज के बीच संगठन की पहुंच को और मजबूत किया जाएगा। वक्ताओं ने कार्यकताओं से गांव-गांव और बूथ स्तर तक सक्रिय होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। मिशन-2027 पर संगठन मजबूत करने का जोरनवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुहेल बाकर ने पार्टी नेतृत्व और कार्यकताओं का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी दी गई है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि मिशन-2027 को सफल बनाने के लिए लोहिया वाहिनी को मजबूत करने और युवाओं को संगठन से जोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान समाजवादी पार्टी जिंदाबाद, पीडीए एकता और मिशन-2027 के नारों से जिला कार्यालय का माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। कार्यकताओं ने आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी को मजबूत करने के लिए पूरी एकजुटता और निष्ठा से काम करने का संकल्प लिया। समारोह में राशिद हुसैन, प्रभा चौधरी, राहुल चौधरी, अनुज मलिक, शमशाद अंसारी, अयूब अंसारी, बी.के. कश्यप, राधा सैनी, कुंदेश सैनी, कमलेश भुइयार, कृपाणी प्रजापति, नदीम जफर, शालोक पवार, सीमा, सलीम, अखलाक, पप्पू, महमूद कस्सार, नवाब मंसूरी, तरुण लांबा, मनोज यादव, मनोज राजपूत, बहादुर अंसारी, संसार चौधरी, तहजीब बाबू जनदरपुर, शेख जाहिद, प्रमोद प्रधान, दिलशाद अंसारी, संजय पाल, देवानंद भुइयार, सुरेंद्र वाल्मीकि, अख्तियार, वकार रईन प्रधान, नाज़िम मंसूरी, परवेज सिद्दीकी, राशिद कुरैशी, हुसैन अंसारी, इंतजार हुसैन, समर बाकर, अजीम हसन, आदिल जैदी, मोहम्मद कुमैल, साकिब जैदी, अफाक प्रधान, सुमित वर्मा, आमिर, शिराज जैदी, हादी जैदी, कलीम जैदी, दानिया बाकर, अली बाकर, आतिफ जैदी, आमान जैदी, अब्बास बाकर, सिराज बाकर, अवैस जैदी, समीर जैदी, फरमान कुरैशी, शमून कुरैशी, शोएब अंसारी, सद्दाम अल्वी, शादाब, शुभम चौधरी, नितिन चौधरी, आमिर जैदी, इंतजार इद्रिसी, शादमान, अशरफ भाई, मोनिस जैदी, मंजूर हैदर, हमजा जैदी, साजिद अब्बासी, सागर मलिक, आफताब जैदी, सलमान सिद्दीकी, भूरा कुरैशी, आसिफ जैदी, नसीम, नफीस मेम्बर, परवेज शेख, फैज जैदी, शबी हैदर, सगीर हैदर, शादाब अंसारी, यूनुस ताऊ, शेख रईस, आसिफ, असलम, शादाब, गुड्डू, अफजल अंसारी, आमिर सिद्दीकी, वसीम अंसारी, कयाम जैदी, शेर सिंह भुइयार, अशोक गहलोत, कविश खान, जॉनी, हर्ष भुइयार, अमित सैनी, भुवनेश्वर पाल, तालिब राशिद, मुकीम कुरैशी, मुस्तकीम, अहमद, शाहिद, जानी, शमीम अब्बासी, अब्बास हुसैन चौधरी, ओम प्रकाश, शाहरुख चौधरी, जीशान आलम, अफजल-उल-हक, हाजी जावेद रईन तथा अहमद खिजर खान सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

जयपुर की निम्स यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट ने किया सुसाइड

जयपुर की NIMS यूनिवर्सिटी के छात्र ने हॉस्टल की 15वीं मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। मृतक आदित्य तिवारी लखनऊ (यूपी) का रहने वाला था। आदित्य B.Tech फर्स्ट ईयर का छात्र था और गार्नेक हॉस्टल में दो रूम पार्टनर मयंक यादव और अंकित सिंह के साथ रहता था। चंदवाजी थानाधिकारी राजबीर सिंह ने बताया- मंगलवार रात करीब 8:30 बजे छात्र के सुसाइड करने की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर निम्स हॉस्पिटल की मॉच्युर्री में रखवाया। पुलिस ने बताया- घटना के संबंध में हॉस्टल में रहने वाले अन्य छात्रों और प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी जुटाई जा रही है।

नाबालिग से रेप के दोषी को 20 साल की जेल

टोंक की पॉक्सो कोर्ट ने मंगलवार को नाबालिग से रेप के करीब ढाई साल पुराने मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी भानु कुमार मीणा (22) को दोषी ठहराते हुए 20 साल के कठोर कारावास और 50 हजार रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई है। विशिष्ट लोक अभियोजक राकेश कुमार शर्मा के अनुसार, घटना 25 जनवरी 2024 की है। सवाई माधोपुर निवासी आरोपी भानु कुमार ने खेत पर गई पीड़िता (15) के मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसके साथ दरिंदगी की थी। वारदात के बाद पीड़िता की तबीयत बिगड़ने पर उसका इलाज कराया गया और परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कोर्ट में 21 गवाह हुए पेश पुलिस ने जांच पूरी कर 31 मई 2024 को मामले में चार्जशीट पेश की थी। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने 42 दस्तावेजी साक्ष्य पेश किए और 21 गवाहों के बयान दर्ज करवाए। सबूतों और गवाहों के आधार पर विशिष्ट जज प्रदीप कुमार वर्मा ने अभियुक्त को दोषी मानते हुए यह सजा सुनाई।

जोधपुर में कल 4 घंटे बिजली कटौती:मेंटेनेंस के चलते रहेगा शटडाउन

जोधपुर शहर में बिजली लाइनों के रख-रखाव के चलते कई कॉलोनी में कल बिजली बंद रहेगी। कई इलाकों में 4 घंटे तक बिजली नहीं आएगी। इसके बाद बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। सुबह 7 से 11 बजे यहां रहेगा पावरकट11 केवी पोलोटेक्निक फीडर से संबंधित संबंधित हरिसिंह नगर, पीडब्ल्यूडी. कॉलोनी, सूर्या कॉलोनी, कमला रेजीडेन्सी, ओशो अपार्टमेंट, नगर निगम विक्रमादित्य नगर और पोलोटेक्निक कॉलेज के आस-पास के संपूर्ण क्षेत्र में सुबह 7 से 11 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी।बिजली विभाग ने संबंधित क्षेत्र के उपभोक्ताओं से अपील की है कि निर्धारित समय से बिजली से जुड़े आवश्यक कार्य निपटा लें और कटौती के दौरान सहयोग करें।

15 घंटे टापू पर फंसे 3 दोस्तों का रेस्क्यू

छत्तीसगढ़ में कोरबा के देवपहरी वाटरफॉल में नदी के तेज बहाव के बीच टापू पर फंसे 3 दोस्तों को 15 घंटे बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तीनों पिकनिक मनाने पहुंचे थे। अचानक नदी का जलस्तर बढ़ने से वे बीच में फंस गए। रातभर टापू पर रहने के बाद पुलिस और स्थानीय लोगों ने रस्सी के सहारे तीनों का रेस्क्यू किया। धमतरी जिले के हरदी गांव में वाटरशेड परियोजना के तहत बन रहा एक चेकडैम बारिश के कारण टूट गया। लगभग 42 लाख रुपए की लागत से निर्माणाधीन इस चेकडैम का एक हिस्सा ढह गया है, जिससे निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं।

बारावफात और रक्षाबंधन से पहले पुलिस अलर्ट

शहर में निकाला फ्लैग मार्च, अफवाह फैलाने वालों को चेतावनी

प्रात: किरण संवाददाता

बारावफात और रक्षाबंधन जैसे बड़े त्योहारों से पहले चित्तौड़गढ़ पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गई है। त्योहारों के दौरान शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनी रहे, लोगों को सुरक्षित माहौल मिले और किसी तरह की अफवाह या असामाजिक गतिविधि माहौल खराब न कर सके, इसके लिए मंगलवार को शहर के प्रमुख बाजारों और संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च निकाला गया। पुलिस का यह मार्च सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके जरिए लोगों को यह भरोसा भी दिलाया गया कि त्योहारों के दौरान पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी। शहर के व्यस्त बाजारों से जब पुलिस बल एक साथ गुजरा तो व्यापारियों और आम लोगों में भी सुरक्षा का विश्वास दिखाई दिया। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में दिखी पुलिस की मौजूदगीफ्लैग मार्च गोल प्याऊ से शुरू होकर पावटा चौक, सदर बाजार, सुभाष चौक होते हुए फिर गोल प्याऊ पहुंचा। इस दौरान पुलिस लाइन का जाप्ता, कोतवाली थाना पुलिस, कालिका पेट्रोलिंग यूनिट और एमबीसी के जवान शामिल रहे। पुलिस ने पूरे रास्ते पैदल मार्च करते हुए प्रमुख बाजारों, सार्वजनिक स्थानों और संवेदनशील इलाकों की स्थिति देखी। अधिकारियों ने रास्ते में सुरक्षा व्यवस्था का भी जायजा लिया और यह सुनिश्चित किया कि त्योहारों के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं हो। बाजारों में खरीदारी के लिए आने वाले लोगों और दुकानदारों ने भी पुलिस की सक्रिय मौजूदगी को सकारात्मक कदम बताया। पुलिस का कहना है कि आने वाले दिनों में भी शहर में लगातार गश्त जारी रहेगी और भीड़भाड़ वाले इलाकों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। सोशल मीडिया पर भी रहेगी पैनी नजर जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि त्योहारों के दौरान सिर्फ सड़कों पर ही नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर भी पुलिस की बराबर नजर रहेगी। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फैलने वाली अफवाहों, भ्रामक संदेशों और आपत्तिजनक पोस्ट की लगातार निगरानी की जाएगी। अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर अफवाह फैलाने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से भी अपील की है कि किसी भी अपुष्ट खबर या संदेश को बिना जांचे आगे शेयर या फॉरवर्ड नहीं करें। अगर किसी को कोई संदिग्ध पोस्ट या गतिविधि दिखाई देती है तो उसकी जानकारी तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपीलपुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूरे जिले में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा और लगातार गश्त की जाएगी। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।उन्होंने जिलेवासियों को बारावफात और रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए सभी से आपसी भाईचारे, सौहार्द और शांतिपूर्ण माहौल में त्योहार मनाने की अपील की।

निकाय चुनाव से पहले साथ दिखे जाड़ावत और सिसोदिया:जिलाध्यक्ष बोले- गुटबाजी छोड़िए, कांग्रेस का बोर्ड बनाने के लिए साथ आइए

प्रात: किरण संवाददाता

नगर परिषद चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस ने श्रीनाथ गार्डन में कार्यकर्ता सम्मेलन के जरिए संगठन को एकजुट दिखाने की कोशिश की। सम्मेलन का सबसे बड़ा राजनीतिक संदेश यह रहा कि कांग्रेस जिलाध्यक्ष बनने के बाद पहली बार प्रमोद सिसोदिया और पूर्व विधायक सुरेंद्र सिंह जाड़ावत सार्वजनिक मंच पर साथ नजर आए। दोनों नेताओं ने कार्यकताओं के सामने एकजुट होकर चुनाव लड़ने का भरोसा दिलाया और कहा कि पार्टी में अब व्यक्तिगत मतभेदों की जगह संगठन को मजबूत करने पर ध्यान दिया जाएगा। हालांकि सम्मेलन में पूर्व नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा की दूरी भी साफ दिखाई दी। यही वजह रही कि मंच पर दिखी एकता के बावजूद राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या यह मेल-मिलाप लंबे समय तक रहेगा या फिर यह सिर्फ नगर परिषद चुनाव तक की रणनीति है। सम्मेलन के दौरान सिसोदिया ने मंच से यह कहकर हल्का तंज भी कसा कि उन्होंने कई बार जाड़ावत को बुलाया, लेकिन वे कभी नहीं आए। बाद में उन्होंने इसे तंज मानने से इनकार करते हुए कहा कि अब समय एक साथ काम करने का है और गुटबाजी खत्म होनी चाहिए। लंबे समय बाद साथ आए दोनों नेता, कार्यकताओं को दिया एकजुट रहने का संदेश सम्मेलन में प्रमोद सिसोदिया ने अपने संबोधन की शुरूआत ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल सोनी का धन्यवाद करते हुए की। उन्होंने कहा कि लंबे समय बाद उन्हें ब्लॉक कांग्रेस की बैठक में बुलाया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने कई बार जिला कांग्रेस की बैठकों में पूर्व विधायक को आने का न्योता दिया था, लेकिन वे नहीं आए। इसके बाद उन्होंने साफ किया कि अब पुरानी बातों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने का समय है। उन्होंने कहा कि नगर परिषद चुनाव कांग्रेस के लिए बहुत जरूरी हैं और इसमें सभी नेताओं व कार्यकताओं को मिलकर मेहनत करनी होगी। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली बार भी कई मतभेद होने के बावजूद कांग्रेस ने मिलकर चुनाव लड़ा था और बोर्ड बनाया था। इस बार तो सभी नेता एक मंच पर हैं, इसलिए परिणाम और बेहतर आने चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्याशी चयन का फैसला पार्टी नेतृत्व करेगा और किसी भी कार्यकर्ता को टिकट मांगने से नहीं रोका जाना चाहिए।

जयपुर में 429 मकान-दुकानों को हाईकोर्ट का नोटिस:सरकारी जमीन और सड़क पर निर्माण का मामला

प्रात: किरण संवाददाता

जयपुर के पृथ्वी राज नगर (पीआरएन) दक्षिण के जोन 18 और 19 में सरकारी जमीन और सड़क भूमि पर बने 429 मकान-दुकानों को लेकर राजस्थान हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट ने इन सभी निर्माणों से जुड़े स्वामियों को नोटिस जारी किए हैं। संबंधित लोगों को आगामी सुनवाई में अपने अधिवक्ता के जरिए उपस्थित होकर यह बताना होगा कि उन्होंने संबंधित भूमि पर निर्माण किस आधार पर किया। दरअसल, जयपुर विकास प्राधिकरण (खऊअ) ने हाईकोर्ट में अतिरिक्त शपथ-पत्र पेश कर 429 मकान-दुकानों की सूची भी प्रस्तुत की है। खऊअ के अनुसार निर्माण सरकारी भूमि पर अतिक्रमण और सड़क भूमि पर किए गए निर्माण से संबंधित हैं। प्राधिकरण ने कोर्ट को यह भी बताया कि संबंधित लोगों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं और उन्हें न्यायालय में लंबित मामले की जानकारी दी गई है। कोर्ट ने खऊअ के अफसरों से पूछा- अवैध निर्माण होने कैसे दिए हाईकोर्ट ने आदेश में कहा- सूची में शामिल कई मकान संबंधित प्रवर्तन अधिकारी और क्षेत्र के प्रभारी उपायुक्त, खऊअ की जानकारी में सरकारी जमीन और सड़क पर बने हैं।ऐसे में कोर्ट ने संबंधित प्रवर्तन अधिकारी और उपायुक्त से स्पष्टीकरण मांगा है कि सरकारी भूमि और सड़क पर अवैध निर्माण और अतिक्रमण किस तरह होने दिया गया। 429 को नोटिस, मकान पर भी चस्पा होगाकोर्ट ने सूची की जांच में पाया कि कुछ आवासों और दुकानों के स्वामियों के नाम दर्ज नहीं हैं। इस पर खऊअ के अधिवक्ता को संबंधित मकानों का आवश्यक विवरण उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट ने 429 संबंधित आवासों और मकानों के स्वामियों को नोटिस जारी किए हैं। प्रवर्तन अधिकारी को निर्देश दिया गया है कि प्रत्येक नोटिस संबंधित स्वामी को व्यक्तिगत रूप से तामील कराने के साथ मकान पर भी चस्पा किया जाए। नोटिस मिलने वाले संबंधित लोगों को अगली सुनवाई में अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर यह स्पष्ट करना होगा कि उन्होंने संबंधित जमीन पर मकान या अन्य निर्माण किस आधार पर और किस तरह किया। कुछ लोगों ने खुद को पक्षकार बनाने के लिए आवेदन दियावहीं, इस पूरे मामले में कुछ लोगों ने खुद को भी प्रकरण में पक्षकार बनाए जाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किए हैं। हाईकोर्ट ने इन आवेदनों की प्रतियां खऊअ के अधिवक्ता और रिट याचिकाकताओं के अधिवक्ता को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि जरूरत होने पर दोनों पक्ष अपना जवाब पेश कर सकें। 1 सितंबर को होगी अगली सुनवाई अब मामले की अगली सुनवाई 1 सितंबर को राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ में होगी। हाईकोर्ट के निर्देशों की पालना में खऊअ संबंधित रिकॉर्ड जुटाने और आवश्यक कार्रवाई करने में जुटा है।

जयपुर में युवक की हत्या की 3 आरोपियों को दबोचा:एक आरोपी के खिलाफ कई थानों में 17 मुकदमें दर्ज

प्रात: किरण संवाददाता

जयपुर के विद्याधरनगर में आपसी लेन-देन के विवाद को लेकर सोमवार को देर रात साढ़े 11 बजे चाकूबाजी में एक युवक शाकिर (22) की मौत हो गई थी। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि वारदात से 3-4 दिन पहले मृतक के भाई कय्यूम और आरोपी रफीक उर्फ बकरी चोर के बीच लेन-देन को लेकर कहासुनी और गाली-गलौज हुई थी। इसी रंजिश को लेकर आरोपियों ने हत्या की साजिश रची थी। गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद फरीद उर्फ फरदू चाचा (37) पुत्र मोहम्मद बशीर, निवासी मकान नंबर डी-209, न्यू संजय नगर, 90 फीट रोड, थाना भट्टाबस्ती, जयपुर, शाहरुख (32) पुत्र मोहम्मद आमीन, निवासी सी-125, न्यू संजय नगर, थाना भट्टाबस्ती, जयपुर और दिलशाद उर्फ ढिल्लू (40) पुत्र अब्दुल गफ्फार कुरैशी, निवासी मकान नंबर 88, सुदामापुरी, नाहर का नाका, शास्त्री नगर, जयपुर है। मोहम्मद फरीद भट्टा बस्ती थाने में हिस्ट्रीशीटर है। इसके खिलाफ अलग-अलग थानों में 17 मुकदमें दर्ज है। मृतक शाकिर के 10 दिन पहले ही बेटा हुआ था। राजीनामे के बहाने बुलाया, फिर हमला जांच के अनुसार, आरोपी दिलशाद उर्फ ढिल्लू ने पूर्व नियोजित साजिश के तहत रफीक उर्फ बकरी चोर को अपने साथ मंदिर मोड़ पर बुलाया। इसके बाद परिवादी कय्यूम (38) को राजीनामा करने के बहाने मंदिर मोड़ पर बुलाया गया। कय्यूम ने अपने भाई शाकिर को भी मौके पर बुला लिया। पुलिस के मुताबिक, इसी दौरान पूर्व नियोजित साजिश के तहत रफीक उर्फ बकरी चोर ने अन्य आरोपियों हारून, आशीफ उर्फ चाकू, फरीद उर्फ फरदू चाचा, शाहरुख और दिलशाद के सहयोग से शाकिर पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। हमले में कय्यूम भी चाकू लगने से घायल हो गया। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। थानाधिकारी सज्जन कुमार ने बताया कि दोनों पक्षों में वारदात से एक दिन पहले शराब पीने के दौरान भी झगड़ा हुआ था। सोमवार देर रात दोनों पक्ष समझाइश के लिए जमा हुआ थे। इस दौरान विवाद बढ़ गया और चाकूबाजी हो गई। वहीं पुलिस ने मामले में आरोपी दिलशाद, शाहरुख और मोहम्मद फरीद को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने आपसी कहासुनी के चलते शाकिर की जांघ में चाकू मारकर हत्या की थी। शाकिर के भाई कय्यूम से पैसे के लेन देन को लेकर उनका झगड़ा था। घायल युवक बोला- हमारा पुराना विवाद है एसीपी शास्त्री नगर दिलीप कुमार मीणा का कहना है कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है। विवाद की शुरूआत किस बात को लेकर हुई और चाकूबाजी में कौन-कौन शामिल था, इसका पता जांच के बाद स्पष्ट होगा।

भूपेश बोले- चैतन्य को अमित शाह ने बना दिया नेता:पाटन में जन्मदिन पर ED कार्रवाई, माताओं और आजादी की लड़ाई का किया जिक्र

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का भाषण सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वे चैतन्य बघेल के खिलाफ हुई एऊकी कार्रवाई का जिक्र करते हुए कहते हैं, हमारे यहां उन्होंने ईडी भेज दिया। मैंने तो चैतन्य को नेता नहीं बनाया, लेकिन अमित शाह ने इसे नेता बना दिया है। दरअसल, भूपेश बघेल ने अपने जन्मदिन के अवसर पर पाटन में आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक जुटे थे। इस दौरान उन्होंने अपने पुराने अंदाज में पाटन की मिट्टी, यहां की माताओं और आजादी की लड़ाई का जिक्र करते हुए अपने बेटे चैतन्य बघेल का भी उल्लेख किया। एक कार्रवाई से बदली चैतन्य की पहचान चैतन्य बघेल सक्रिय राजनीति से दूर रहे हैं। हालांकि, उनके खिलाफ हुई ईडी की कार्रवाई और गिरफ्तारी के बाद वे लगातार चर्चा में रहे। जुलाई 2025 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में चैतन्य बघेल को गिरफ्तार किया था।इसके बाद मामले में अदालत में सुनवाई भी चली। भूपेश बघेल अब इसी घटनाक्रम को राजनीतिक अंदाज में अमित शाह से जोड़कर पेश कर रहे हैं। पाटन के मंच से दिया गया उनका बयान केवल बेटे के बचाव तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने इसे राजनीतिक संघर्ष के तौर पर भी सामने रखा।पाटन की मिट्टी को बताया देश के लिए संघर्ष करने वाली भूपेश बघेल ने अपने भाषण में पाटन को सिर्फ अपना राजनीतिक क्षेत्र नहीं, बल्कि देश के लिए संघर्ष करने वाले लोगों की धरती बताया। उन्होंने कहा कि पाटन की माताओं ने ऐसे वीरों को जन्म दिया, जिन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में अपना योगदान दिया।

श्रीगंगानगर पुलिस ने महाराष्ट्र से तस्कर पकड़ा

:3 साल से फरार था, 10 हजार का रखा था इनाम

प्रात: किरण संवाददाता

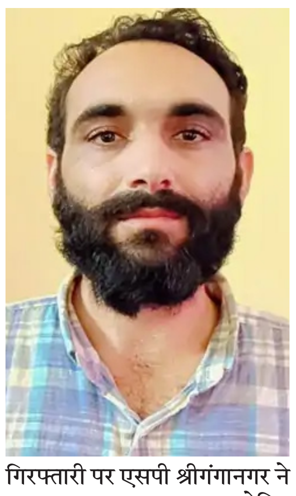

गिरफ्तारी पर एसपी श्रीगंगानगर ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था।

श्रीगंगानगर पुलिस ने 3 साल से फरार चल रहे 10 हजार रुपए के इनामी अफीम तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मनफूल उर्फ मनू को महाराष्ट्र के जलगांव जिले से पकड़ा गया है। एसपी हरी शंकर ने बताया- लंबे समय से फरार और वांछित इनामी बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। एसपी दीपक शर्मा, सीओ सिटी विष्णु खत्री के सुपरविजन तथा थानाधिकारी सुभाष चन्द्र के निर्देशन में थाना सदर की विशेष टीम गठित की गई। टीम ने प्रकरण संख्या 402/2023, धारा 8/18, 29 एनडीपीएस एक्ट में फरार आरोपी मनफूल उर्फ मनू (26) निवासी छितरबेरा तेजानियों की ढाणी (जोधपुर) को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहले टीम ने उसके दर्ज पते भोजासर पर दबिश दी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद लोकेशन ट्रेस करने से पता चला कि आरोपी महाराष्ट्र के जलगांव जिले के चालीसगांव तहसील के गांव मेहुणबारे में छिपा हुआ है। इसके बाद पुलिस टीम महाराष्ट्र पहुंचकर तलाश में जुट गई। आरोपी लगातार अपनी पहचान और ठिकाना छिपा रहा था, इसलिए टीम को काफी मशक्कत करनी पड़ी। पुलिस ने स्थानीय स्तर पर पैदल घूमकर आम लोगों से पूछताछ की। तलाश के दौरान पता चला कि आरोपी भारत गैस से संबंधित काम कर रहा है।इसके बाद टीम ने तकनीकी कौशल का इस्तेमाल करते हुए आरोपी से भारत गैस का ग्राहक बनकर संपर्क किया। पहचान और ठिकाने की पुष्टि होने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ और आगे की जांच जारी है। इस कार्रवाई में हैड कॉन्स्टेबल सत्यनारायण और कॉन्स्टेबल रोहिताष की विशेष भूमिका रही है।

PWD के ठेकेदार के ठिकानों पर इनकम टैक्स की रेड

प्रात: किरण संवाददाता

बाड़मेर में PWD के ठेकेदार भजनलाल विश्नोई के घर मंगलवार को इनकम टैक्स (आईटी) की टीम ने छापा मारा। चौहटन सर्किल के पास ठेकेदार के ऑफिस में इनकम टैक्स की टीम दस्तावेज को खंगाल रही है। फिलहाल फर्म के लेन-देन को लेकर जांच करने की बात कही गई है। जानकारी के अनुसार, इनकम टैक्स विभाग की टीम चार गाड़ियों में शाम करीब 5 बजे पहुंची। टीम ने आते ही ऑफिस में आवाजाही पर रोक लगा दी और कागजात खंगालना शुरू कर दिया। इस दौरान भजनलाल विश्नोई भी ऑफिस में ही मौजूद था। देर रात तक सर्च जारी रहा। दरअसल, भजनलाल विश्नोई को कांग्रेस का करीबी माना जाता है। वे कांग्रेस की ओर से निकाली गई सद्भावना यात्रा में भी शामिल हुए थे। वहीं करीब ढाई साल पहले रीट पेपर लीक मामले में भजनलाल गिरफ्तार हो चुका है। उस समय उनके घर पर ईडी की रेड पड़ी थी। पहले भी रडऋ कर चुकी है गिरफ्तार करीब ढाई साल पहले रीट पेपर लीक मामले में भजनलाल विश्नोई और उसकी भतीजी सोहनी देवी को एसओजी ने गिरफ्तार किया था। उस समय 71 लाख रुपए के साथ कुछ सबूत भी जब्त किए गए थे।सोहनी देवी को परीक्षा में बैठना था। इसके लिए भजनलाल ने पेपर खरीदा था। वही पेपर उसने दूसरों को भी बेचे थे। करोड़ों रुपयों का लेन-देन हुआ था। इसके बाद ईडी की टीम बाड़मेर शहर के महावीर नगर में भजनलाल के घर पहुंची थी और दस्तावेज जब्त किए थे।जानकारी के अनुसार, बाड़मेर के महावीर नगर निवासी एए क्लास ठेकेदार भजनलाल विश्नोई चौहटन को पूर्व विधायक पदमाराम का करीबी माना जाता है। पेपरलीक मामले में जब एसओजी ने भजनलाल को महावीर नगर के मकान से पकड़ा था, तब कई विधायकों ने भी भजनलाल को बचाने के लिए अप्रोच लगाई थी।

दुर्ग में स्कूली बच्चों का चक्काजाम, प्रिंसिपल हटाए गए:बोले- 400 स्टूडेंट्स को पढ़ाने सिर्फ 4 टीचर

प्रात: किरण संवाददाता

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के पेंड्रावन आत्मानंद स्कूल में 9वीं से 12वीं तक करीब 400 छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं, लेकिन स्कूल में सिर्फ 3 टीचर और 1 प्रिंसिपल हैं। बच्चों का कहना है कि टीचरों की कमी के कारण उनका कोर्स पूरा नहीं हो पाता। कम से कम 17 शिक्षक होने चाहिए। इसी मांग को लेकर छात्र-छात्राओं ने 21 अगस्त को प्रदर्शन किया था, लेकिन मांग पूरी नहीं होने पर 25 अगस्त को दोबारा खैरागढ़-धमधा मुख्य मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। दोपहर से प्रदर्शन अभी तक जारी है। छात्रों की कुछ मांगें पूरी कर दी गई हैं। ओपन स्कूल की व्यवस्था खत्म कर दी गई है और 3 शिक्षकों की व्यवस्था भी की गई है। साथ ही प्रिंसिपल को भी हटा दिया गया है। इसके बावजूद छात्र आर्ट्स और कॉमर्स विषय के शिक्षकों की मांग को लेकर अड़े हुए हैं। विभाग की ओर से कॉमर्स के एक शिक्षक की व्यवस्था जल्द की जा रही है। वहीं, दूसरा केस जिले के सेलूद के स्वामी आत्मानंद स्कूल का है। जहां 6वीं से 8वीं तक के 203 छात्र-छात्राओं ने टॉयलेट और बाउंड्रीवॉल की मांग को लेकर स्कूल गेट पर तालाबंदी की। इसके बाद दुर्ग-पाटन मेन रोड पर करीब एक घंटे तक चक्काजाम किया। बच्चों का कहना है कि पिछले 2 साल से स्कूल में टॉयलेट नहीं है। लड़कियां ने सवाल किए कि खुले में कहां जाएंगे। केस 1 - पेंड्रावन के स्कूली बच्चे दोबारा सड़क पर उतरेस्टूडेंट्स का कहना है कि 21 अगस्त के प्रदर्शन के बाद प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनी थीं। इसके बाद उन्हें उम्मीद थी कि स्कूल में शिक्षकों की कमी दूर की जाएगी और उनकी मांगों पर कार्रवाई होगी, लेकिन 25 अगस्त तक शिक्षकों की कमी पूरी नहीं हुई। ऐसे में मांगें पूरी नहीं होने से नाराज स्टूडेंट्स ने मंगलवार को दोबारा चक्काजाम कर दिया। उनका कहना है कि वे पढ़ाई छोड़कर सड़क पर नहीं बैठना चाहते, लेकिन जब स्कूल में पढ़ाने के लिए पर्याप्त शिक्षक ही नहीं हैं, तो उनकी पढ़ाई और भविष्य प्रभावित हो रहा है। ओपन स्कूल बंद करने की भी मांग स्टूडेंट्स की मांग सिर्फ शिक्षकों की कमी दूर करने तक सीमित नहीं है। वे ओपन स्कूल बंद करने की मांग को लेकर भी प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि स्कूल में जो कुछ शिक्षक हैं, उन्हें भी ओपन स्कूल में भेज दिया जाता है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। स्टूडेंट्स का कहना है कि जब स्कूल में पर्याप्त शिक्षक और पढ़ाई के लिए जरूरी व्यवस्था नहीं है, तो उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

साले ने जीजा को मारकर नाले में दफनाया: अफेयर के शक में बहन को पीटता था

प्रात: किरण संवाददाता

मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले में मार्च में हुई हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। साले ने ही जीजा को मारकर उसकी लाश नाले की रेत में दफना दी थी। मृतक अपनी पत्नी पर उसके ममेरे भाई (मुख्य आरोपी) से अफेयर का शक करता था। इसी शक में पत्नी से मारपीट करता था। आरोपी ने वारदात को अंजाम देने नाबालिग समेत 3 और लोगों को अपने साथ शामिल किया। आरोपियों ने उसे शराब पिलाने के बहाने खेत में बुलाया और गमछे से गला घोंटकर मार दिया। इसके बाद शव को नाले के किनारे गड्ढा खोदकर रेत में दबा दिया था। इस मामले में पुलिस ने नाबालिग समेत 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने वारदात में उपयोग की गई बाइक भी जब्त की है। घटना मदनवाड़ा थाना क्षेत्र की है। कोहका नाले के पास मिला था अज्ञात शव घटना 5 मार्च 2026 की है। भैंसाराटोला निवासी संजय हथगिया ने पुलिस को कोहका नाले के पास एक अज्ञात शव पड़े होने की सूचना दी थी। सूचना मिलते ही मदनवाड़ा पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम कराया।पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस को हत्या की आशंका हुई। इसके बाद इठर की धारा 103(1) और 238 के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों की मदद से मृतक की पहचान कदम भुआर्य (36), निवासी राजकट्टा, थाना औंधी के रूप में की। हैदराबाद तक पहुंची पुलिस, संदेही को हिरासत में लियामामले की जांच के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक वाई.पी. सिंह के निर्देशन और एसडीओपी विनोद मिंज के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने साइबर सेल की तकनीकी मदद के साथ मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर संदिग्धों की तलाश शुरू की।

हाईकोर्ट बोला- अनुकंपा नियुक्ति में शादीशुदा बेटी से भेदभाव नहीं

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े अहम मामले में फैसला सुनाते हुए कहा है कि केवल शादीशुदा होने के आधार पर बेटी को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित नहीं किया जा सकता। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने सिंगल बेंच के फैसले को निरस्त करते हुए दो शादीशुदा बेटियों को अनुकंपा नियुक्ति देने का आदेश दिया है।हाईकोर्ट ने बैंक को दोनों अपीलकताओं की शैक्षणिक योग्यता और लागू नियमों के अनुसार 90 दिन के भीतर अनुकंपा नियुक्ति देने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि वैवाहिक स्थिति को नियुक्ति में अयोग्यता का आधार नहीं बनाया जा सकता। विवाहित बेटियों ने मांगी अनुकंपा नौकरी मामला छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के 2 कर्मचारियों मदन कुमार पांडा और शैलेन्द्र कुमार जॉन्सन से जुड़ा है। दोनों की नौकरी के दौरान मौत हो गई थी।

संक्षिप्त खबरें

ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में तीन खिलाड़ियों ने पदक जीते

गाजियाबाद। ऋषिकेश में आयोजित हुई द्वितीय ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में तीन खिलाड़ियों ने पदक जीतकर नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने एक स्वर्ण और दो रजत पदक हासिल किए। प्रतियोगिता में नौ राज्यों से 440 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया था। इसमें गाजियाबाद कराटे स्कूल से पांच खिलाड़ी शामिल हुए, जिसमें से तीन ने पदक जीतकर सफलता हासिल की। स्कूल के महासचिव विशाल नरेंद्र सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता में रौनक सिंह ने स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं शौर्य श्रीवास्तव और रितेश ने रजत पदक जीते। इस अवसर पर नरेंद्र सिंह और आरके सूप ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ब्राजील के शिक्षाविदों ने स्कूल का दौरा किया

गाजियाबाद। ब्राजील से आए शिक्षाविदों के एक दल ने मंगलवार को रजापुर ब्लॉक के पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय मोरटी का शैक्षिक भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने निपुण भारत मिशन की नीतियों और लागू योजनाओं को देखा और उनका अवलोकन किया। निरीक्षण के बाद विदेशी दल ने स्कूल की पंजिका में लिखा, ब्राजील में अपने बच्चों को बेहतर बनाने के लिए इसका उपयोग करेंगे। शिक्षाविदों का बच्चों ने रोली-चावल से तिलक किया और बैंड बजाकर तथा कार्ड देकर स्वागत किया। शिक्षकों ने अतिथियों को पटका पहनाकर उन्हें सम्मानित किया। भ्रमण के दौरान शिक्षाविदों ने निपुण भारत के अंतर्गत कक्षा एक और कक्षा दो के शिक्षण कार्य का अवलोकन किया। शिक्षिका मधु सिंह और अंजलि अग्निहोत्री द्वारा कराए जा रहे गतिविधि आधारित शिक्षण और बच्चों द्वारा की जा रही शैक्षिक गतिविधियों की उन्होंने भरपूर सराहना की। विद्यालय की एसआरजी विनीता त्यागी ने निपुण भारत मिशन के अंतर्गत लागू की जा रहीं योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

छात्राओं ने एरिया ऑफिसर को राखी बांधी

गाजियाबाद। गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर मंगलवार को स्कूली छात्राओं ने गाजियाबाद के एरिया ऑफिसर भाग चन्द मीणा को राखी बांधकर पर्व की खुशियां साझा की। इस दौरान एरिया ऑफिसर ने सभी स्कूली छात्राओं को मन लगाकर पढ़ाई करने को लेकर प्रेरित किया। सरस्वती शिशु मंदिर की पांच से छह छात्राएं मंगलवार को गाजियाबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर स्थित एरिया ऑफिसर भाग चन्द मीणा के कार्यालय में पहुंची और उन्हें राखी बांध उनके सुख-समृद्धि की कामना की। राखी बांधने के बाद छात्राओं के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। इस दौरान एरिया ऑफिसर भाग चन्द मीणा ने छात्राओं से बातचीत की और उनकी पढ़ाई के बारे में जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं से पूछा कि वे भविष्य में क्या बनना चाहती हैं और उनका लक्ष्य क्या है।

युवक की मौत में पत्नी और पांच ससुरालियों पर मुकदमा

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में पत्नी को लेने ससुराल पहुंचे फरीदाबाद निवासी युवक ने जहरीला पदार्थ खा लिया। इससे उसकी मौत हो गई। युवक के पिता ने आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए बेटे की पत्नी और पांच अन्य ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बल्लभगढ़, जिला फरीदाबाद के गांव झारसेतली निवासी समय सिंह ने पुलिस को बताया कि उनके बेटे मनोज का पत्नी और ससुराल पक्ष के लोगों से पिछले छह-सात महीने से विवाद चल रहा था। 27 जून को मनोज शाम छह बजे पत्नी को लेने क्रॉसिंग रिपब्लिक थानाक्षेत्र में सैन विहार स्थित अपनी ससुराल गया था। रात में मनोज ने अपने परिचित अरुण कुमार को फोन किया। उसने बताया कि उसके ससुर, सास, पत्नी, बड़ा साला और छोटे साले ने इतना प्रताड़ित कि उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। इसके बाद अरुण कुमार, श्याम और परवीन मनोज की ससुराल पहुंचे। अस्पताल में उपचार के दौरान 28 जून को उसकी मौत हो गई। शिकायत के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भाले से हमला कर मां-बेटी को घायल किया

गाजियाबाद। नंदग्राम थानाक्षेत्र की नई बस्ती में विवाद के दौरान एक युवती और उसकी मां पर लोहे की भालेनुमा वस्तु से हमला कर घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष ने मामा और उसके परिवार के तीन अन्य सदस्यों पर आरोप लगाया है। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नई बस्ती गली नंबर छह निवासी शैरीन खान ने पुलिस को बताया कि 23 अगस्त को वह अपनी मां के साथ घर पर थी।

नोएडा पुलिस ने 3 महीने में खोजे 225 मोबाइल: 50 लाख रुपए के फोन बरामद, मालिकों को लौटाए

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा में भीड़भाड़ वाले बाजार, सड़क, ऑटो या हाथ में बस में मोबाइल खोने के बाद उसे वापस मिलने की उम्मीद छोड़ चुके लोगों के लिए नोएडा पुलिस ने राहत की खबर दी है। पुलिस की सर्विलांस सेल और सेक्टर-39 थाना पुलिस ने पिछले 3 महीने में 225 कीमती स्मार्टफोन बरामद किए हैं। इनकी कुल कीमत करीब 50 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस ने बरामद मोबाइल उनके असली मालिकों को वापस कर दिए। फोन हाथ में आते ही लोगों के चेहरे पर खुशी नजर आई। लोगों ने पुलिस की इस कार्रवाई की सराहना की। CEIR पोर्टल और सर्विलांस से तलाशे मोबाइल एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मोबाइल गुम होने की शिकायतें दर्ज थीं। पुलिस ने इन मोबाइल को CEIR (Central Equipmnt Identity Register) पोर्टल और सर्विलांस तकनीक की मदद से ट्रेस किया। तकनीकी जांच के बाद मोबाइल की लोकेशन और इस्तेमाल से जुड़ी जानकारी जुटाई गई। इसके बाद पुलिस ने मोबाइल बरामद कर उनके मालिकों की पहचान की और फोन वापस सौंप दिए। अकेले सेक्टर-39 पुलिस ने बरामद किए 44 फोन इस अभियान में सेक्टर-39 थाना पुलिस ने अकेले 44 मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस के मुताबिक, अलग-अलग कंपनियों के ये स्मार्टफोन लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण थे। मोबाइल वापस मिलने के बाद लोगों ने पुलिस टीम का आभार जताया और कार्रवाई की सराहना की। 225 मोबाइल की कीमत करीब 50 लाख रुपए पुलिस के मुताबिक, तीन महीने में बरामद किए गए 225 मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत करीब 50 लाख रुपए है। अलग-अलग जगहों से गुम हुए इन मोबाइल को तकनीकी माध्यम से ट्रेस कर बरामद किया गया। मोबाइल वापस मिलने के बाद लोगों के चेहरों पर खुशी दिखाई दी। पुलिस का कहना है कि गुम हुए मोबाइल को बरामद करने के लिए तकनीकी माध्यमों से लगातार कार्रवाई की जा रही है।

मायावती के भतीजे आकाश आनंद बोले- अखिलेश यादव कन्फ्यूज हैं: राहुल आरक्षण हटाओ आंदोलन पर चुप क्यों?

प्रात: किरण संवाददाता

बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने मंगलवार को गौतमबुद्धनगर में राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा, जंतर-मंतर पर आरक्षण हटाओ आंदोलन चल रहा है। क्या वहां राहुल गांधी विरोध में गए? आपके आरक्षण को हटाने के लिए आंदोलन हो रहा है और इनके मुंह से एक शब्द नहीं निकल रहा। ये कांग्रेस का असली चरित्र है। आकाश ने कहा, अखिलेश यादव कभी समझ नहीं आए। वे कन्फ्यूज रहते हैं। वो समाज के साथ खड़े हैं कि नहीं खड़े हैं मालूम नहीं। इतने बड़े नेता हैं, लेकिन अभी उन्होंने जयंत चौधरी के लिए अपमानजनक टिप्पणी की। तो कोई आपके समाज के लिए क्या करना चाहेगा? अखिलेश के सियासी नारे पर आकाश ने कहा, वो कहते तो हैं ढढ़ा, उन्होंने देखा कि पिछड़ा समाज इरद की ओर चल रहा है तो तो उन्होंने ढ अपने में लगा लिया। बसपा के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद ने दनकौर के आदर्श इंटर कॉलेज में जनसभा को संबोधित किया। इसमें करीब 20 हजार समर्थक पहुंचे। जनसभा में आकाश आनंद ने जेवर विधानसभा सीट से सतवीर नागर को बसपा का प्रत्याशी घोषित किया। अब पढ़िए आकाश की 5 बड़ी बातें... 1- झारखंड में कांग्रेस के साथ नहीं खड़ी रही आकाश आनंद ने कहा- दिल्ली का आंदोलन खत्म होने के बाद Gen-Z छात्र अपने मुद्दों को लेकर झारखंड में सड़क पर उतरे। झारखंड में कांग्रेस गठबंधन की सरकार है। अगर कांग्रेस वास्तव में छात्रों के साथ खड़ी होती तो वहां भी युवाओं का साथ देती। उन छात्रों पर लाठीचार्ज, गैस के गोले, गिरफ्तारी और एफआईआर का सामना करना पड़ा। दिल्ली के कनॉट प्लेस में कांग्रेस नेता छात्रों के लिए एफआईआर दर्ज कराने की मांग करते रहे, लेकिन जिस प्रदेश में उनकी सरकार है, वहां युवाओं पर कार्रवाई होने पर उन्हें दर्द दिखाई नहीं देता।

पिता के संघर्ष को बेटी ने अपनी उड़ान का मिशन बनाया

ग्रेटर नोएडा। पिता के संघर्ष को करीब से देखने वाली एक बेटी ने उनके लिए कुछ कर गुजरने की ठानी और अपने सपने को मिशन में बदल दिया। किसान परिवार से आने वाली यह बेटी अंतरिक्ष विज्ञान की दुनिया में कदम आगे बढ़ा चुकी है। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय (जीबीयू) में मिशन शक्ति के तहत आयोजित कार्यक्रम में वह सैटेलाइट विकसित करने में जुटी है। उसका उद्देश्य सिर्फ तकनीक सीखना नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा के जरिए पिता के संघर्ष को कम करने की राह तलाशना है। खेतों में मेहनत करने वाले पिता की बेटी का यह जुनून बताता है कि सपने संसाधनों के मोहताज नहीं होते, हौसला हो तो आसमान भी दूर नहीं। छत्तीसगढ़ के महासमुंद की रहने वाली रागिनी साहू शासकीय आशीबाई गोलछा कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा है। वह जीबीयू में आयोजित मिशन शक्तिसैट कार्यक्रम में प्रतिभाग कर सैटेलाइट बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। रागिनी साहू बताती है कि उन्हें इसके लिए उनके पिता से प्रेरणा मिली है। पिता किसान है, कई बार मौसम पूर्वानुमान का सटीक पता न चलने पर फसल बर्बाद हो जाती है, वह अपनी तकनीक से पिता के संघर्ष को कम करना चाहती है। इसके लिए वह यहां अंतरिक्ष विज्ञान का प्रशिक्षण लेने के लिए पहुंची है। इस कार्यक्रम से जुड़ने के लिए रागिनी ने 120 घंटे की ऑनलाइन ट्रेनिंग, 21 विस्तृत मॉड्यूल और 550 से अधिक स्पेस व सैटेलाइट विज्ञान से जुड़े लेसन पूरे किए। वह पूरे छत्तीसगढ़ राज्य से इस प्रतिष्ठित वैश्विक अंतरिक्ष अभियान के लिए चुनी जाने वाली इकलौती छात्रा हैं। चांद के रहस्यों की तलाश में भारत आई शायमा पश्चिम अफ्रीकी देश बेनिन की 11वीं कक्षा की छात्रा शायमा चांद के रहस्यों को करीब से समझने का सपना लेकर भारत पहुंची हैं। ग्रेटर नोएडा स्थित जीबीयू में मिशन शक्ति सैट कार्यक्रम के तहत वह चांद तक जाने वाली सैटेलाइट तैयार करने का प्रशिक्षण ले रही हैं।

बेसमेंट में जगह-जगह पानी भरने से वाहन तक पहुंचने में परेशानी

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। निराला एस्टेट सोसाइटी के बेसमेंट में जगह-जगह पानी भरने से निवासी परेशान हैं। लोगों का कहना है कि बेसमेंट में पानी जमा होने के कारण उन्हें अपने वाहनों तक पहुंचने और वाहन निकालने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जलभराव के कारण बेसमेंट में आवाजाही भी प्रभावित हो रही है। सोसाइटी में रहने वाले निर्देश पाठक और सौरभ ने बताया कि बेसमेंट में कई स्थानों पर लंबे समय से पानी जमा है। लोगों को पानी से होकर अपने वाहनों तक पहुंचना पड़ता है। इससे वाहन चालकों के साथ-साथ पैदल आने-जाने वाले लोगों को भी परेशानी होती है। लोगों का आरोप है कि जलभराव की समस्या को लेकर सोसाइटी प्रबंधन को कई बार ईमेल के माध्यम से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन इसके बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया है। लोगों का कहना है कि बेसमेंट में पानी जमा रहने से वाहन और अन्य सामान खराब होने की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा लगातार नमी और गंदे पानी के कारण दुर्गंध की समस्या भी हो सकती है। लोगों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के बावजूद सुनवाई नहीं होने से उनमें नाराजगी है। लोगों ने प्रबंधन से जल्द कार्रवाई कर बेसमेंट को जलभराव से मुक्त कराने की मांग की है, ताकि लोगों को रोजाना होने वाली परेशानी से राहत मिल सके।

जल निकासी दुरुस्त करने की मांग

लोनी। लोनी क्षेत्र में दिल्ली सहारनपुर रोड, लोनी गाजियाबाद रोड पर जानलेवा गड्ढों, जलभराव की समस्या को लेकर हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ताओं ने उपजिलाधिकारी के नाम एक ज्ञापन सौंपा। इसमें रक्षाबंधन पर्व तक जर्जर मार्गों की मरम्मत कराने और जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है। कार्यकर्ता मंगलवार सुबह इंद्रप्रस्थ कॉलोनी स्थित लोनी तहसील स्थित उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे। संगठन मंत्री अमित प्रजापति ने उपजिलाधिकारी के नाम सौंपे ज्ञापन में बताया कि क्षेत्र के दोनों मुख्य मार्गों पर जानलेवा गहरे गड्ढे हो गए हैं। बारिश के बाद मार्ग पर हुए गड्ढों में पानी भर जाता है। गड्ढों में गिरने से दोपहिया वाहन चालक, ऑटो, ई-रिक्शा में बैठी सवारियां घायल हो रही है। एंबुलेंस समेत अन्य वाहन गड्ढों में गिरकर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं। वहीं बारिश के बाद नालों के ओवरफ्लो होने से मार्गों पर जलभराव के चलते वाहनों के पहिए थम हुए है। राहगीरों के लिए आवाजाही की समस्या गंभीर है। उन्होंने बताया कि रक्षाबंधन पर्व पर दूर-दराज से बहनें अपने भाइयों को राखी बांधने लोनी आती है। ऐसे में बहनों को भी जलभराव, गड्ढों का सामना करना पड़ता है। कई स्थानों पर लोग गंदे पानी से गुजरने को विवश है। उन्होंने उपजिलाधिकारी से संबंधित विभाग के अधिकारियों को लोनी के मुख्य मार्गों पर हुए गड्ढों को भरकर मार्ग की मरम्मत कराने, जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की। उन्होंने कहा कि समस्या का जल्द समाधान नहीं कराने पर हिंदू रक्षा दल स्थानीय लोगों के साथ आंदोलन करने को विवश होगा। उपजिलाधिकारी के न मिलने पर कार्यकर्ताओं ने कानूनगो अफरोज को ज्ञापन सौंपा। कानूनगो ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपे जाने का आश्वासन दिया।

समस्याओं के समाधान के लिए फोनरवा प्रतिनिधिमंडल ने सीईओ के संग की बैठक

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। फेडरेशन ऑफ नोएडा रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशंस (फोनरवा) के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कृष्ण करुणेश से मुलाकात कर आरडब्ल्यूए और नोएडा के निवासियों से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने समस्याओं के शीघ्र समाधान के लिए सीईओ को विस्तृत ज्ञापन भी सौंपा। बैठक में फोनरवा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा ने कहा कि नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में विकास कार्य लंबे समय से लंबित हैं। इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूरा कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछली बैठकों में लिए गए कई निर्णय अभी तक धरातल पर लागू नहीं हुए हैं, जिन्हें जल्द से जल्द लागू किया जाना आवश्यक है। फोनरवा महासचिव केके जैन ने बताया कि आवासीय फ्लैटों में बढ़ते परिवारों की आवश्यकताओं और सुरक्षा के दृष्टिगत कई निवासियों ने बालकनी को कवर करने, दीवार बनाने आदि जैसे निर्माण कार्य करवाए हैं। ऐसे मामलों का सर्वे कराकर व्यवहारिक और मानवीय दृष्टिकोण से आवश्यक नीतिगत निर्णय लिया जाए‌ न्यूनतम जुमार्ना लेकर ऐसे निमार्णों को नियमित करने की नीति बनाई जाए। बैठक में सेक्टरों में आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों से बिना पर्याप्त परामर्श के बनाए जा रहे वेंडिंग जोन और लगातार बढ़ रहे अतिक्रमण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। सीईओ ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को अनधिकृत फेरीवालों, ठेलों और खोखों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बैठक में फोनरवा कोषाध्यक्ष पवन यादव, विजय कुमार भाटी, संजय चौहान सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। सीवर लाइन बदलने की उठाई मांग फोनरवा ने सेक्टरों में वर्षों पुरानी सीवर लाइनों को बदलने और उनकी क्षमता के अनुरूप नई सीवर लाइन बिछाने की मांग की। इसके साथ ही निष्क्रिय पड़े ट्यूबवेलों को शीघ्र दुरुस्त कर पुनः चालू करने और आवश्यकता के अनुसार नए ट्यूबवेल स्थापित करने की मांग की गई।

लव अग्रवाल और अर्णव चौरसिया ने रोबो रेस जीती

गाजियाबाद। दिल्ली में एटीएल फेस्ट टेक्नेशिया 7.0 का आयोजन किया गया। इस राष्ट्रस्तरीय प्रतियोगिता में आयोजित रोबो रेस में देशभर के छात्रों को पछाड़ते हुए गाजियाबाद के लव अग्रवाल और अर्णव चौरसिया ने प्रथम स्थान हासिल किया है। वहीं, हैकथॉन में विवान और श्रेय ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का आयोजन दिल्ली के मयूर विहार स्थित अहल्कॉन इंटरनेशनल स्कूल में हुआ, जिसमें देशभर के कई स्कूलों के छात्रों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में डीपीएसजी मेरठ रोड के छात्रों ने तकनीकी दक्षता और नवाचार का बेहतरीन नमूना पेश किया। रोबो रेस प्रतियोगिता में कक्षा नौ के लव अग्रवाल और अर्णव चौरसिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। उनकी बनाई रोबो ने सभी को प्रभावित किया। वहीं, हैकाथॉन कैटेगरी में कक्षा 10 के विवान सिंह और श्रेय ने अपनी कोडिंग और समस्या समाधान क्षमता से दूसरा स्थान प्राप्त किया। इसी तरह न्यूरल ब्लिट्ज प्रतियोगिता में कक्षा 10 के ही विवान चुग और रेयांश ने तीसरा स्थान हासिल कर एक और उपलब्धि हासिल की।

ग्रेनो के पांच गांवों में सामुदायिक केंद्र की सुविधा मिलेगी

प्रात: किरण संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के डाढ़ा, लुक्सर, इमलियाका, सिरसा और मिलक लच्छी समेत पांच गांवों में सेक्टरों की तरह सामुदायिक केंद्र की सुविधा मिलेगी। प्राधिकरण ने इसकी निविदा जारी की है। इस पर लगभग 35 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। सामुदायिक केंद्र के बनकर तैयार होने पर ग्रामीणों को शादी समारोह और अन्य सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने में आसानी होगी। अधिकारी के मुताबिक सामुदायिक केंद्र का निर्माण 4-5 एकड़ में किया जाएगा, इसके लिए गांव के पास जगह चिह्नित कर ली गई है। निविदा की प्रक्रिया पूरी कर अगले डेढ़ से दो माह में काम शुरू करा दिया जाएगा। कार्यदायी संस्था को एक साल में काम पूरा करना होगा। दो मंजिला सामुदायिक केंद्र में भूतल पर लॉबी, पार्टी हॉल, किचन, स्टोर, एक कमरा के साथ महिला और पुरुष शौचालय बनाया जाएगा। वहीं प्रथम तल पर लॉबी, लाइब्रेरी और महिला व पुरुष शौचालय की सुविधा होगी। हर सामुदायिक केंद्र में पॉर्किंग की भी व्यवस्था होगी। दरअसल शादी समारोह, जन्मदिन पार्टी, आरडब्ल्यूए की बैठक आदि कार्यक्रमों के आयोजन के लिए लोगों को इधर- उधर भटकना न पड़े ,इसके लिए प्राधिकरण द्वारा प्रत्येक आवासीय सेक्टर में सामुदायिक केंद्र की सुविधा उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। शहर के अल्फा, बीटा, गामा, डेल्टा, स्वर्णनगरी, पी-3 सहित ज्यादातर सेक्टरों में सामुदायिक केंद्र का निर्माण किया गया है। वहीं अधिसूचित क्षेत्र के गांवों में बरातघर का निर्माण कराया जाता है। सामुदायिक केंद्र के मुकाबले इनका आकार छोटा होता है। ऐसे में कार्यक्रम के आयोजन में दिक्कत होती है। इसको देखते हुए प्राधिकरण ने अब क्षेत्र के गांवों भी सेक्टरों की तर्ज पर सामुदायिक केंद्र बनाने का बड़ा फैसला लिया है। इसकी शुरूआत कर दी गई है।

शहर में पहली बार एआई प्रणाली से 475 किलोमीटर सड़कों का सर्वे

गाजियाबाद। नगर निगम ने शहर में पहली बार एआई प्रणाली से 475 किलोमीटर सड़कों का सर्वे कराया। सर्वे में 250 सड़कों के छोटे से छोटे गड्ढों को सॉफ्टवेयर से चिन्हित किया गया। रोड कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम ने सड़कों के गड्ढों को चिन्हित कर उन्हें भरने में आने वाली लागत का भी अनुमान बताया। निगम अब सड़कों की मरम्मत कराएगा। नगर निगम ने पूर्व में बनी पांचों जोन की सड़कों का सर्वे कराया। रोड कंडीशन मॉनिटरिंग सिस्टम एआई प्रणाली से 475 किलोमीटर लंबी सड़कों का सर्वे हुआ। सर्वे में 250 सड़कों पर छोटे से छोटे और बड़े गड्ढों को सॉफ्टवेयर से चिन्हित किया गया। मरम्मत के लिए उनकी सारणी तैयार की गई है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बुधवार को अधिकारियों के साथ बैठक कर सर्वे रिपोर्ट का प्रस्तुतिकरण देखा। उन्होंने निर्माण विभाग को सर्वे रिपोर्ट के आधार पर सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए। पांचों जोन की सड़कों का सर्वे हुआ निगम के निर्माण विभाग ने कार्यदायी संस्था साइबर स्विफ्ट से सर्वे कराया है। कविनगर जोन की 106 किलोमीटर सड़कें, विजयनगर की 54.6 किलोमीटर सड़क, वसुंधरा जोन की 110 किलोमीटर सड़क का सर्वे हुआ। सिटी जोन की 104 किलोमीटर सड़क और मोहन नगर जोन की 98.22 सड़क का सर्वे हुआ। बैठक में प्रस्तुतिकरण के दौरान उन सड़कों को देखा गया जिन पर छोटे या बड़े गड्ढे हैं। तकनीकी माध्यम से चिन्हित 250 सड़कों की मरम्मत का व्यय अनुमान भी दशार्या गया। सर्वे का काम 15 दिन में पूरा हुआ है। इन सड़कों पर पहले काम होगा निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता एनके चौधरी ने बताया सर्वे रिपोर्ट के आधार पर मोहननगर जोन के अप्सरा बॉर्डर रोड, कविनगर में आई-ब्लॉक, संजयनगर पी-ब्लॉक, सिटी जोन में लाल क्वार्टर रोड, वसुंधरा में बुध चौक मार्ग रोड, विजयनगर में सेक्टर-12 के ब्लॉक की रोड को बजट मिलने के बाद मरम्मत कराने के निर्देश दिए हैं।

फुटपाथों पर हो रखे अतिक्रमण को हटाने के लिए प्राधिकरण जल्द कार्रवाई शुरू करेगा

प्रात: किरण संवाददाता

नोएडा। फुटपाथों पर हो रखे अतिक्रमण को हटाने की प्राधिकरण जल्द कार्रवाई शुरू करेगा। पिछले दिनों उच्चतम न्यायालय के आए आदेश के बाद प्राधिकरण ने योजना बनानी शुरू कर दी है। इसको लेकर सभी वर्क सर्किल के लिए दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। हर वर्क सर्किल को योजना बनाकर फुटपाथों को खाली कराने के निर्देश दिए गए हैं। उच्चतम न्यायालय ने पिछले दिनों आम लोगों के चलने के लिए फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए थे। नोएडा की बात करें तो अधिकांश फुटपाथों पर कब्जा हो रखा है। कहीं रेहड़ी-पटरी तो कहीं बड़े दुकानदारों या शोरूम वालों ने कब्जा कर रखा है। सबसे ज्यादा मास्टर प्लान रोड नंबर-1 पर सेक्टर-3 रजनीगंधा अंडरपास से 12-22 होते हुए सेक्टर-57 तक जाने वाले रास्ते पर है। यहां सेक्टर-8, 9, 10, 12, 22 पर काफी कब्जा हो रखा है। इसी तरह मास्टर प्लान रोड नंबर-3 पर सेक्टर-51 होशियारपुर के सामने फुटपाथ पर कब्जा हो रखा है। शहर के बाकी हिस्सों में भी यही हाल है ।इस बारे में प्राधिकरण की एसीईओ वंदना त्रिपाठी ने बताया कि फुटपाथों से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जल्द शुरू की जाएगी। न्यायालय के आदेश का पूरी तरह पालन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिन जगह फुटपाथ चलने लायक नहीं है, उनको बेहतर बनाया जाएगा। इसको लेकर सभी वर्क सर्किल वालों से रिपोर्ट भी मांगी गई है।

मिलावटखोरों पर कार्रवाई के लिए 10 टीमों का गठन

गाजियाबाद। मिठाइयों में मिलावट रोकने और मिलावटखोरों पर नकेल कसने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमें मिठाई के कारखानों पर रेकी कर खोया, रसगुल्ले और घेवर की गुणवत्ता जांचने का काम कर रही हैं। इसके लिए विभाग ने 10 टीमों का गठन किया है, जो जिले के अलग-अलग क्षेत्र में कारखाने, प्रतिष्ठानों की जांच में जुटी हुई हैं। इसके साथ ही दूसरे जनपदों से अपने जनपद में खपाने के लिए आने वाली खाद्य सामग्रियों पर नकेल कसने के लिए शहर की सीमाओं पर भी टीमों की रोस्टर बनाकर तैनाती कर दी गई है। रक्षाबंधन पर मिठाइयों की गुणवत्ता रक्षाबंधन पर्व पर लोगों को गुणवत्तापूर्ण मिठाइयों मुहैया हो सके इसके लिए खाद्य सुरक्षा विभाग अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई कर रहा है। इस अभियान में विभाग की टीमें मिठाई बनाने वाले कारखानों, बड़े प्रतिष्ठानों पर जाकर लगातार छापेमारी कर रही है। साथ ही शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में विभाग के अधिकारी प्रतिष्ठानों पर जाकर जांच कर रहे हैं। इस दौरान अधिकारी प्रतिष्ठानों से अलग-अलग मिठाइयों के नमूने इक्ठ्ठा कर रहे हैं। जिला अभिहित अधिकारी सुरेश मिश्रा ने बताया कि विभाग लगातार मिठाई बनाने वाले कारखाने, बड़े प्रतिष्ठानों की रेकी कर रहा है। जिस भी प्रतिष्ठान में मिलावट की जानकारी मिलती हैं, टीमों को मौके पर भेजा जा रहा है। टीमें मौके पर जाकर प्रतिष्ठान पर मिठाइयों की जांच, प्रतिष्ठान में स्वच्छता की जांच करने के बाद मिठाइयों व खाद्य सामग्रियों ने नमूने लेने का काम करती है। जिनको प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए कुछ प्रतिष्ठान संचालक भी मिठाईयों समेत अन्य खाद्य सामग्रियों में मिलावट करने लगते है। इसको लेकर इस बार खाद्य सुरक्षा विभाग नए तरीके से कार्य कर रहा है। विभाग की कार्रवाई केवल जिले की सीमा तक सीमित नहीं है। जिन मामलों में जांच के दौरान किसी विशेष सप्लायर या कारोबारी की भूमिका सामने आ रही है, वहां विभाग की टीमें संबंधित जनपद तक पहुंच रही हैं। वहां सप्लायर के प्रतिष्ठान, सामग्री के स्रोत और उसके वितरण नेटवर्क से जुड़ी जानकारी जुटाई जा रही है।

महिला से दुष्कर्म करने के मामले में मुकदमा दर्ज

मोदीनगर। सिखैड़ा रोड स्थित फैक्टरी में महिला से दुष्कर्म करने के मामले में पुलिस कमिशनर के आदेश पर पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोपी महिला यूपी पुलिस में सिपाही है। पुलिस जांच के बाद कार्रवाई करने की बात कह रही है। एक गांव निवासी महिला ने बताया कि मेरी मुलाकात यूपी पुलिस में तैनात प्रियंका से हुई थी। महिला ने बताया कि मेरे पति की फैक्टरी है और वह तुम्हे मकान और काम दिलवा देंगे। आरोप है कि इसके बाद प्रियंका के पति जोनी त्यागी को मकान दिलवाने के लिए 17 लाख रूपए दिए। आरोप है कि बीस अप्रैल को जोनी त्यागी ने कहा कि आज फैक्टरी में काफी काम है रुक जाओ। आरोप है कि पानी में नशीला पदार्थ पिलाकर जोनी ने दुष्कर्म किया और यह बात किसी को बताने पर परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी। महिला ने इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी, लेकिन पुलिस ने डाटकर भगा दिया। इसके बाद महिला ने पुलिस कमिशनर को पत्र लिखकर मुकदमा दर्ज न करने पर आत्मदाह करने की चेतावनी दी। पुलिस कमिशनर ने मोदीनगर पुलिस को मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए। एसीपी मोदीनगर ने बताया कि तहरीर के आधार पर जोनी त्यागी और प्रियंका त्यागी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्कूल-कॉलेजों के आसपास नहीं बिकेंगे मादक पदार्थ

प्रात: किरण संवाददाता

गाजियाबाद। जिले में मादक पदार्थों की बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने के लिए प्रशासन ने स्कूल-कॉलेजों के आसपास विशेष निगरानी और अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में एडीएम सिटी विकास कश्यप की अध्यक्षता में नारको को-ऑर्डिनेशन सेंटर की बैठक हुई। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों के निर्धारित दायरे में शराब, तंबाकू और अन्य नशीले पदार्थों की बिक्री नहीं होनी चाहिए। उल्लंघन मिलने पर संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। एडीएम सिटी ने होटल, ढाबे, रेस्टोरेंट, सार्वजनिक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित जांच अभियान चलाने के साथ युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि कहीं भी नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार की सूचना मिले तो तत्काल प्रशासन अथवा पुलिस को अवगत कराएं, जिससे समयबद्ध कार्रवाई की जा सके। बैठक में औषधि निरीक्षक ने बताया गया कि 18 जुलाई को एनसीबी जम्मू के साथ संयुक्त कार्रवाई में कौशांबी स्थित मेडिकल स्टोर से करीब 70 हजार रुपये की नशीली दवाएं सीज कर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। वहीं इंदिरापुरम के थोक विक्रेता से आठ दवाओं के नमूने लेकर जांच को भेजे गए और 1.92 लाख रुपये की दवाएं फ्रीज की गईं। बैठक में पुलिस प्रशासन ने बताया कि 21 जुलाई से 21 अगस्त तक 281.78 किलो गांजा बरामद कर 20 मुकदमे दर्ज किए गए और 32 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। यह अभियान लगातार जारी है। बैठक में स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, नारकोटिक्स सेल, खाद्य विभाग, ड्रग इंस्पेक्टर, डीपीओ, समाज कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, वन विभाग, यातायात विभाग के अधिकारी और प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बल्लेबाजी नहीं, अब गेंदबाजी में भी वैभव का जलवा

बंगलूरू एजेंसी। दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन और नॉर्थ ईस्ट जोन के बीच मुकाबला जारी है। बंगलूरू के सीओई में खेले जा रहे इस मुकाबले में भले ही वैभव सूर्यवंशी बल्लेबाजी में कोई कमाल न दिखा पाए हों, लेकिन गेंदबाजी में उनका जलवा जारी है। ईस्ट जोन से खेल रहे वैभव ने नॉर्थ ईस्ट जोन की दूसरी पारी में महज चार गेंदों में दो विकेट झटके। उन्होंने तीन ओवर का स्पेल डाला, जिसमें 11 रन खर्च किए और दो विकेट लिए।

पहली पारी में वैभव ने नहीं की गेंदबाजी

दरअसल, मैच में ईस्ट जोन ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 467 रन बनाए थे। वैभव छह गेंद में दो चौके की मदद से आठ रन बना पाए थे। इसके बाद उनकी आलोचना भी हुई थी और सवाल भी उठे थे कि क्या वह रेड बॉल क्रिकेट के लायक हैं। हालांकि, ईस्ट जोन ने कुमार कुशाग्र के 55 रन, सुदीप कुमार घरामी के 146 रन और शाहबाज अहमद के 167 रन की बदौलत पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। जवाब में नॉर्थ ईस्ट जोन की पहली पारी 111 रन पर सिमट गई। इस तरह उन्हें फॉलो ऑन खेलने पर मजबूर होना पड़ा। पहली पारी में वैभव ने गेंदबाजी नहीं की।

गेंद से जवाब

मैच में सूर्यवंशी बल्ले से ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सके। हालांकि, उन्होंने जल्द ही गेंदबाजी से इसकी भरपाई कर दी। किशोर खिलाड़ी ने अपनी गेंदबाजी से दिखाया कि उनकी क्रिकेटिंग क्षमता सिर्फ आक्रामक बल्लेबाजी तक सीमित नहीं है। सूर्यवंशी पहले ही अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी और गेंदबाजों पर आक्रमण करने की क्षमता के लिए सुर्खियां बटोर चुके हैं।

विकेट झटके और चौंकाया

हालांकि, फॉलोऑन खेलते हुए भी नॉर्थ ईस्ट जोन ने एक वक्त 102 रन बनाने में आठ विकेट गंवा दिए थे। इनमें दो विकेट वैभव ने लिए। उन्होंने अपने दूसरे ओवर की दूसरी गेंद पर मध्यक्रम के बल्लेबाज किशन लिंगडोह को आउट किया। किशन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे और 40 गेंद में दो चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बना लिए थे। वैभव ने उन्हें कैच आउट कराया। फिर ओवर की पांचवीं गेंद पर लोअर ऑर्डर के बल्लेबाज इमलीवाती लेमतुर को ईशान किशन के हाथों कैच कराया। इमलीवाती चार रन बना सके। वैभव एक लेफ्ट आर्म ऑर्थोडॉक्स स्पिनर हैं। हालांकि, उनकी गेंद नॉर्थ ईस्ट जोन के बल्लेबाजों को समझ नहीं आई। फॉलो ऑन खेलते हुए नॉर्थ ईस्ट जोन की पूरी टीम 146 रन पर सिमट गई और ईस्ट जोन ने मुकाबला पारी और 210 रन से अपने नाम किया। वैभव के अलावा अनुकूल रॉय ने पांच विकेट लिए। वहीं, मुकेश कुमार, अभिजीत सरकार और शाहबाज को एक-एक विकेट मिला।

सूर्यवंशी ने छोड़ी अपनी छाप

दलीप ट्रॉफी में सूर्यवंशी की एंट्री नए सीजन की शुरुआत के साथ हुई है। युवा खिलाड़ी ने टी20 क्रिकेट की तेज-तर्रार मांगों से अब लंबे प्रारूप की चुनौती का रुख किया है। उन्हें ईस्ट जोन का उपकप्तान भी बनाया गया है। हालांकि, उनकी उम्र और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सीमित अनुभव को देखते हुए यह फैसला कुछ लोगों के लिए हैरानी भरा भी था।

संक्षिप्त समाचार

कोको गॉफ और आर्थर फिल्स चैंपियन बने

मेसन (अमेरिका) (एजेंसी)। कोको गॉफ ने हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला को सीधे सेटों में हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट का महिला एकल खिताब दूसरी बार अपने नाम कर लिया। वहीं, पुरुष एकल के फाइनल में फ्रांस के आर्थर फिल्स ने अमेरिका के फ्रांसिस टियाफो को हराकर अपने करियर का पहला एटीपी मास्टर्स 1000 खिताब जीत लिया। महिला एकल के फाइनल में कोको गॉफ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जेसिका पेगुला को 6-2, 6-4 से मात दी। गॉफ ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और पहले सेट में 5-0 की मजबूत बढ़त हासिल करने के बाद उसे 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में पेगुला ने वापसी करने की कोशिश की और स्कोर को 5-4 तक पहुंचा दिया। हालांकि, गॉफ ने दबाव में शानदार संयम दिखाया और मैच जीतकर सिनसिनाटी में अपना दूसरा महिला एकल खिताब जीत लिया। गॉफ ने मुकाबले के दौरान मिले छह में से पांच ब्रेक प्वाइंट को भुनाया। पेगुला ने सेमीफाइनल में मौजूदा चैंपियन इगा स्वियातेक को हराया था, जबकि गॉफ ने सारा बेजलेक को मात देकर फाइनल में जगह बनाई थी। इसके साथ ही सिनसिनाटी ओपन में 56 वर्षों बाद दो अमेरिकी महिला खिलाड़ियों के बीच महिला एकल का फाइनल खेला गया। इससे पहले वर्ष 1970 में सिनसिनाटी ओपन के महिला फाइनल में अमेरिका की रोजी कैसल्स और नैन्सी रिची आमने-सामने हुई थीं। उस मुकाबले में कैसल्स ने जीत दर्ज की थी। गॉफ इससे पहले वर्ष 2023 में कैरोलिना मुचोवा को हराकर सिनसिनाटी ओपन का अपना पहला खिताब जीत चुकी थीं। अब उन्होंने दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम कर इस टूर्नामेंट में अपनी मजबूत पकड़ साबित की है।

अंपायर पर हमले का आरोपी 36 साल बाद पकड़ा गया

मुंबई (एजेंसी)। 1990 में मुंबई के बोरीवली इलाके में क्रिकेट मैच के दौरान अंपायर पर हमला करने के आरोपी ओमप्रकाश ललता पासी को 36 साल बाद गिरफ्तार किया गया है।घटना के वक्त पासी 18 साल का था। पासी आउट दिए जाने से नाराज होकर उसने अंपायर पर बल्ले से हमला किया था। हमले में अंपायर गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद पासी मौके से भाग गया।पासी पर हत्या की कोशिश का मामला दर्ज है। अब 55 साल का पासी पड़ोसी ठाणे जिले के मीरा रोड इलाके में रह रहा था।

तकनीकी जांच से आरोपी तक पहुंची पुलिस- एक अधिकारी ने बताया, 'बोरीवली पुलिस की तकनीकी जांच और लगातार कोशिशों से पासी का पता लगाया गया।'पुलिस के अनुसार 1990 में पासी बोरीवली में क्रिकेट मैच खेलने गया था। अंपायर ने उसे आउट करार दिया, जिससे नाराज होकर उसने अपने पास मौजूद क्रिकेट बैट से अंपायर पर हमला कर दिया।

हॉकी : भारतीय पुरुष टीम के खराब प्रदर्शन के बाद दिग्गजों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष हॉकी टीम का विश्व कप में 51 साल बाद पदक जीतने का इंतजार इस बार भी खत्म नहीं हो सका। अर्जेंटीना के खिलाफ 3-5 की हार के साथ टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की उम्मीदें भी समाप्त हो गईं। इस हार ने पेरिस ओलंपिक के बाद से टीम के प्रदर्शन में नजर आ रही कमजोरियों को एक बार फिर सामने ला दिया है।

पूर्व दिग्गज खिलाड़ियों का मानना है कि समस्या सिर्फ धीमी शुरुआत, मौकों को गंवाने या डिफेंस में चूक तक सीमित नहीं है। उनका कहना है कि युवा खिलाड़ियों को समय रहते मौके नहीं देना और एक ही कोर ग्रुप पर लगातार निर्भर रहना भी टीम के लिए नुकसानदेह साबित हुआ है।

युवा खिलाड़ियों को मौका नहीं देने पर सवाल

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद संन्यास लेने वाले पूर्व गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने टीम में युवा खिलाड़ियों को समय पर शामिल नहीं किए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और इतने कम अंतरराष्ट्रीय मैचों में नए खिलाड़ियों को तैयार करना मुश्किल होगा।

श्रीजेश ने कहा, 'सीनियर खिलाड़ियों के जाने के बाद उनकी जगह कौन लेगा। क्या हमने दूसरी जमात तैयार की है। लॉस एंजिलिस ओलंपिक में दो ही साल बचे हैं और उससे पहले करीब तीस अंतरराष्ट्रीय मैच ही होंगे। क्या ओलंपिक के लिये इससे खिलाड़ी तैयार हो सकते हैं। नहीं।' उन्होंने कहा, 'विश्व कप की टीम में भी वही कोर खिलाड़ी हैं जबकि मनमीत सिंह, आमिर अली, रोशन कुजूर, तालेम प्रियब्रत, रोहित, अर्शदीप जैसे कई प्रतिभाशाली जूनियर इंतजार ही कर रहे हैं।'

चयन के पर भी उठे सवाल

पूर्व ओलंपियन जगबीर सिंह ने भी चयन प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाए। उनका मानना है कि जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर अवसर दिए जाने चाहिए थे और कुछ चयन फैसलों को बेहतर किया जा सकता था। जगबीर सिंह ने कहा, 'जूनियर खिलाड़ियों को सही समय पर मौके मिलने चाहिये और चयन के कुछ फैसले बेहतर हो सकते थे। तैयारी ओलंपिक से ओलंपिक की होनी चाहिये। कोचिंग स्टाफ ने अनुभव को ही तरजीह दी जो काम नहीं आया। भारत के पास यह सर्वश्रेष्ठ मौका था लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी। हर दस मिनट में डिफेंस चरमरा रहा था।'

घरेलू ढांचे को बताया कमजोर

पूर्व ओलंपियन परगट सिंह ने भारतीय हॉकी के घरेलू ढांचे को लेकर चिंता जताई। उनका मानना है कि अच्छी घरेलू प्रतियोगिताओं की कमी के कारण टीम के पास मजबूत बेंच स्ट्रेंथ तैयार नहीं हो पा रही है। परगट सिंह ने कहा, 'अच्छी घरेलू स्पर्धायें नहीं होने से हमारे पास अच्छी बेंच स्ट्रेंथ नहीं है। यूरोप में कई डिविजन की लीग होती है जो हमारे यहां नहीं है। पहले बेटन कप, आगा खान कप, बांबे गोल्ड कप, मुरूगप्पा कप, नेहरू हॉकी से अच्छी प्रतिभायें निकलती थी। सारा ढांचा ही खराब कर दिया है। इसके अलावा नये खिलाड़ियों को मौका देना था तो दो साल पहले ही बदलाव की शुरूआत कर देनी चाहिये थी।

भास्करन ने फॉरवर्ड और मिडफील्ड पर उठाए सवाल

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता और पूर्व कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भारतीय टीम के आक्रमण और मिडफील्ड के प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पिछले चार साल में भारतीय फॉरवर्ड लाइन का प्रदर्शन उन्हें प्रभावित नहीं कर सका। भास्करन ने कहा, 'मैंने पिछले चार साल में किसी भारतीय फॉरवर्ड को अच्छा खेलते नहीं देखा। बैक पास कहां थे, गोल पर कितने हमले किये और फुल प्रेस जाने के समय मिडफील्ड पूरा खाली छोड़ दिया।'

उन्होंने टीम में नए खिलाड़ियों को मौके नहीं देने पर भी सवाल उठाया। भास्करन ने कहा, 'हमने नये खिलाड़ियों को मौके ही नहीं दिये। नीदरलैंड की पेरिस ओलंपिक टीम के छह स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी विश्व कप टीम में नहीं थे। हम हमदर्दी, पिछले रिकॉर्ड और आंकड़ों पर ही टीम चुन लेते हैं। कम से कम छह जूनियर खिलाड़ियों को प्रो लीग में आजमाना चाहिये था।' उन्होंने जूनियर विश्व कप कांस्य पदक विजेता कोच श्रीजेश से सलाह नहीं लिए जाने पर भी सवाल उठाया। उनका कहना था कि दूसरे देशों में जूनियर कोचों की भूमिका अहम होती है और वे सीनियर कोचों को भी अपनी राय देते हैं।

जीसीटी ग्रैंड फिनाले: फाइनल में पहुंचे प्रज्ञानंद

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने जर्मनी के विंसेंट कीमर पर 19-9 की शानदार जीत हासिल करके आसानी से ग्रैंड शतरंज टूर (जीसीटी) के अंतिम चरण के फाइनल में जगह बनाई। प्रज्ञानंद का फाइनल में मुकाबला खिताब के प्रबल दावेदार और मौजूदा चैंपियन अमेरिका के फैबियानो कारुआना से होगा।

प्रज्ञानंद ने अब तक किया है शानदार प्रदर्शन

भारतीय खिलाड़ी ने दूसरा क्लासिकल गेम जीतने के बाद अंतिम दिन से पहले छह अंकों की बड़ी बढ़त हासिल कर ली थी। उन्होंने लगातार दो रैपिड मुकाबलों में कीमर को हराकर 17-3 की अजेय बढ़त हासिल करके फाइनल में अपनी जगह पक्की कर दी। इसके बाद ब्लिट्ज के पहले गेम में एक और जीत ने उनके अंकों की संख्या 19 तक पहुंचा दी। कीमर ने आखिरी तीन ब्लिट्ज गेम जीतकर वापसी की, लेकिन इससे हार का अंतर ही कम हुआ। कारुआना ने ब्लिट्ज गेम में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर 18-9 से जीत हासिल की। उन्होंने मौकों का पूरा फायदा उठाया और अमेरिका के अपने हमवतन खिलाड़ी वेस्ली सो को हराया।

बालाजी-चंद्रशेखर बने चैम्पियन

मैक्सिको (एजेंसी)। भारत के एन. श्रीराम बालाजी और अनिरुद्ध चंद्रशेखर ने मैक्सिको में खेले गए कानकुन कंट्री टेनिस ओपन का डबल्स खिताब जीत लिया है।

भारतीय जोड़ी ने फाइनल में मैक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला और बेलारूस के इवान ल्युटारेविच को 6-3, 7-6(4) से हराया।इस जीत के साथ बालाजी और अनिरुद्ध को 125-125 एसोसिएशन ऑफ टेनिस प्रोफेशनल्स रैंकिंग पॉइंट्स और 9,900 डॉलर (करीब 9.5 लाख रुपए) की इनामी राशि मिली।

पहले सेट में 6-3 से जीते, दूसरा टाईब्रेकर में

फाइनल के पहले सेट में दोनों जोड़ियों के बीच मुकाबला कड़ा रहा, लेकिन भारतीय जोड़ी ने अहम मौकों पर बढ़त बनाते हुए सेट 6-3 से अपने नाम किया।भारतीय जोड़ी ने पहली सर्विस पर 68 प्रतिशत और दूसरी सर्विस पर 81 प्रतिशत अंक जीते। दूसरे सेट में भी मुकाबला बराबरी का रहा और सेट टाईब्रेकर तक पहुंचा।बालाजी और अनिरुद्ध ने टाईब्रेकर में 7-4 से जीत दर्ज की और 7-6(4) से दूसरा सेट अपने नाम करते हुए खिताब जीत लिया।

श्रीलंका मुश्किल में, मंडराया फॉलोऑन का खतरा

कोलंबो(एजेंसी)। कोलंबो टेस्ट में श्रीलंका पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है। उसने भारत के खिलाफ पहली पारी में 257 रन पर 8 विकेट गंवा दिए हैं। मंगलवार को मैच के तीसरे दिन श्रीलंका को फॉलोऑन बचाने के लिए 47 रन और बनाने हैं। भारत ने पहली पारी में 503 रन बनाए थे।

सोनल दिनूषा फिफ्टी बनाकर खेल रहे हैं। लाहिरू कुमारा उनका साथ दे रहे हैं। पसिंदु सूरियाबंडारा ने 133 गेंदों पर 80 रन की पारी खेलकर श्रीलंका की पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन रवींद्र जडेजा ने उन्हें बोल्ड कर दिया।

मोहम्मद सिराज ने निरोशन डिकवेला को बिना खाता खोले पवेलियन भेज दिया। भारत की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा और मानव सुथार ने 3-3 विकेट लिए। रवींद्र जडेजा और मोहम्मद सिराज को एक-एक विकेट मिला।

श्रीलंका ने पहली पारी में 250 रन का आंकड़ा पार कर लिया है। लाहिरू कुमारा ने रवींद्र जडेजा के ओवर की आखिरी बॉल पर चौका लगाया। इसी चौके से टीम 250 पार पहुंच गई।69वें ओवर में श्रीलंका ने 8वां विकेट गंवा दिया। मानव सुथार ने केशरा नुवानथा को सारांश जैन के हाथों कैच कराया। सुथार की गेंद पर नुवानथा ने मिड-ऑफ के ऊपर से बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद ऊंची नहीं उठी और सरांश जैन ने आसान कैच लपक लिया।

प्रभाथ जयसूर्या पर आईसीसी की कार्रवाई

श्रीलंका के स्पिनर प्रभाथ जयसूर्या पर भारत के खिलाफ कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन आईसीसी ने कार्रवाई की है। जयसूर्या को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल-1 के उल्लंघन का दोषी पाया गया और उन्हें आधिकारिक फटकार लगाई।जयसूर्या ने आर्टिकल 2.2 का उल्लंघन किया, जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों, मैदान के उपकरण या फिक्स्चर को नुकसान पहुंचाने या उसका गलत इस्तेमाल करने से जुड़ा है।दिन की आखिरी गेंद पर आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय जयसूर्या ने अपने बल्ले से बाउंड्री रोप पर बैट मारा था। उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ा गया है।

28 अगस्त से शुरू होगा महिला टी-20 एशिया कप 2026 का रोमांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने एसीसी महिला टी20 एशिया कप 2026 में भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले बड़ा बयान दिया है। हरमनप्रीत ने स्वीकार किया कि भारत-पाकिस्तान मैच का दबाव किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से बिल्कुल अलग होता है। हालांकि, उन्होंने जोर दिया कि खिलाड़ियों को नतीजे की चिंता करने के बजाय अपनी योजना, रूटीन और टीम की जरूरत पर ध्यान देना चाहिए।

महिला टी20 एशिया कप 2026 का आगाज 28 अगस्त से होगा, जबकि भारत और पाकिस्तान की टीमें 5 सितंबर को ग्रुप स्टेज के हाई-वोल्टेज मुकाबले में आमने-सामने होंगी।

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि भारत-पाकिस्तान मुकाबले में खिलाड़ियों पर मानसिक दबाव काफी ज्यादा होता है और इस मुकाबले की अहमियत अन्य बड़े अंतरराष्ट्रीय मैचों से अलग होती है।

हरमनप्रीत ने मीडिया से कहा, 'इसमें कोई शक नहीं कि यह एक हाई-प्रेशर गेम है और एक खिलाड़ी के तौर पर आपको कई चीजों से निपटना पड़ता है। हम लगातार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हैं, लेकिन भारत-पाकिस्तान मैच में जिस तरह का दबाव होता है, वैसा दबाव कहीं और महसूस नहीं होता।' उन्होंने आगे कहा, 'आप कई बड़े मुकाबले खेल सकते हैं, लेकिन उस तरह का दबाव महसूस नहीं होता। कहीं न कहीं हमें पता होता है कि हर भारतीय यह मैच देख रहा है। सिर्फ क्रिकेट फैंस ही नहीं, बल्कि हर भारतीय की नजर इस मैच पर होती है, क्योंकि यह मुकाबला हम सभी के लिए बहुत अहम होता है।' भारतीय कप्तान ने कहा कि ऐसे मुकाबलों में अतिरिक्त दबाव लेने के बजाय खिलाड़ियों के लिए अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि वह कप्तान और खिलाड़ी, दोनों भूमिकाओं में चीजों को आसान और सरल रखने की कोशिश करती हैं।

दिल्ली मास्टर प्लान 2047 पर गंभीर चिंता, राजधानी के हालातों को लेकर आरडब्ल्यूए ने उठाई आवाज

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के भावी विकास को लेकर तैयार किए गए मास्टर प्लान पर आरडब्ल्यूए ने चिंता व्यक्त की है। कई आरडब्ल्यूए संगठनों का कहना है कि नए मास्टर प्लान में बहुमंजिला इमारतों के निर्माण पर तो ध्यान दिया गया है, लेकिन इसके अनुपात में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए कोई ठोस योजना नहीं दिखती।

दिल्ली में आरडब्लूए के प्रमुख फेडरेशन यूनाइटेड रेजिडेंट्स जाइंट एक्शन (ऊर्जा) के अनुसार, दिल्ली की मौजूदा सड़कें पहले से ही भारी ट्रैफिक जाम की समस्या झेल रही हैं। ज्यादातर आवासीय और व्यावसायिक इलाकों में समुचित पार्किंग व्यवस्था का अभाव है, जिससे सड़कों पर गाड़ियां खड़ी करने की मजबूरी है।

इसके अलावा, राजधानी के कई इलाकों में पीने के साफ पानी का संकट बना रहता है और सीवर लाइनें या तो नदारद हैं या जर्जर स्थिति में हैं।

वर्तमान ढांचा संभालने में असमर्थ

ऊर्जा के अध्यक्ष अतुल गोयल के अनुसार, ऐसे हालात में 100 मंजिला तक की ऊंची आवासीय और व्यावसायिक इमारतों की मंजूरी देने से स्थिति और बिगड़ जाएगी। इतनी बड़ी संख्या में नई आबादी के बसने से सड़कें, पानी, बिजली, सीवर, सफाई और पार्किंग व्यवस्था जैसे मूलभूत संसाधनों पर भारी दबाव पड़ेगा, जिसे वर्तमान ढांचा संभालने में असमर्थ है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि किसी भी उच्च घनत्व (हाई-डेंसिटी) निर्माण की अनुमति देने से पहले इंफ्रास्ट्रक्चर का व्यापक इंतजाम सुनिश्चित किया जाए।

पार्किंग की नई तकनीकों पर स्पष्टता नहीं

प्रस्तावित योजनाओं में ऊंची इमारतों की अनुमति तो दी जा रही है, लेकिन जमीनी समस्याओं जैसे पानी, सीवर नेटवर्क के विस्तार और पार्किंग की नई तकनीकों पर स्पष्टता नहीं है। विकास ऐसा हो जिससे मौजूदा नागरिकों का जीवन सुगम बने, न कि व्यवस्था ध्वस्त हो।

दिल्ली में तेजी से बढ़ती आबादी को देखते हुए ऊपर की ओर विकास समय की मांग है। सीमित जमीन पर अधिक लोगों को आवास और व्यावसायिक जगह उपलब्ध कराने के लिए बहुमंजिला इमारतें जरूरी हैं।

मास्टर प्लान में ट्रांजिट ओरिएंटेड

डेवलपमेंट (टीओडी) जैसी नीतियों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देकर निजी वाहनों पर निर्भरता कम करना है।

दिल्ली के आगामी दशकों के सुनियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इसमें जमीन के अधिकतम उपयोग और आधुनिक शहरी विकास के तहत बहुमंजिला इमारतों (हाई-राइज बिल्डिंग्स) के निर्माण को प्रोत्साहित करने का प्रविधान रखा गया है।

दिल्ली के निवासियों और आडब्लूए का मानना है कि जब तक बिजली, पानी, ड्रेनेज और सड़कों का दायरा नहीं बढ़ाया जाता, तब तक इतने बड़े पैमाने पर बहुमंजिला निर्माण का निर्णय जनता के लिए परेशानी का सबब बनेगा।

दिल्ली की सड़कों पर रहता है लंबा जाम

ग्रेटर कैलाश काम्पलेक्स आरडब्ल्यूए के चेयरमैन चेतन शर्मा ने कहा कि मास्टर प्लान में यह स्पष्ट नहीं है कि यह कब से लागू होगा। पहले मास्टर प्लान प्रत्येक पांच वर्ष के लिए बनता था, अब इसे 20 वर्ष के लिए कर दिया गया है। अब किसी भी सड़क पर चले जाए हर जगह लंबा जाम है और व्यावसायिक गतिविधियां है। मास्टर प्लान में व्यावसायिक व आवासीय कालोनियों को एक जगह बनाने का प्रविधान है। जबकि यह समझने की जरूरत है कि आवासीय कालोनियों में शांति चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

नीट पेपर लीक के विरोध में फिर सड़क पर सीजेपी, 5 सितंबर को इंडिया गेट से पुलिस मुख्यालय तक मार्च

नई दिल्ली, एजेंसी। परीक्षा में कथित अनियमितताओं और नीट पेपर लीक के विरोध

में आंदोलन कर चुके काकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने पांच सितंबर को दिल्ली में विरोध मार्च निकालने का एलान किया है। संगठन ने केंद्र सरकार पर 25 जुलाई को आंदोलन समाप्त कराने के दौरान किए गए वादों को पूरा नहीं करने का आरोप लगाया है। शिक्षक दिवस के दिन होने वाला मार्च इंडिया गेट से शुरू होकर दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक जाएगा। सीजेपी ने जारी एक बयान में कहा कि मार्च का नेतृत्व उन छात्रों के स्वजन करेंगे, जिनकी नीट परीक्षा रद होने और दोबारा परीक्षा कराने के बाद आत्महत्या से मौत हुई। जुलाई के आंदोलन के दौरान कथित पुलिस कार्रवाई से प्रभावित लोग भी इसमें शामिल होंगे। संगठन ने बताया कि 25 जुलाई को केंद्र के साथ बातचीत के बाद 36 दिन चला आंदोलन वापस लिया गया था। उस समय प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी वापस लेने, मृत नीट अभ्यर्थियों के स्वजन को मुआवजा देने और परीक्षा सुधारों पर आगे बातचीत करने पर सहमति बनी थी। सीजेपी का आरोप है कि सरकार ने अब तक प्राथमिकी वापस लेने और प्रदर्शनकारियों को दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा देने के मामले में ठोस कदम नहीं उठाए हैं। संगठन ने कहा कि सरकार तकनीकी अड़चनों का हवाला देकर कार्रवाई टाल रही है और लिखित आश्वासन भी लंबित है।

डूसू चुनाव से पहले अभाविप का 'मेरा डीयू, मेरा घोषणापत्र' अभियान, छात्रों से मांगे मुद्दे और सुझाव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ (डूसू) चुनाव से पहले अखिल भारतीय

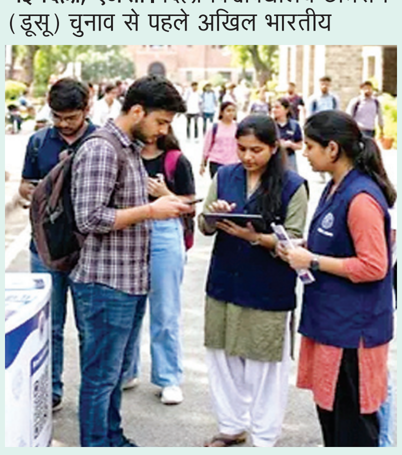

विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने छात्रों से सीधे उनके मुद्दे और सुझाव जानने के लिए 'मेरा डीयू, मेरा घोषणापत्र' अभियान शुरू किया है। संगठन का कहना है कि इस अभियान के जरिए विश्वविद्यालय के अलग-अलग कालेजों में पढ़ने वाले छात्रों की समस्याओं, अपेक्षाओं और भविष्य से जुड़ी प्राथमिकताओं को समझा जाएगा। छात्रों से मिले सुझावों के आधार पर एबीवीपी अपना आगामी छात्र घोषणापत्र तैयार करेगी। अभियान के तहत छात्र क्यूआर कोड के माध्यम से अपनी बात संगठन तक पहुंचा सकेंगे। इसके अलावा एबीवीपी के कार्यकर्ता विभिन्न कालेज परिसरों में छात्रों से सीधे संपर्क कर उनकी राय और सुझाव जुटाएंगे। एबीवीपी दिल्ली के प्रदेश सचिव सार्थक शर्मा ने कहा कि डीयू केवल कालेजों और इमारतों का समूह नहीं, बल्कि लाखों छात्रों के सपनों और आकांक्षाओं से जुड़ा विश्वविद्यालय है। इसलिए घोषणापत्र भी कुछ लोगों के स्तर पर तय नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छात्रों से मिलने वाले महत्वपूर्ण सुझावों का अध्ययन कर उन्हें व्यावहारिक और छात्र-केंद्रित प्रस्तावों का रूप दिया जाएगा। डीयू में छात्रसंघ चुनाव 18 सितंबर 2026 को प्रस्तावित हैं, जबकि मतगणना 19 सितंबर को होगी। चुनाव से पहले एबीवीपी का यह अभियान छात्रों के बीच अपनी प्राथमिकताओं और मुद्दों को लेकर संवाद बढ़ाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। संगठन ने अधिक से अधिक छात्रों से अभियान में भाग लेने की अपील की है।

दिल्ली-एनसीआर में दूसरे दिन भी भारी बारिश जारी, गुरुग्राम में दफ्तरों और स्कूलों के लिए वर्क फ्रॉम होम का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में मंगलवार सुबह से जारी मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार हो रही भारी बारिश के कारण सड़कों पर जलभराव और भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति पैदा हो गई है। सोमवार को हुई बारिश के बाद लगातार दूसरे दिन जारी बरसात से तापमान भी नरम हो गया है। हालांकि, सुबह के समय स्कूल-ऑफिस जाने वालों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा। आईएमडी ने रेड अलर्ट जारी करते हुए दिल्ली के सेंट्रल दिल्ली, ईस्ट दिल्ली, न्यू दिल्ली, नॉर्थ दिल्ली, नॉर्थ ईस्ट दिल्ली, नॉर्थ वेस्ट दिल्ली, शाहदरा, साउथ दिल्ली, साउथ ईस्ट दिल्ली, साउथ वेस्ट दिल्ली और वेस्ट दिल्ली जिलों में बिजली एवं गरज के साथ तूफान, लगभग 60 किमी प्रति घंटे की तेज हवाएं तथा भारी बारिश (15 मिमी प्रति घंटे से अधिक) की संभावना जताई है। प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पेड़ों या कमजोर संरचनाओं के नीचे आश्रय न लेने, सड़क व यातायात की स्थिति देखकर यात्रा करने, अनावश्यक यात्राओं से बचने आदि की हिदायत दी गई है। बिगड़ते हालात और सड़कों पर पानी भरने की स्थिति को देखते हुए जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने गुरुग्राम के सभी कॉर्पोरेट दफ्तरों, सरकारी विभागों और निजी शैक्षणिक संस्थानों (स्कूलों) को मंगलवार के लिए वर्क फ्रॉम होम और ऑनलाइन क्लासेस पर शिफ्ट होने का निर्देश दिया है। आवाजाही कम होने से नागरिक एजेंसियों को जलभराव से निपटने और सकों की सफाई का काम सुचारू रूप से करने में मदद मिलेगी। जलमग्न इलाके~ लुटियंस दिल्ली, मथुरा रोड, कनॉट प्लेस, भैरों मार्ग, आईटीओ, सदर बाजार, संगम विहार, जनकपुरी और ज़खीरा अंडरपास समेत कई महत्वपूर्ण रास्तों पर भारी जलभराव दर्ज किया गया। यातायात प्रभावित~ सराय काले खां, द्वारका एक्सप्रेसवे और सेंट्रल दिल्ली की प्रमुख सड़कों पर गाड़ियों की लंबी कतारें देखी गईं। बारिश के आंकड़े~ सोमवार दोपहर तक जनकपुरी में 67 मिमी, छतरपुर में 57 मिमी और पीतमपुरा में 35 मिमी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने राजधानी के कई हिस्सों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है और तेज हवाओं (30-40 किमी/घंटा) के साथ बिजली कड़कने और भारी बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है।

सम्मेलन के लिए नई दिल्ली तैयार, 41 सड़कों की 14 सर्किल में निगरानी; 24 घंटे चलेगा सफाई अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) देशों का शिखर सम्मेलन के मद्देनजर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने इसकी तैयारियां तेज कर दी है। सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली को स्वच्छ, हरित, सुरक्षित और सुव्यवस्थित स्वरूप देने के लिए 41 प्रमुख सड़कों को 14 सर्किल में बांटा गया है। प्रत्येक सर्किल के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो फील्ड टीम के साथ प्रतिदिन क्षेत्र का निरीक्षण करेंगे। साथ ही 24 घंटे कार्यों की निगरानी होगी। एनडीएमसी चेयरमैन मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि नौ से 14 सितंबर तक चौबीसों घंटे स्वच्छता व्यवस्था रहेगी। इसके लिए अतिरिक्त सफाई कर्मचारियों और विशेष रात्रि टीमों की तैनाती की जाएगी। मैकेनिकल रोड स्वीपर, राइड-आन स्वीपर और स्क्रबर समेत विभिन्न मशीनों से सड़कों की गहन सफाई होगी। अस्थायी डस्टबिन और मोबाइल शौचालय भी लगाए जाएंगे। आवारा पशुओं को हटाने की कार्रवाई के साथ होटल, आरडब्ल्यूए और मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के सहयोग से सफाई व्यवस्था बनाए रखी जाएगी। सुंदरीकरण के कार्य के तहत 15 स्थानों पर पुष्प सुसज्जित बोर्ड, नौ स्थानों पर फूलों के फव्वारे और 17 गोलचक्करों पर विशेष लैंडस्केपिंग की जाएगी। प्रमुख सड़कों और मार्गों पर मौसमी फूल लगाए जाएंगे तथा ग्रीन कारिडोर, झाड़ियों और सजावटी प्लांटर्स का रखरखाव किया जाएगा। बुनियादी सुविधाओं के तहत सड़कों के गड्ढे और फुटपाथ दुरुस्त किए जाएंगे। रेलिंग, रोड साइन, स्ट्रीट फर्नीचर और सार्वजनिक शौचालयों का भी निरीक्षण व रखरखाव होगा। वर्षा की स्थिति में जलभराव रोकने और जल निकासी व्यवस्था दुरुस्त रखने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। स्ट्रीट लाइटों की कार्यशीलता सुनिश्चित करने के साथ बिजली संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए क्विक रिस्पॉन्स टीम तैनात रहेगी।

निगरानी के लिए कंट्रोल सेंटर, स्पेशल ट्रैफिक प्लानत्न सम्मेलन की ब्रांडिंग के लिए 154 डिजिटल स्क्रीन और करीब 83 सार्वजनिक शौचालयों को इस्तेमाल किया जाएगा। वहीं, अतिक्रमण, अनधिकृत होर्डिंग और अनधिकृत वेंडिंग के खिलाफ विशेष प्रवर्तन अभियान चलेगा। पार्किंग और यातायात व्यवस्था के लिए दिल्ली पुलिस समेत संबंधित एजेंसियों के साथ समन्वय किया जाएगा। ब्रिक्स बाजार, ब्रिक्स रन एंड राइड, म्यूरल-पेंटिंग और फूड फेस्टिवल जैसे कार्यक्रमों के लिए भी अलग नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। व्यवस्थाओं की निगरानी के लिए 24 घंटे कमांड एंड कंट्रोल सेंटर संचालित होगा, जहां सीसीटीवी, फील्ड रिपोर्ट और अधिकारियों के निरीक्षण के माध्यम से स्थिति पर नजर रखी जाएगी।

ईरान में युद्ध और महंगाई के बीच युवाओं का सुकून भी छिना, दर्जनों कैफे सील

लैली निकूनाजार/येगाने तोरबाती, तेहरान, एजेंसी। युद्ध के साये, आसमान छूती महंगाई और रोजगार के घटते अवसरों के बीच ईरान की युवा पीढ़ी के पास सामान्य जिंदगी जीने का सिर्फ एक ही सस्ता जरिया बचा था-शाम के वक्त दोस्तों के साथ किसी कॉफी शॉप में बैठकर थोड़ा वक्त सुकून से काटना। लेकिन फुटपाथ में कुर्सियों पर पसरे युवा, सिगरेट का धुआं, बेपरवाह गपशप और कभी-कभार छिपाकर बीयर पीने (जिसकी सजा देश में कोड़े हैं), वाले ये दृश्य कट्टरपंथी हुकूमत को खामोश बगावत नजर आने लगे। नतीजा, पुलिस-प्रशासन कैफे बंद कराने लगा।हाल में दर्जनों कैफे, रेस्टोरेंट और बुटीक सील किए गए हैं। लेकिन तेहरान के कैफे मालिक आमिर का कहना है कि यह हुकूमत की बेचैनी और युद्ध से थके समाज को नियंत्रित करने की कोशिश है। आमिर कहते हैं, हम खुद को यही तसल्ली देते हैं कि यह सिर्फ एक लहर है। ईरान के कॉफी शॉप कल्चर पर किताब लिखने वाली हालेह मीर मीरी के अनुसार, इसमें युवा जिंदगी जीने के वैकल्पिक रास्ते तलाशते हैं।

खतरनाक ड्राइविंग के वीडियो पर सख्ती; टिकटॉक समेत कई प्लेटफॉर्म को सरकार की चेतावनी

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की सरकार ने सोमवार को टिकटॉक और दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों से कहा कि वे खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने वाले वीडियो हटाएं। सरकार ने इन वीडियो को वायरल होने से रोकने को कहा है। यह कदम एक सड़क हादसे में दो पुलिस अधिकारियों और पांच युवकों की मौत के बाद उठाया गया है। हादसे के समय एक कार सड़क की गलत दिशा में जा रही थी।

शनिवार को अधिकारी मैथ्यू ब्लेड्स और टॉम क्लॉ की मौत हो गई। उत्तर-पूर्वी इंग्लैंड में एक वोक्सवैगन कार सड़क पर गलत दिशा में जा रही थी। इसी दौरान वह पुलिस अधिकारियों की गाड़ी से टकरा गई। कार में सवार पांच लोगों की भी मौके पर मौत हो गई। इनमें तीन लड़के थे। उनकी उम्र 17 और 18 साल थी। दो अन्य पुरुष थे। दोनों की उम्र 23 साल थी।

यह हादसा ऐसे समय हुआ है, जब सोशल मीडिया में उन वायरल वीडियो को लेकर चिंता बढ़ी है, जिनमें लोग खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाते दिख रहे हैं। ऐसे वीडियो खुद गाड़ी चलाने वाले लोग पोस्ट करते हैं। कई बार गाड़ी में बैठे दूसरे लोग भी इन्हें सोशल मीडिया पर डालते हैं। ब्रिटिश मीडिया की खबरों के मुताबिक, शनिवार को वोक्सवैगन कार में मारे

गए लोगों में से एक ने पहले भी ऐसा वीडियो पोस्ट किया था।

ब्रिटेन के रक्षा मंत्री ल्यूक पोलार्ड ने कहा कि सरकार ने टिकटॉक और ऐसी दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों से ऐसे खराब कंटेंट को हटाने और अपनी कार्रवाई तेज करने को कहा है।

उन्होंने बीबीसी से कहा, हमने उन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से बात की है, जहां सड़कों पर इस तरह के खतरनाक व्यवहार का जश्न मनाने वाला कंटेंट डाला जा रहा है। हमने उनसे ऐसा कंटेंट हटाने को कहा है।

पोलार्ड ने आगे कहा, इन कंपनियों ने कुछ नियमों का विरोध करते हुए कहा था कि वे खुद अपने प्लेटफॉर्म की निगरानी कर सकती हैं। अब यह दिखाने का सही मौका है कि वे ऐसा कर सकती हैं। सड़कों पर खतरनाक व्यवहार को बढ़ावा देने वाला कंटेंट हटाया जाए। प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम के कार्यालय ने कहा कि वीडियो और मनोरंजन के लिए खतरनाक ड्राइविंग को बढ़ावा देना बेहद शर्मनाक है। कार्यालय ने कहा कि जो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियां पूरी नहीं करते हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए ब्रिटेन के मीडिया नियामक को सरकार का पूरा समर्थन है। टिकटॉक ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की।

तेहरान में मुनीर से मिले गालिबाफः ईरान ने अमेरिका पर लगाया समझौता तोड़ने का आरोप

तेहरान/वाशिंगटन/बीजिंग, एजेंसी। ईरान की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने सोमवार को पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। यह मुलाकात तेहरान में हुई। मुनीर ईरान के दौरे पर हैं। इस दौरान गालिबाफ ने अमेरिका की आलोचना की। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने जून में हुए 14 बिंदुओं वाले समझौते (एमओयू) की शर्तों को बार-बार तोड़ा है। यह समझौता पश्चिम एशिया में जंग खत्म करने और तकनीकी बातचीत के लिए रास्ता बनाने के लिए हुआ था। इसमें होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत भी शामिल थी।

गालिबाफ ने टेलीग्राम पर एक बयान साझा किया। इसमें बताया गया कि उन्होंने मुनीर के साथ समझौते को लागू करने में अमेरिका की ओर से की गई %कई बार की गईं% शर्तों की अनदेखी पर चर्चा की। गालिबाफ ने कहा, %समझौते में सभी पक्षों की जिम्मेदारियां साफ हैं। अमेरिका ने अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभाईं। इससे उसने क्षेत्र में स्थिरता कायम होने से रोका। साथ ही, इस देश पर अविश्वास का एक और कारण पैदा कर दिया।

ईरानी अधिकारी ने यह भी कहा कि तेहरान समझौते को लागू करने की कोशिश जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि ईरान पर बाहरी दबाव का असर नहीं हो रहा है। बयान में कहा गया, हम समझौता ज्ञापन की शर्तों को लागू करने की कोशिश जारी रख रहे हैं। अमेरिका को समझौते के आधार पर अपनी जिम्मेदारियां निभानी होंगी। मुलाकात के दौरान मुनीर ने भी कहा कि वह क्षेत्र में स्थिरता वापस लाने की कोशिश जारी रखेंगे। मुनीर सोमवार को ही तेहरान पहुंचे थे। वह ईरान के अधिकारियों से बातचीत के लिए वहां गए हैं। उनका यह दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब क्षेत्र में तनाव बढ़ा हुआ है। ईरान और अमेरिका के बीच भी लगातार तनाव बना हुआ है।

ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने इससे पहले मुनीर के दौरे को ईरान और पाकिस्तान के बीच बहुत अच्छे और खास संबंधों के तहत होने वाला दौरा बताया था। बघाई ने मुनीर के तेहरान पहुंचने से पहले प्रेस

वार्ता में कहा था, ईरान और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंध इस समय अपने सबसे अच्छे दौर में हैं। दोनों देश हर क्षेत्र में इन संबंधों को लगातार मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

पश्चिम एशिया में संघर्ष के दौरान पाकिस्तान पहले भी अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत कराने की कोशिश कर चुका है। इसमें जून में दोनों देशों के बीच एक अंतरिम समझ बनाने की कोशिश भी शामिल थी। हालांकि, बाद में यह कोशिश नाकाम हो गई।

जब बघाई से पूछा गया कि क्या मुनीर का दौरा ओमान के विदेश मंत्री बद्र बिन हमद अल बुसैदी के तेहरान दौरे से जुड़ा है, तो उन्होंने कहा कि दोनों दौरों का आपस में कोई संबंध नहीं है। दोनों दौरे सिर्फ एक ही समय पर हो रहे हैं।

अल बुसैदी मंगलवार को ईरान जाने वाले हैं। वह ईरानी अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। इस दौरान दोनों देशों के संबंधों, क्षेत्रीय सुरक्षा और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। समुद्री यातायात का मुद्दा भी बातचीत में शामिल हो सकता है।

मुनीर का तेहरान दौरा ऐसे समय हुआ है, जब 7 अगस्त को पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत तीनों देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला बाकी दोनों देशों पर भी हमला माना जाएगा।

ट्रंप ने अब क्या दावा किया

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर दबाव और बढ़ाने के संकेत दिए हैं। उन्होंने ईरान को आर्थिक और कामकाज के स्तर पर बर्बादी के कगार पर बताया। ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर दावा किया कि तेहरान पूरी तरह ढह रहा है। ट्रंप ने लिखा, ईरान पूरी तरह ढह रहा है। एक दूसरी पोस्ट में ट्रंप ने दावा किया कि रिपब्लिकन ईरान के खिलाफ जीत रहे हैं। उन्होंने ईरान को ऐसा देश बताया, जो आर्थिक और सैन्य मौत के चक्र में फंसता जा रहा है। ट्रंप ने डेमोक्रेट्स पर भी निशाना साधा। उन्होंने देश के अंदर किए जा रहे राजनीतिक सर्वे को खारिज किया। साथ ही कहा कि दुनिया की मौजूदा स्थिति रिपब्लिकन और अमेरिका के पक्ष में है। ट्रंप ने लिखा, कट्टरपंथी वामपंथी डेमोक्रेट फर्जी सर्वे को लेकर पागल हो रहे हैं। वे इन्हें ऐसे स्तर पर जारी कर रहे हैं, जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इन्हें %मनोबल गिराने वाले अभियान% कहा जाता है। इसमें वे रिपब्लिकन का मनोबल गिराने की कोशिश करते हैं, ताकि वे वोट देने के लिए बाहर न निकलें। लेकिन असली सर्वे बहुत अच्छे हैं। हमारे देश में इससे पहले कभी इतना ज्यादा उत्साह नहीं रहा। हम हर किसी के खिलाफ जीत रहे हैं। इसमें ईरान भी शामिल है। ईरान इस समय आर्थिक और सैन्य मौत के चक्र में है।

अमेरिका की देशों को धमकी पर चीन ने क्या कहा

वहीं, चीन ने सोमवार को कहा कि प्रतिबंध लगाने और अतिरिक्त दबाव बनाने से मामला सुलझाने में मदद नहीं मिलेगी। अमेरिका ने ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर भी नए प्रतिबंध लगाने की धमकी दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,